जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 15 जनवरी, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

देश में पहली बार
सैन्य छावनी के बाहर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

वीरभूमि राजस्थान में सेना दिवस परेड

शौर्य, पराक्रम और वीरता की धरा
राजस्थान में आयोजित

78वें सेना दिवस

15 जनवरी, 2026

के अवसर पर राजस्थान के वीर शहीदों,
भूतपूर्व सैनिकों एवं सेवारत सैनिकों को सादर नमन

सेना दिवस परेड

प्रातः 10:00 से अपराह्न 12:25 बजे
महल रोड़, जयपुर

शौर्य संध्या

मुख्य अतिथि	गरिमामयी उपस्थिति
श्री राजनाथ सिंह माननीय केन्द्रीय रक्षा मंत्री	**श्री भजनलाल शर्मा** माननीय मुख्यमंत्री

सायं 05:30 से सायं 07:00 बजे
सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर

राजस्थान संवाद

"15 जनवरी, 2026 का दिन राजस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा रहा है। यह परेड केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उन बलिदानों का जीवंत स्मरण है, जिनसे हमारी सीमाएँ सुरक्षित हैं। इस अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएँ। जय हिंद।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

युवाओं में विश्वास जगाती सरकार की पहल

युवाओं को रोजगार सबसे ज्यादा ज्वलंत मुद्दा होता है और राजस्थान की सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक पहल करते हुए साल के पहले माह में ही पूरे साल का सरकारी कार्यालयों की भरती का कैलेण्डर जारी कर युवाओं को सकारात्मक संदेश दे दिया है। नौकरियों की तलाश में जुटे युवाओं को सालाना कैलेण्डर जारी होने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करना आसान हो जाएगी क्योंकि उन्हें पहले से ही मालूम हो सका है कि किस माह में किन–किन सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती परीक्षाएं आयोजित होगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सरकार द्वारा भर्ती एजेंसियों के माध्यम से एक लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें सभी तरह के पद शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की युवाओं के भविष्य के प्रति सोच का ही परिणाम है कि सरकार ने साल भर में भरे जाने वाले एक लाख पदों की भर्ती ना केवल सुनिश्चित कर दी अपितु सभी एक लाख पदों को भरने का सालाना कैलेण्डर जारी करके सरकार की मंशा को स्पष्ट कर दिया है। सबसे खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए भर्ती प्रक्रिया में कामकाज संभालते ही ध्यान देना शुरु किया और लगातार भर्ती प्रक्रिया जारी रखने के साथ ही समय समय पर कार्यक्रम आयोजित कर नियुक्ति पत्र दिए जाते रहे हैं। इससे युवाओं में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। अन्यथा इससे पहले जिस तरह से एक के बाद एक भर्ती प्रक्रियाएं लगातार प्रश्नों के घेरे में आती रही है और हालात यहां तक पहुंच गए कि भर्ती करने वाली संस्थाएं खासतौर से राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन की विश्वसनियता ही सवालों के घेरे में खडी हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पूर्ववर्ती सरकार के दौरान भर्ति परीक्षाओं में व्यापक स्तर पर हुई गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य को देखते हुए तत्काल एसओजी के हवाले जांच कराने के बाद एक के बाद एक नित नए कारनामें और नाम उजागर होने लगे हैं। भर्ती परीक्षाओं में इस तरह की धांधलियां जहां युवाओं में घोर निराशा का कारण बनती गई वहीं सरकार की विश्वसनीयता भी संदेह के घेरे में आ गई। इस बात के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार की तारीफ करनी होगी कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक भी भर्ती परीक्षा संदेह के घेरे में नहीं आई। इससे युवाओं में भी विश्वास जमा है और वे यह मानने लगे हैं कि उनके साथ कसी तरह का छलावा नहीं होगा। परीक्षाओं को लेकर जो अविश्वास का कोहरा छाया था वह भी धीरे धीरे छट गया है।

युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की चिंता और गंभीरता इसी से स्पष्ट हो गई है कि सरकार ने भर्तियों का मासिक कैलेण्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने युवाओं के हित की अनेक रोजगारपरक कौशल विकासपरक नीतियां लागू कर दी है। स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में युवाओं को भी भविष्य को दिशा देने के प्रयास करने चाहिए।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं हो सकता। होना भी नहीं चाहिए। कितनी मेहनत से युवा नौकरी के लिए परीक्षा की तैयारी में जुटता है और फिर परीक्षा के बाद जब पेपर आउट होने या अन्य तरह की गलत गतिविधियों के कारण पूरी परीक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगता है तो युवा किस मानसिकता से गुजरते हैं वह कल्पना से परे की बात है। परीक्षाओं में शुचिता अनिवार्य मांग है और उसे परीक्षा कराने वाली संस्था को बनाए रखना ही चाहिए। जिस तरह से आरपीएससी संदेह के घेरे में आई और जिस तरह से आरपीएससी के सदस्य के कारनामें उजागर हुए उससे ना केवल युवाओं के सपने नष्ट हुए अपितु सरकार की फजीहत में भी कोई कमी नहीं रही। इसके साथ ही मेहनती और जरुरतमंद युवाओं पर तो एक तरह से आकाशीय बिजली गिरने जैसे हालात ही हो गए। हांलाकि इस तरह के घटनाएं कई प्रदेशों में हुई पर जिस तरह से राजस्थान की साख खराब हुई वह अपनेआप में गौर करने लायक रही है।

साल की शुरुआत में ही प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी कर दिया जाता है तो युवाओं को किस परीक्षा में बैठना है और किस तरह की तैयारी करनी है उसका समय रहते रोडमैप तैयार हो जाता है। इसके अलावा युवाओं में एक विश्वास बनता है कि सरकार द्वारा इस साल इतने पदों के लिए भर्ती की जाएगी। प्यरीक्षा का संभावित समय भी पूर्व निर्धारित होता है तो फिर इससे परीक्षा की तैयारी करना भी आसान हो जाता है। इसके साथ ही पक्ष–विपक्ष का भर्ती करने नहीं करने के विवाद का भी कोई मायना नहीं रह जाता है।

प्रतियोगी परीक्षा के साथ ही उसकी पारदर्शिता महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार परीक्षाओं की शुचिता व पारदर्शिता को लेकर युवाओं में विश्वास जमाने में सफल रही है। अब प्रतियोगी परीक्षाओं की आयोजन संस्थांए चाहे वह आरपीएससी हो या अधीनस्थ भर्ती बोर्ड दोनो को भी अपनी विश्वसनीयता कायम करने और कायम रखने के ठोस प्रयास करने होंगे। क्योंकि जिस तरह से इन संस्थाओं के अस्तित्व और गरिमा को बनाएं रखने पर खास ध्यान देना होगा। सरकार ने अपना काम कर दिया है। युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की चिंता और गंभीरता इसी से स्पष्ट हो गई है कि सरकार ने भर्तियों का मासिक कैलेण्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने युवाओं के हित की अनेक रोजगारपरक कौशल विकासपरक नीतियां लागू कर दी है। स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में युवाओं को भी भविष्य को दिशा देने के प्रयास करने चाहिए। जो युवा अपने कौशल को स्वरोजगार, एमएसएमई या लघु घरेलू उद्योग लगाने में रुचि रखते है तो उन्हें सरकारी नौकरी के स्थान पर एंटरप्रोन्योर बनने की दिशा में भी प्रयास करने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 15 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 5:48 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:38 तक, तैतिल करण रात्रि 8:17 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज मंगल मकर राशि में रात्रि 4:28 से प्रवेश करेगा। आज थल सेना दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:17 से 12:36 तक, लाभ–अमृत 12:36 से 3:13 तक, शुभ 4:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:51

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

सिंह

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
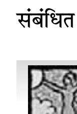
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग/परामर्श मिल सकता है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
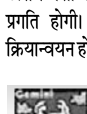
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
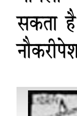
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
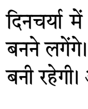
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में आज शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक
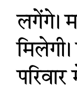
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मीन
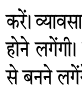
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

''मकर संक्रांति'' सूर्य संवत्सर का सबसे पावन महत्वपूर्ण दिन

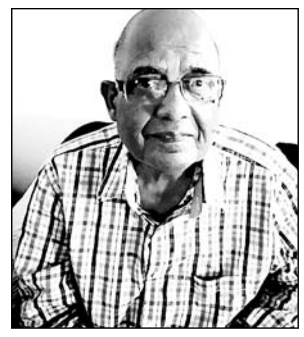

डॉ. जे.के. गर्ग

सूर्य को भारत के ऋषि मुनियों ने निर्विवाद रूप से जड़ चेतन की आत्मा माना है। भारतीय काल चक्र सूर्यकी गति के मुताबिक ही चलता है। सूर्य का संक्रमन लगातार काल प्रवाह का परिचायक है। भारत में सोर संवत्सरको राष्ट्रिय मान्यताप्रदान की गई है वहीं सोर संवत्सर का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण दिन मकर संक्रान्ति को माना गया है। संक्रांति का मतलब है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में गमन करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि के अंदर प्रवेश करता है। इसी वजह से इस संक्रांति को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि में प्रवेश करते हैं, वैसे तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य व शनि में शत्रुता बताई गई है लेकिन इस दिन पिता सूर्य स्वयं अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं तो इस दिन को पिता पुत्र के तालमेल और प्रेम मिलाप के दिन और पिता–पुत्र में नए संबंधों की शुरुआत के दिन के रूप में भी देखा गया है।

पुराणों के अनुसार भगवान राम के पूर्वज एवं मां गंगा को धरती परलाने वाले राजा भगीरथ ने इसी दिन अपने पूर्वजों का तिल से तर्पण किया था और तर्पणके बाद गंगा इसी दिन सागर में समा गई थी और इसलिए इस दिन गंगासागर में मकरसंक्रांति के दिन विशाल धार्मिक मेला भरता है। मकरसंक्रान्तिके पावनदिन पर लाखों त्र नारी गंगासागर में स्नान करके पुण्य लाभप्राप्त करते हैं। मकर संक्रांति के दिन ही दिन भगवान विष्णु ने असुरों का संहार करके असुरों के सिर को मंदार पर्वत पर दबा कर युद्ध समाप्ति की घोषणा कर दी थी। इसलिए मकर संक्रांति को बुराई पर अच्छाइयों और असत्य पर सत्य के रूप में मनाते हैं। मकर संक्रांति को नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की शुरुआत के रूप में भी मनाया जाता है।

इस साल मकर संक्रांति 14 और 15 जनवरी को मनाई जाएगी। सोर संवत्सर में मकरसंक्रांति में सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण तक का सफर अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता के मुताबिक सनातन धर्मी हिन्दू सूर्य के उत्तरायण काल में ही शुभ कार्य करते हैं। सूर्य जब मकर, कुंभ, वृष, मीन, मेष और मिथुन राशि में रहता है तब इसे उत्तरायण कहते हैं। वहीं, जब सूर्य बाकी राशियों सिंह, कन्या, कर्क, तुला, वृश्चिक और धनु राशिमें रहता है, तब इसे दक्षिणायन कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार उत्तरायण देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन देवताओं की रात होती है। जितने समय में पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाती है उसी अवधि को सौर वर्ष कहते हैं। पृथ्वी का गोलाई में सूर्य के चारों ओर घूमना क्रान्ति चक्र कहलाता है। इस परिधि चक्र को बाँटकर बारह राशियाँ बनी हैं। सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रान्ति कहलाता है। मकर संक्रांति के दिन यज्ञ में दिया हव्य को ग्रहण करने के लिए देवता धरती परअवतरित होते हैं। मकर संक्रांति का त्यौहार सम्पूर्ण सृष्टि के लिए ऊर्जा के स्त्रोत भगवान सूर्य की आराधना के रूप में मनाया जाता है।

उत्तरायण में इसी मार्ग से पुण्यात्माएँ शरीर छोड़कर स्वर्गआदि लोकों में प्रवेश करती हैं। सनातन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक इस दिन पुण्य, दान, जपत था धार्मिक अनुष्ठानों का अत्याधिक महत्त्व है और इस दिन किये गये दान पुन्य से उन्हें सौ गुणा ज्यादा फल प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि सूर्य के उत्तरायण में आने पर सूर्य की किरणें पृथ्वी पर पूरी तरह से पड़ती है और यह प्रथ्वी प्रकाशमय हो जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार 21–22 दिसंबर के आसपास से ही दिन का बढना शुरू होता हैं।

इसलिए वास्तविक शीतकालीन संक्रांति 21 दिसंबर या 22 दिसंबर जब उष्णकटिबंधीय रवि मकर राशि में प्रवेश करती है इसलिए वास्तविक उत्तरायण 21दिसंबर को होता है। यही मकर संक्रांति की वास्तविक तारीख भी थी। एक हजार साल पहले मकरसंक्रांति 31 दिसंबर कोमनाया गया था वर्तमान समय में साधारणतया 14जनवरी को मकर संक्रांति बनाई जाती है। वैज्ञानिक गणनाओं के अनुसार पांच हजार साल बाद मकर संक्रांति का पर्व फरवरी के अंत तक हो सकता है, जबकि 9000 वर्षों बाद में यह जून में आ जाएगा।

खगोलीय अवधारणा के मुताबिक सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने को मकर संक्रांति कहा जाता है। दरअसल हर साल सूर्य का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश 20 मिनट की देरीसे होता है। इस तरह हर तीन साल के बाद सूर्य एक घंटे बाद और हर 72 साल एक दिन की देरी से मकर राशि में प्रवेश करता है। इस तरह 2080 के बाद मकर संक्रांति 16 जनवरी को पड़ेगी। इसी संदर्भ यह उल्लेखनीय है कि राजा हर्षवर्धन के समय में यह पर्व 24 दिसंबर को पड़ा था। मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में 10 जनवरी को मकर संक्रांति थी। शिवाजी के जीवन काल में यह त्योहार 11 जनवरी को पड़ा था। मकर संक्रांति के दिन भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों यथा प्रयाग, हरिद्वार, वाराणसी, कुरुक्षेत्र, गंगासागर, पुष्कर आदि में पवित्र नदियों गंगा, यमुना आदि में करोडों लोग डुबकी लगा कर स्नान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि वरुण देवता इन दिनों में यहां आते हैं। यह भी माना जाता है कि उत्तरायण में देवता मनुष्य द्वारा किए गए हवन,यज्ञ आदि को शीघ्रता से ग्रहण करते हैं। अथर्ववेद में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि दीर्घायु और स्वस्थ रहने के लिए सूर्योदय से पूर्व ही स्नान शुभ होता है। ऋग्वेद में ऐसा लिखा है कि हे सूर्योदय से पूर्व ही स्नान करने से भास्कर देव हमारे वात, पित्त और कफ से पैदा होने वाले रोगों को समाप्त करते हैं। मकर संक्रांति माघ माह में आती है। संस्कृत में मघ शब्द से माघ निकला है। मघ शब्द का अर्थ होता है धन, सोना–चांदी, कपड़ा, आभूषण आदि इसलिए इन वस्तुओं के दान आदि के लिए ही माघ माह उपयुक्त है। ईसी वजह से मकर संक्रांति को माघी संक्रांति भी कहते हैं।

मकर संक्रांति को देश में कई अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे तिल संक्रांति, खिचड़ी संक्रांति एवं माघ संक्रांति। पंजाब और जम्मू कश्मीर मे संक्रांति के एक दिन पूर्व में लोहड़ी मनाई जाती है। लोग घर–घर जाकर लकडियां एकत्रित करते हैं और फिर लकड़ियों के समूह को आग के हवाले कर मकई की खील, तिल व रेवड़ियों को अग्नि देव को समर्पित करके प्रसाद के रूप में सबमें बाटते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में मकर संक्रांति को 'खिचड़ी' के नाम से मनाया जाता है।

इन प्रदेशों के अंदर कहीं खिचड़ी बनाई जाती है तो कहीं जगह दही चूड़ा और तिल के लड्डू बनाए जाते हैं। मध्य प्रदेश में इस त्योहार पर परिवार के बच्चों से लेकर बूढे सभी एक साथ गिल्ली–डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में मकर संक्रांति के दिन लोग अपने घर के सामने आकर्षक रंग बिरंगी रंगोली अवश्य बनाते हैं। फिर एक–दूसरे को तिल–गुड़ खिलाते हुए आपस में कहते हैं तिल और गुड़ खाओ और फिर हमेशा मीठा–मीठा बोलो। असम में माघ महीने की संक्रांति के पहले दिन से माघ बिहूयानि भोगाली बिहू पर्व मनाया जाता है। भोगाली बिहू के मौके पर खान–पान धूमधाम से होता है। इस समय असम में तिल, चावल, नरियल और गन्ने की फसल अच्छी होती है। इसी से तरह–तरह के व्यंजन और पकवान बनाकर खाये और खिलाये जाते हैं।

भोगाली बिहू पर भी होलिका जलाई जाती है और तिल व नरियल से बनाए व्यंजन अग्नि देवता को समर्पित किए जाते हैं। भोगली बिहू के मौके पर टिकुली भोंगा नामक खेल खेला जाता है साथ ही भैंसों की लड़ाई भी होती है।

राजस्थान, गुजरात में संक्रांति को पंतग बाजी के पर्व के रूप में मनाया जाता है राजस्थान,गुजरात मे इस दिन आसमान पतंगो से ढक जाता है। लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तोऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाइयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले–शिकवे भूलकर एक–दूसरे की पतंगों के पेच लड़ा रहे हैं। केरल में भगवान अयप्पा की निवास स्थली सबरीमाला की वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि मकर संक्रांति के दिन ही समाप्त होती है, जब सुदूर पर्वतों के क्षितिज पर एक दिव्य आभा 'मकर ज्योति' दिखाई पड़ती है। कर्नाटक में भी फसल का त्योहार शान से मनाया जाता है।

बैलों और गायों को सुसज्जित करने की शोभायात्रा निकाली जाती है। नये परिधान में सजे नर–नारी, ईख, सूखा नारियल और भुने चने के साथ एक–दूसरे का अभिवादन करते हैं। मकर संक्रांति फसलों की कटाई का त्यौहार नई फसल और नई ऋतु के आगमन के तौर पर भी मकर संक्रांति धूमधाम से मनाई जाती है। पंजाब, यूपी, बिहार समेत तमिलनाडु में यह वक्त नई फसल काटने का होता है, इसलिए किसान मकर संक्रांति को आभार दिवस के रूप में मनाते हैं।

खेतों में गेहूं और धान की लहलहाती फसल किसानों की मेहनत का परिणाम होती है लेकिन यह सब ईश्वर और प्रकृति के आशीर्वाद से संभव होता है। मकर संक्रांति से प्राप्त सुखी जीवन के नुस्खे मकर संक्रान्ति का पर्व हमे अपनी जिन्दगी को सुखी और खुशहाल बनाने के बारे में अप्रत्यक्ष रूप के अंदर अनेको सीख भी देता है। सूर्य आकाश में बहुत ऊँचाई पर है इसीलिये हमे भी जीवन के अंदर कुछ बड़ा काम करने के लिये हमकोऊंची और बड़ी सोच रखनी होगी। सूर्य कीरोशनी से प्राप्त उजाला हमको सीख देता है कि ज्ञान से प्राप्त की गई सोच से हमारी सोच के अंदर स्पष्ट नजरिया उत्पन्न होता है जो हमें सफलता दिलाता है। संक्रांति के बाद मौसम मे बदलाव आता है और हमारे खान पान मे भी हम बदलाव करते है इससे सीख मिलती हैकि परिस्थिति में आए परिवर्तन के अनुसार हमें अपने–अपने को ढाल लेना चाहिये। परिवर्तन को स्वीकार करना लाजमी और फायदेमंद होता है। अपनी लीडरशिप क्षमता को कामयाब बनाने के लिये हमारी बोली में मिठास और विनम्रता का होना जरूरी है।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक मकर संक्रांति के दिन दिन सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि में प्रवेश करते हैं,वैसे तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य व शनि में शत्रुता बताई गई है लेकिन इस दिन पिता सूर्य स्वयं अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं तो इस दिन को पिता पुत्र के तालमेल और प्रेम मिलाप के दिन के दिन व पिता पुत्र में गुजरे दुश्मनी पूर्ण संबंधों की बजाय नये प्रेममय रिश्तों की शुरुआत होती है। इससे हमको यह सीख मिलती है कि हमें अपने जीवन मे आपसी रिश्तों को मजबूत बनाये रखना चाहिए यही सबसे बड़ी पूजीं होती है। शुभ कामो की शुरुआत करने मे देरी नहीं करें। जीवन के अंदर जीत हार को अनावश्यक महत्व नहीं दें याद रखे एक असफलता दूसरी सफलता का दरवाजा खोलती है। सिर्फ सोचने से कुछ भी प्राप्त नहीं होगा आपको अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिये मेहनत करनी पड़ेगी।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज
डा जे. के. गर्ग

भारत में नववर्ष मनाने के नए ट्रेंड ने दुनिया को चौंकाया, पाश्चात्य की राह छोड़, आध्यात्म की ओर मुड़े लोग

मिश्रीलाल पंवार

इस वर्ष पूरे भारतवर्ष में नववर्ष मनाने के ट्रेंड ने पूरी दुनिया को चौका दिया है। देश विदेश के लोग इस चैंज को सनातन के तेजी से बढ़ते प्रभाव के रूप में देख रहे हैं। यह पहला मौका था जब भारतीय जनमानस का बड़ा हिस्सा यकायक पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर नववर्ष मनाने की बजाय आध्यात्म की ओर मुड़ता दिखा है। इस वर्ष भारत के हर तीर्थ स्थल पर नववर्ष मनाने वालों का सैलाब उमड़ पड़ा था। नए साल की शुरुआत आस्था और भक्ति के साथ करने के लिए बड़ी संख्या में लोग तीर्थ स्थलों पर पहुंचे और देवी–देवताओं के दर्शन–पूजन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसरों में सुबह से ही हर–हर महादेव,जय श्रीहरि, जय माता दी और जय बजरंगबली के साथ ही वाहेगुरु के जयकारे गूंजते रहे। हांलांकि कुछ लोगों ने पाश्चात्य परम्परा से भी नववर्ष मनाया, मगर ऐसे लोगों की संख्या इस बार बहुत कम रही। तीर्थ या धाम पर पर नववर्ष मनाने के बाद वापस लौट लोगों ने बताया कि तीर्थ पर जाकर भगवान के साथ नववर्ष मनाने का अद्भुत व अनोखा अनुभव रहा। जीवन में पहली बार परिवार के साथ देवदर्शन कर नववर्ष मनाया। इसमें अलग ही आनंद की अनुभूति हुई। उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता।

वैसे तो भारत के हर तीर्थ स्थल पर लोगों की भीड़ बनी रही मगर अयोध्या पहुंच कर भगवान राम के साथ नववर्ष मनाने का उत्साह चरम पर रहा। रामनगरी में अयोध्या में नव वर्ष 2026 की पहली सुबह भक्ति, विश्वास और उल्लास के रंग में रंगी नजर आई। नया साल लगते ही रामलला के दर्शन की अभिलाषा लेकर श्रद्धालुओं का जनसैलाब सरयू तट से लेकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी तक उमड़ पड़ा।धैर्य के साथ अपने आराध्य के दर्शन करते दिखे। कहीं भजन–कीर्तन की स्वर लहरियां थीं तो कहीं दीप–धूप के साथ आरती की दिव्यता ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रशासनिक अफसरों की मानें तो इस दौरान नववर्ष मनाने आठ लाख से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे।

नए सपनों, संकल्पों के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी में लोगों ने नए साल के पहले दिन का दिल खोलकर स्वागत किया। भोर से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही जय श्रीराम के उद्घोष गूंज उठे। भीड़ का सर्वाधिक दबाव रामलला के दरबार और हनुमानगढ़ी में रहा। घंटों कतार में खड़े रहकर भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

इसी तरह हरिद्वार, काशी–विश्वनाथ, जगन्नाथ पुरी, प्रयागराज, माता वैष्णोदेवी मंदिर, महाकालेश्वर, सोमनाथ, द्वारका, पावागढ़, स्वर्ण मंदिर, भीमाशंकर, ओंकारेश्वर, रामेश्वरम, मदुरै, उज्जैन, नासिक, मथुरा–वृंदावन, तिरुपति और शिरडी सहित देश के हर तीर्थ स्थल पर नववर्ष मनाने वालों का सैलाब उमड़ पड़ा। नव वर्ष 2026 के नववर्ष आगमन पर अल सुबह से ही गयाजी शहर और आसपास के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। असम के गोहाटी में स्थित शक्ति पीठ कामख्या धाम पर भी लोगों की भारी भीड़ बनी रही।गुजरात के श्यामलाजी मन्दिर पर भी लोगों की अभूतपूर्व भीड़ रही।

राजस्थान भी इससे अछूता नहीं रहा। चुरू स्थित सालासर बालाजी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। यहां रात एक बजे मंदिर के पट खोले गए और दर्शन की अनुमति दी गई। खाटू श्यामजी मंदिर के कपाट खुले रखे गए ताकि श्रद्धालु निरंतर दर्शन कर सकें। यहां दस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने नववर्ष मनाते धोंक लगाई। पुलिस ने लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। रिंगस तथा खाटू के बीच 17 किलोमीटर के क्षेत्र को दो जनवरी तक वाहन निषेध क्षेत्र घोषित किया गया। जयपुर के गोविन्द देवजी के मन्दिर में भी भारी भीड़ बनी रही।

चित्तौड़गढ़ में स्थित सांवरिया सेठ मंदिर पर श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही पहुंचने लगे, वहीं बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ देखी गई।

इसी तरह, सवाई माधोपुर में हजारों श्रद्धालु त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। जिससे मंदिर तक जाने वाली सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुष्कर भी अछुता नहीं रहा। लोग अलग सुबह ही पुष्कर सरोवर में स्नान कर ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन को पहुंचने शुरू हो गए। जो लोग तीर्थ स्थलों पर नहीं पहुंच पाए, वे अपने ही शहर के मन्दिरों पर पहुंचे तथा भगवान के दर्शन कर नववर्ष मनाया।

प्रतापनगर स्थित हनुमान शनिधाम के गाधिपति गोपाल महाराज का कहना है कि यह क्रांति यकायक नहीं आई है। देश के संतों की इसमें प्रमुख भूमिका रही है। पिछले कुछ समय में वृन्दावन के महान संत प्रेमानंद महाराज, देवकीनंदन ठाकुर, अनिरुद्धाचार्य महाराज, बागेश्वर धाम के श्री धीरेन्द कृष्ण शास्त्री, श्री रामभद्राचार्य महाराज, श्री इन्द्रेश उपाध्यक्ष तथा नीम करोली बाबा जैसे प्रखर संत महात्माओं ने सनातनी हिन्दूओं का जगाने में बहुत मेहनत की है। ये सभी संत महात्मा भारत संस्कृति के संवाहक है।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

मांडलगढ़ : बुजुर्ग भगवत सिंह के जुनून ने बंजर ज़मीन को बना दिया हरा–भरा जंगल

माण्डलगढ़, (निसं)। जहां लोग पेड़ काटकर ज़मीन को बंजर बना देते हैं, वहीं एक 62 वर्षीय बुजुर्ग भगवत सिंह (लाला बना) ने अपने जुनून, मेहनत और पर्यावरण प्रेम से बंजर भूमि को हरे–भरे जंगल में तब्दील कर दिया। यह प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जुड़ाव ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल भी है। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के सुरास ग्राम पंचायत के नाहरगढ़ गांव के बाहर सड़क किनारे वर्षों से भूमि पूरी तरह से बंजर पड़ी थी। न पानी था, न हरियाली और न ही हरियाली के कोई आसार थे। वर्ष 2021 में पर्यावरणप्रेमी नाहरगढ़ निवासी लाला बना ने बनास नदी के बजरी लीजधारक को प्रेरित कर बंजर पड़ी करीब 50 बीघा भूमि में तारबंदी कराई और पौधरोपण कराया। करीब एक साल बाद बजरी लीज अवधि समाप्त होने से चारागाह में पौधे सूखने लगे और उजाड़ होने लगा। नाहरगढ़ के रहने वाले बुजुर्ग लाला बना ने चारागाह की दुर्दशा को देख इसे विकसित करना अपनी ज़िंदगी का उद्देश्य बना लिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अकेले ही फल एवं फूलदार, छायादार करीब 2500 पौधे का पौधरोपण किया। ख़ुद के निजी टैंकर से दूर से पानी लाकर पौधों की पिलाई कर प्रतिदिन देख–रेख कर परवरिश की। शुरुआत में लोगों ने बुजुर्ग का मज़ाक उड़ाया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार मेहनत, नियमित देखभाल और प्राकृतिक तरीकों से संरक्षण का नतीजा यह रहा कि आज वही बंजर भूमि हजारों पेड़ों और पौधों से लहलहा रही है। जंगल

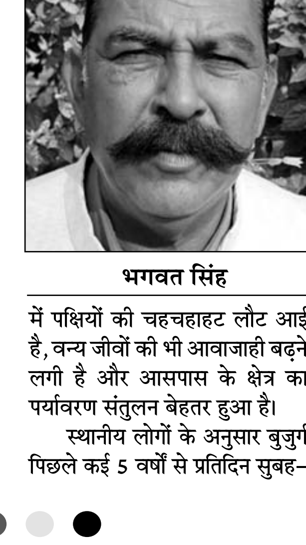

भगवत सिंह

में पक्षियों की चहचहाहट लौट आई है, वन्य जीवों की भी आवाजाही बढ़ने लगी है और आसपास के क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बेहतर हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बुजुर्ग पिछले कई 5 वर्षों से प्रतिदिन सुबह–शाम पौधों की देखभाल करते रहे। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण, प्राकृतिक खाद और देसी बीजों का उपयोग कर जंगल को विकसित किया। आज यह जंगल क्षेत्र के लिए ऑक्सीजन का बड़ा स्त्रोत बन गया है। इस वर्ष विकसित चारागाह के जंगल को उन्नत बनाने के लिए बोरिंग मोटर पंप के साथ ड्रिप सिस्टम का सिंचाई संयंत्र स्थापित किया गया हैं, जो प्रत्येक पौधे ओर पेड़ के तने में नियमित जलापूर्ति कर रहा हैं। इस विकसित चारागाह में विधायक गोपाल खण्डेलवाल, माण्डलगढ़ एसडीएम मनमोहन शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक एवं पर्यावरणप्रेमी बाबूलाल विश्नोई के साथ कई लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण बढ़ाने में भागीदारी निभाई हैं।

■ 50 बीघा एरिया के पेड़ पौधों की सिंचाई के लिए बोरिंग मोटर पंप के साथ ड्रिप सिंचाई संयंत्र लगाया

पर्यावरण प्रेमी लाला बना का कहना है कि विकसित चारागाह में पेड़–पौधों के साथ मवेशियों के हरि एवं सूखी घास भी उपलब्ध हो रही है, जो पशुपालन में उपयोग की जा रही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल साबित करती है कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो एक व्यक्ति भी बड़ा बदलाव ला सकता है। प्रशासन के अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने बुजुर्ग लाला बना के कार्य की सराहना करते हुए इसे जनआंदोलन बनाने की बात कही है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 164 प्रभात जयपुर, गुरूवार 15 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Pink Turns Olive Green Today!

Cariappa's values were exemplified during the 1965 war, when he refused any special treatment for his own son captured as a POW, declaring, "He is no longer my son."

Jaipur Awaits Another Season of Ideas

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को बाड़मेर के धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया।

राजनीतिक लाभ के लिए सीमांकन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जा रहा है- पायलट

सचिन पायलट ने गुड़ामलानी में विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया

गुड़ामालानी, 14 जनवरी (कासं)। धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने पूरे राजस्थान में पंचायतों को तोड़ने का काम किया है और कांग्रेस ने हमेशा जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार में आने पर कांग्रेस धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को वापस बाड़मेर जिले में शामिल करेगी।

बाड़मेर और बालोतरा जिले की सीमाओं में बदलाव को लेकर पायलट ने कहा कि सीमाओं में तोड़फ़ोड़ जनता की राय लिए बिना की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमांकन की प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी रखने के बजाय, उसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आम जनता में भ्रम और असंतोष बढ़ रहा है। हमारे वरिष्ठ नेता हेमाराम चौधरी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ में प्रवेश करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री कार्यालय गुरुवार को साउथ ब्लॉक की बलुआ पत्थर की भव्य इमारत से निकलकर सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के तहत बने नए एक्ज़ीग्यूटिव कॉम्प्लैक्स "सेवा तीर्थ" में स्थानांतरित हो जा रहा है। यह कदम अतीत के स्थापत्य और कार्य संस्कृति से एक निर्णायक दूरी को दर्शाता है।

दशकों तक साउथ ब्लॉक सत्ता और पदानुक्रम का प्रतीक रहा। मोटी दीवारें, संकरे गलियारे और बंद कक्ष- यही सत्ता के संचालन की पहचान थे।

- **सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के तहत बना "सेवा तीर्थ" भवन प्रधानमंत्री का नया कार्यालय है।**

प्रवेश सीमित था, आवागमन व्यवस्थित था और निर्णय-प्रक्रिया भारी दरवाजों के पीछे सिमटी रहती थी। सेवा तीर्थ इस मॉडल से सुविचारित अलविदा का प्रतीक है।

नया प्रधानमंत्री कार्यालय खुले फ़्लोर डिज़ाइन पर आधारित है। बंद केबिनों के बजाय, अधिकारीअब साझा कार्यस्थलों में काम करेंगे, ताकि सहयोग और तेज़ समन्वय को बढ़ावा मिले। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह डिज़ाइन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सऊदी-अरब-पाकिस्तान-टर्की एक "इस्लामिक नाटो" संगठन बना रहे हैं?

इस गठबंधन का चिंतन कुछ चौंकाने वाला है, क्योंकि इसमें नाटो के संविधान की धारा पाँच की प्रतिध्वनि सुनाई देती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। तुर्की, कथित तौर पर, सऊदी अरब-पाकिस्तान के बीच बन रहे एक सुरक्षा ढाँचे में शामिल होने को लेकर बातचीत कर रहा है। यह नया सुरक्षा ढांचा नाटो जैसा सामूहिक रक्षा व्यवस्था वाला संगठन होगा। प्रस्तावित समझौता कथित तौर पर नाटो के अनुच्छेद 5 के सिद्धांत जैसा है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है। भले ही यह पहल अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह क्षेत्रीय सुरक्षा सोच में एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है और इसने नई दिल्ली का ध्यान आकर्षित किया है।

भारत के लिए यह घटनाक्रम भविष्य के लिए चिंता का विषय है, हालांकि तत्काल रूप से अस्थिरता पैदा करने वाला नहीं है। किसी नए "इस्लामिक नाटो" के औपचारिक गठन में तो इसका महत्व कम है, किन्तु रणनीतिक संकेतों में और इसकी

- **धारा पाँच के अनुसार, नाटो के किसी सदस्य पर हमला, नाटो के सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य मिलकर इस हमले का जवाब देंगे।**
- **सऊदी अरब इस "इस्लामिक नाटो" के जरिए वॉशिंगटन पर अपनी निर्भरता से आगे बढ़ कर समानान्तर विकल्प विकसित करना चाहता है।**
- **सऊदी अरब सदा पाकिस्तान से मैत्री व भारत से गहराते इकॉनॉमिक संबंधों के बीच संतुलन बैठाता रहा है। सऊदी अरब, भारत को अपने ऑयल का बड़ा खरीददार व अपनी पूँजी निवेश करने का उपयुक्त स्थान मानता है।**
- **टर्की का भी "इस्लामिक नाटो" से जुड़ना जरूर चिंता का विषय है, क्योंकि टर्की "नाटो" का पुराना सदस्य है, जिसे आधुनिक हथियारों व ड्रोन युद्ध का काफी अनुभव है। अतः टर्की का इस "इस्लामिक गठबंधन" से जुड़ना व पाकिस्तान के सैनिक सैटअप में सहयोग करना, जरूर दिक्कतें पैदा कर सकता है।**

सम्मिलित सैन्य क्षमताओं में ज्यादा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.एम.एस. अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की एक और रिपोर्ट को हाई कोर्ट ने अस्वीकार किया

नीट यूजी-2025 की परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी रमन खण्डेलवाल की दिव्यांगता प्रतिशत को अधिक बताते हुए एस.एम.एस. डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड ने उन्हें डॉक्टरी की पढ़ाई करने व प्रैक्टिस करने से वंचित कर दिया था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 14 जनवरी। एक दिव्यांग अभ्यर्थी का अवैज्ञानिक, अनियमित और मनमाने तरीके से मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने का एक और मामला सामने आया है, जिसमें फिर से सवाई मान सिंह (एस.एम.एस.) अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

दरअसल, रमन खण्डेलवाल, जिन्होंने नीट यूजी-2025 की परीक्षा में दिव्यांगजन के लिए आरक्षित श्रेणी में स्थान पाने के लिए उपयुक्त अंक हासिल

- **हाई कोर्ट की खण्डपीठ के आदेश के बाद रमन खण्डेलवाल की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पुनः जांच हुई और पाया गया कि वह डॉक्टरी पढ़ने व प्रैक्टिस करने के लिए उपयुक्त है।**
- **पिछले कुछ महिनों में यह दूसरी बार है कि एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट अदालत में स्वीकार नहीं हुई है, और उसे अवैज्ञानिक और अनियमित बताया गया है, जो प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल है।**

किए थे, लेकिन उनकी उम्मीदवारी इस कारण रद्द कर दी गई, क्योंकि नीट यूजी के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीयों को ईरान छोड़ने की सलाह

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। भारत ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और सरकार की कार्रवाई में मरने वाले लोगों की बढ़ ती संख्या के बीच, बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को जल्द

- **भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी की तथा कुछ हैल्पलाइन नम्बर भी जारी किए हैं।**

से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है और तेहरान स्थित दूतावास में संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किये हैं।

यह परामर्श पांच जनवरी को जारी पूर्व चेतावनी के बाद जारी किया गया है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किये हैं। लोग दूतावास से मोबाइल नम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस घोषित किया

इस आंकड़ें से सभी देश स्तब्ध हैं, विशेषकर अमेरिका, क्योंकि ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ लगाकर, चीन को घुटने पर लाने का प्रयास किया था

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से पूरी कोशिशों के बावजूद, 2025 में चीन ने अपनी औद्योगिक ताकत से न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है।

चीनी व्यापार अधिकारियों ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के अभूतपूर्व ट्रेड सरप्लस की घोषणा की है। इससे यह साफ हो गया है कि चीन की वैश्विक बाजारों पर पकड़ और मजबूत हो गई है। लेकिन इसी के साथ दूसरे देशों की चिंता भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें अपनी आर्थिक सुरक्षा पर खतरा दिख रहा है और उनके उद्योग सस्ते चीनी निर्यात से दबाव में आ रहे हैं।

ट्रम्प के टैरिफ युद्ध के बावजूद,

- **चीन के अमेरिका को निर्यात में 20 प्रतिशत की गिरावट जरूर आयी, पर, चीन के अन्य देशों के निर्यात में भारी वृद्धि हुई, उदाहरण के लिए, इलैक्ट्रिक कारों के निर्यात में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।**
- **चीन ने पलटवार में अमेरिका को "रेअर अर्थ खनिज" की सप्लाई रोक कर ट्रंप को वाणिज्यिक युद्ध में आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया।**
- **चीन की वाणिज्यिक सफलता का राज, उसका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में "मरकनटाइल सिद्धांत" का अनुसरण करना है।**
- **"मरकनटाइल सिद्धांत" के अनुसार, आप अपने माल की कीमत नफे के कारण नहीं तय करते थे। आप बिक्री की दर, इतनी कम रखते हो कि माल बिके। इससे माल विश्व भर में फैल जाता है तथा अपना मार्केट बना लेता है। सरकार उद्योग के लिए भूमि उपलब्ध कराने समय, केवल उद्योगपति से यह ही पूछती है, अपना माल निर्यात करोड़ों में होगा। यह ही एक सवाल, बैंकों व सरकार द्वारा इण्डस्ट्री को ऋण देते समय पूछा जाता है।**

चीन के कुल आयात की तुलना में उसका ट्रेड सरप्लस ऐसा है, जैसे बॉक्सिंग में माइक टायसन का सीधा घूंसा डॉनल्ड ट्रम्प के चेहरे पर पड़ा हो। ट्रम्प ने चीनी निर्यात पर रोक लगाकर, चीन को अमेरिकी हाई-ट्रैक्नॉलजी उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए थे, ताकि चीन की आर्थिक ताकत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू 16 जनवरी को जयुपर आएंगी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर जयपुर आएंगी। राष्ट्रपति का यह संक्षिप्त, लेकिन महत्वपूर्ण दौरा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष माना जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति दोपहर 1:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी।

एयरपोर्ट से वे सड़क मार्ग के जरिए दोपहर 2:10 बजे सिविल लाइंस स्थित लोक भवन पहुंचेंगी, जहां उनका अल्प

- **वे जयपुर के पास नींदड में आयोजित हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी।**

विश्राम एवं अन्य औपचारिक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शाम 3:50 बजे लोक भवन से प्रस्थान कर शाम 4:20 बजे सीकर रोड स्थित नींदड़ हाउसिंग स्कीम, हरमाड़ा पहुंचेंगी।

यहां वे रामानंद मिशन की ओर से आयोजित1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के सानिध्य में किया जा रहा है। महायज्ञ के साथ-साथ श्रीराम कथा का भी आयोजन चल रहा है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

राष्ट्रपति का जयपुर प्रवास लगभग चार घंटे का रहेगा। कार्यक्रम में सहभागिता के बाद वे शाम को पुनः जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी और वहां से विशेष विमान द्वारा दिल्ली लौट जाएंगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, वहीं यातायात को लेकर भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाई, जल महल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी भी देखी

जयपुर, 14 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया और इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा लोक-कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर इस वर्ष से राज्य के सभी संभाग मुख्यालय तथा जैसलमेर व माउण्ट आबू में भी पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है।**

महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही, पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सातों संभागों एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर पतंग उत्सव आयोजित किया गया। इसमें रंग-बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया। समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ सहित, अन्य अधिकारी, देशी-विदेशी पर्यटक और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया।

माघ मेले में लगातार दूसरे दिन आग लगी

प्रयागराज, 14 जनवरी। माघ मेला के सेक्टर 4 तुलसी मार्ग स्थित बड़े ब्रह्म छोटे ब्रह्म आश्रम में बुधवार की शाम अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमें आधे दर्जन टेंट जलकर राख हो गए। इसमें रखा सामान व 20,000 रुपये नकदी रखा था।

आश्रम के संचालक कमलेश्वर नाथ पांडेय के मुताबिक, इस आश्रम में करीब दर्जन भर से अधिक लोग

- **आधा दर्जन टैंट जल गए, मंगलवार को भी आग लगी थी इसमें तकरीबन एक लाख रु. व कुछ सामान जल गया।**

थे, जो पूजा में व्यस्त थे।

इसी दौरान टेंट के पीछे से आज भड़की, सभी लोग बालू और पानी आग पर फेंकने लगे। इसी से कुछ दूर स्थित कल्पवासी फायर स्टेशन के दमकल कर्मियों की नजर उस पर पड़ी। आनन-फानन में मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

इससे पहले मंगलवार को भी माघ मेले में आग लगने की सूचना मिली थी।

काली मार्ग सेक्टर पांच स्थित रामनाम एवं मानस प्रचार संघ के शिविर में अचानक आग लग गई थी। इससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई थी।

संक्षिप्त

मधुमक्खियों के हमले से दो दर्जन घायल

निवाई। भरकुआं तालाब पर स्थित श्मशान में एक किशोर के दाह संस्कार के दौरान मौजूद लोगों पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शी टल्या शर्मा एवं लोकेश पारीक ने बताया कि कायस्थों का मोहल्ला निवासी तरुण पुत्र सत्यनारायण सेन काफी समय से किडनी से बीमार चल रहा था जिसकी बुधवार को मौत हो गई। जिसका भरकुआं तालाब पर स्थित श्मशान में दाह संस्कार किया जा रहा था। इसी दौरान मौजूद लोगों पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे चिराग शर्मा, विष्णु सेन, कपिल करनानी, चेतन सेन, प्रवीण जैन, लविश शर्मा, राजकुमार करनानी, उदय पारीक, तनिष्क स्वामी, विजय सेन, शुभम पारीक, नवरत्न माली, रतनलाल, अजय, रामअवतार व भावेश करनानी सहित करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। जिनको उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार करके छूटटी दे दी।

मांझे से चेहरे पर गहरे घाव

निवाई। मकर संक्रांति के दिन चाईनीज मांझे की चपेट में आने से एक बाईक सवार युवक की गर्दन कट गई। जिससे वह गंभीररूप से घायल हो गया। घायल को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार पारस पुत्र रामनारायण बैरवा निवासी श्रवण बैरवा की ढाणी खणदेवत रोड मोटर साईकिल पर सवार होकर अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान राधादामोदरजी के कुण्डों के समीप एक पतंग के चाईनीज मांझा उसकी गर्दन में फंस गया। जिससे वह मोटरसाईकिल सहित नीचे गिर गया। दुर्घटना में मांझे से उसकी गर्दन में गहरा घाव हो गया और मोटरसाइकिल से गिरने से भी उसके चेहरे पर चोट लग गई। गर्दन से काफी खून निकलने लग गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों व राहगिरों ने गंभीर घायल पारस को तुरंत राजकीय उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने घायल के चेहरे पर हुए गहरे घाव पर पांच टांके लगाकर उसको छूटटी दे दी।

मंदिरों का अवलोकन

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा की छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत ब्यूटी एंड वैलनेस ट्रेड का द्वितीय औद्योगिक भ्रमण करवाया गया। जिसमें छात्राओं को पार्लर पर ले जाकर आधुनिक व्यावसायिक तकनीकों की जानकारी दी गई साथ ही अन्नपूर्णा गणेश डूंगरी टोंक, शिवाड शिव मंदिर, चौथ का बरवाड़ा माताजी मंदिर सहित विभिन्न ऐतिहासिक भ्रमण स्थलों का भ्रमण भी कराया गया। प्रधानाचार्य नीलम जैन ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर छात्र-छात्राओं को ऐसे व्यवसायिक क्षेत्र की जानकारी दी जाती है जिससे भविष्य में उनको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सके। प्रभारी अंकिता मीणा, सहायक प्रभारी राजेंद्र चौधरी व निशा शर्मा ने भी छात्राओं का उत्साह वर्धन किया।

सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण

भरतपुर,(निस)। राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत भरतपुर जिले के बिजली का चौराहा एवं विश्व प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (केवलादेव घना पक्षी विहार) के मुख्य द्वार पर एक महत्वपूर्ण सडक सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, पर्यटकों, स्थानीय वाहन चालकों एवं युवाओं को सडक दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की तत्काल प्राथमिक सहायता प्रदान करने तथा गुड बाटकर अठादूत बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

निवाई में किसी ने उड़ाई पतंग तो किसी ने कमाया पुण्य

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में मकरसंक्रान्ति के पर्व पर युवक-युवतियों में पतंगबाजी को लेकर देर शाम तक काफी उत्साह देखा गया। जिसके चलते पूरा आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से ढका हुआ रहा। दिनभर वो काटा, वो मारा की आवाजे सहित स्पीकरों की अवाजों से वातावरण गुंजायमान रहा। बुधवार को सुबह सूर्योदय के साथ ही बालक छतों पर पहुंचकर पतंग उडाने में मशगूल हो गए। छतों पर लगे टेप, डेक व लाउड स्पिकरों सहित कई ध्वनि यंत्रों की आवाजों से शहर का माहौल गुंजायमान था। बच्चों के साथ बडे बुजुर्ग भी मकानों की छतों पर सुहानी धूप एवं चाय पकोडी सहित पतंगबाजी का लुत्फ उठाते हुए देखे गए। शहर के बडा बाजार, चौहटी बाजार, बिलाला मार्केट, गणगौरी बाजार, जमात, बस स्टेंड, अहिंसा सर्किल, पटेल रोड, आदित्य प्लाजा व झिलाय रोड सहित कई बाजारों में पतंगों की दुकाने सजी हुई थी। जिन पर दिनभर पतंग खरीदने वालों की कतारे लगी रही तथा दिनभर पतंग लूटेरे शहर के मुख्य बाजारों एवं गलियों में दौडते हुए देखे गए। जिन्होंने पतंग लूटने का जमकर आनन्द लिया। बुधवार को दान पुण्य के त्योहार मकरसक्रांति पर लोगों ने गायों को हरा चारा डालने सहित कई दान पुण्य करके धर्म लाभ कमाया। मकरसंक्रांति के त्यौहार पर मंदिरों में भगवान की विशेष पूजा अर्चनाएं भी की गई। इस दौरान बुधवार को दिनभर मकरसक्रांति की बधाईयां एवं शुभकामनाएं देने का दौर जारी रहा। मंगलवार की रात्रि से ही लोगों ने मोबाइलों से मैसेज, वाटसएप, फेसबुक पर मेसेज भेजकर एवं फोन पर एक दूसरें को मकरसक्रांति की बधाईयां दी।

निवाई शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में मकरसंक्रान्ति के पर्व पर दिन भर वो काटा-वो मारा का शोर रहा।

■ मकरसंक्रांति के त्योहार पर मंदिरों में भगवान की विशेष पूजा अर्चनाएं भी की गई

महाराजा शूर सैनी की जयंती मनाई

कोटपूतली। स्थानीय सैनी सभा भवन नं. 01 में सैनी सभा संस्था के उपाध्यक्ष प्रकाश तौंदवाल की अध्यक्षता में महाराजा शूर सैनी की जयन्ती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा शूर सैनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। वक्ताओं ने महाराजा शूर सैनी के जीवन और सैनी समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। समाज की उत्पत्ति, उन्नित और विकास के विषय में पूर्व अध्यक्ष बिड़दी चन्द सैनी, पूर्व अध्यक्ष राकेश सैनी, रामेष्वर पार्षद, महेश कुमार सैनी एवं आमंत्रित सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान सचिव एड. योगेश सैनी, रोहिताश सैनी, दिनेश सैनी, धर्मेन्द्र सैनी, कृष्ण कुमार सैनी, सीताराम सैनी, मोहन सैनी, ललित सैनी, एड. पवन सैनी, श्यामलाल सैनी, बिल्लूराम सैनी, संजय बागड़ी, रामकुंवार सैनी, विजय सैनी, रमेश समेत अन्य मौजूद रहे।

मकर सक्रांति पर आसमां रंग बिरंगी पतंगों से सजा

■ मौसम खुलने के साथ के लोग छतों पर चढ़ आए । पतंगबाजी के साथ वो काटा- वो मारा का शोर गूंजने लगा है। इधर मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर दान-पुण्य करने के लिए लंगर लगाया।

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में मकर सक्रांति का पर्व बुधवार को आस्था व उल्लास के साथ मनाया गया। मौसम खुलने के साथ के लोग छतों पर चढ़ आए। पतंगबाजी के साथ वो काटा-वो मारा का शोर गूंजने लगा है।

इधर मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर दान- पुण्य करने के लिए लंगर लिए लगाकर लोग जरुरतमंदों को भोजन व कपड़े बांटे वही गौ शालाओ मे गुड दलिया खिलाकर गौ सेवा की गई। मौसम साफ होने के साथ ही छतों पर पतंग की डोर बच्चों से लेकर बुजुर्गों व युवतियों से लेकर महिलाओं तक ने थामनी शुरू कर कर दी ।

चारों ओर डीजे पर गूंज रहे गीत-संगीत के बीच हर पेच के साथ होते हो-हुल्लड़ की मस्ती से माहौल सराबोर था। तरह- तरह की रंग बिरंगी पतंगों से आसमान भी सजा हुआ सा लगने लगा है। वही विधायक कुलदीप धनकड व पूर्व विधायक, कांठोस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर, जगन चौधरी सहित बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाए छत पर पतंग उडाते नज़र आये। पतंगबाजी से घायल होने वाले पक्षियों के इलाज के लिए पशुपालन विभाग भी अलर्ट मोड में रहा जिसमें अधिकारी व कार्मिकों को नियुक्त किया गया। वही सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण ओला व काशीराम लंबोरा, कैलाश जीतरवाल, जगदीश ओला, उमेश ओला ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व पर बड़ी धूमधाम से पांवटा कस्बे के वीर तेजाजी महाराज की बगीची में सुबह दस बजे से शाम 5 बजे तक पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी के मुख्य आतिथ्य मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे गायक कलाकारमुकेश गढ़वाल, इंद्राज भड़ाना, हास्य कलाकार मुकेश छैला, डांसर भारती चौधरी, रानी अलवर, डांसर माही शेखावाटी कलाकारों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जगन चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति व लोक परंपरा ही हमारी पहचान है। जिसे दुनिया के लोग आत्मसात करने का प्रयास करते हैं।

नवजात को रास्ते में फैका

टोंक। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र में मंगलवार को मानवता और मां की ममता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया, जहां रास्ते में एक नवजात एक बैग में लावारिस हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस दौरान राहगीरों ने बैग को हिलते देखा तो उसके पास गए तो बैग खोलने पर उसमें मासूम बच्चा मिला, जहां पर सूचना के बाद पहुंची मालपुरा थाना पुलिस ने नवजात को मालपुरा अस्पताल ले गई, जहां उसे भर्ती कर इलाज किया गया। लेकिन बच्चे की हालत गंभीर होने के कारण उसे टोंक रैफर कर दिया गया।

मालपुरा अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ गिर्राज का कहना है कि बच्चे को यहां कुछ घंटे रखकर इलाज किया गया, लेकिन ज्यादा सुधार नहीं होने से उसे टोंक रैफर कर दिया। उसे सांस लेने में ज्यादा परेशानी हो रही थी। फिलहाल टोंक के जनाना अस्पताल में बच्चे का इलाज किया जा रहा है। बच्चे के कोई चोट नहीं है । लेकिन उसे सांस लेने में प्रॉब्लम हो रही है।

सार-समाचार

अवैध खनन परिवहन में ट्रैक्टर जब्त

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृताधिकारी निवाई रविप्रकाश शर्मा एवं दत्तवास थानाधिकारी हीरालाल के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध बजरी खनन निर्गमन, भण्डारण की रोकथाम में कार्यवाही करते हुए बुधवार को गश्त के दौरान एक ट्रेक्टर-ट्रोली जो अवैध बजरी से भरे हुये को परिवहन करते हुये को जप्त किया गया। मौके के दौरान चालक फरार हो गया। जिसके खिलाफ एम.एम.डी.आर एक्ट में पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान जारी है।

आर्य समाज ने मकर संक्रांति पर्व मनाया

कोटपूतली। आर्य समाज कोटपूतली द्वारा हर वर्ष की भांति मकर संक्रांति पर्व पर खरकड़ी रोड़ स्थित डिफेंस कॉलोनी में बुधवार प्रातः महात्मा ओम मुनि के सानिध्य में हवन-यज्ञ किया गया। डॉ. हरिश कुमार, रामकुमार सैनी, सत्यदेव आर्य ने सपत्नीक हवन-यज्ञ में आहुति दी। महात्मा ओम मुनि ने बताया कि यह सृष्टि अपना कार्य प्रत्येक जीव के उपकार के लिये निरंतर कर रही है। इसी तरह मनुष्य को भी अपना जीवन यज्ञमय बनाना चाहिये। यज्ञमय जीवन वाले व्यक्ति की सभी श्रेष्ठ कामनायें पूर्ण होती है। हरियाणा से भजनोपदेशक उम्मेद सिंह निराला ने अपने भजन एवं उपदेश के माध्यम से ईष्वर की उपासना विधि, पंच महायज्ञ, संस्कारों एवं चार आश्रमों की व्यवस्था तथा मकर संक्रान्ति पर्व पर व्याख्यान दिया एवं मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। शीला देवी ने आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के उपकारों को याद कर भजन की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि मेरे दादाजी आर्य समाज से जुड़े हुये थे और उन्हीं की प्रेरणा से आर्य समाज के विद्वानों द्वारा मेरा नाम धर्मवीर रखा था। आर्य समाज सदा से सनातन संस्कृति के रक्षक के रूप में कार्य करता है। संचालन अशोक आर्य ने किया। इस दौरान आर्य समाज नांगल चौधरी प्रधान रामसिंह आर्य, जगदीश आर्य, ब्रह्मदेव कोकचा, बहादुर सिंह आर्य, शीशराम यादव, रमेश कुमार आर्य, रामकुमार सैनी, धनपत मिस्त्री, ओमप्रकाश स्वामी, शिम्भुदयाल, हरिद्वारी लाल जांगिड़, चंद्रशेखर समेत अन्य मौजूद रहे।

शिविर 31 जनवरी तक होंगे

निवाई। स्थानीय नगर पालिका कार्यालय में जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट के नेतृत्व में घुमंतु समुदाय के विमुक्त, घुमंत एवं अर्ध घुमंतु लोगों की पर्याप्त व्यवस्थाओं के लिए शिविर का आयोजन किया गया। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि नगर पालिका कार्यालय परिसर में घुमंतु समुदाय के विमुक्त, घुमंत एवं अर्ध घुमंतु लोगों की पर्याप्त व्यवस्थाओं के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में घुमंतु समुदाय के लोगों के लिए ई-मित्र द्वारा निःशुल्क मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे है। उन्होंने शिविर में मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि शिविर में घुमंतु समुदाय के लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधाएं नहीं हो। उनके सभी प्रकार के दस्तावेज समय पर तैयार करने की सुनिश्चितता करें। उन्होंने घुमंतु समुदाय के लोगों को शिविर का अधिकाधिक लाभ लेने का आ ान किया है। उन्होंने बताया कि इस शिविर का आयोजन 31 जनवरी तक किया जाएगा। शिविर में राजस्व निरीक्षक मनीष गौर, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक गजेंद्रसिंह राजावत, कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षक बाबूलाल पण्डा, जेटीए निशांक जैन, एमआई इंजीनियर राहुल सेन एवं सीएलटीसी पीएमएवाई कोमल सैनी सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

तिल-गुड से संक्रांति पर्व मनाया

फुलेरा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तरायण पर्व मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर कस्बे में हर्षोल्लास के साथ पतंगबाजी व दान पुण्य करके संक्रांति पर्व मनाया। इसी कड़ी में फुलेरा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के नेतृत्व में कस्बे के गणगौरी बाजार में उत्साह और उमंग के साथ पतंगबाजी का आनंद लिया गया। वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर नजर आया। कार्यकर्ताओं ने तिल और गुड़ की मिठास के साथ एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया तथा नवीन, सकारात्मक संकल्पों के साथ शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीरप्रसाद जैन, सुरेश मिश्रा, गजेंद्र सिंह शेखावत, केपी गगरानी, राजू दाधीच, त्रिलोकचंद शर्मा, संजय पारीक, निखिल जैन, पिंटू जैन, मनोज जैन, सरदार चौधरी, श्रवण वर्मा, अभिषेक वर्मा, गणेश परिहार, महेश सोनी, महावीर बैनाडा, संजय वार्ष्णेय, मनीष गगरानी, सोमू गगरानी, कमल शर्मा, विजय जैन, सुनील गुर्जर, ताराचंद अमेरिया, ममता कुमावत, सुमित्रा सिंह नाथावत, महेंद्र कुमावत, प्रकाश कुमावत, हरीश बड़ीवाल, मुकेश कुमावत, एडवोकेट निशांत शर्मा, हितेश सिंह, पारस जैन, सोमिल जैन, रामावतार कुमावत, सुरेशचंद सारस्वत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गौसेवा की

निवाई। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आशाराम गौशाला में श्री योग वेदांत सेवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा गौसेवा का पुण्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गौमाताओं को गुड़ एवं हरा चारा खिलाया गया। कार्यक्रम में समिति के सक्रिय कार्यकर्ता एवं सेवाभावीजनों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस अवसर पर किशोर गिड़वानी, सुरेश राजवानी, कैलाश शर्मा, सत्यनारायण नामा, बबलू, कैलाश अठावाल व सुनील जांगिड़ सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

अग्रवाल प्रतिभावान छात्र-छात्राएं सम्मानित

कोटपूतली। अग्रवाल चौधरी संगठन समिति का 68 वाँ वार्षिक अधिवेशन समारोह बुधवार को स्थानीय श्रीराम भवन परिसर में अठावाल चौधरी समाज के पूर्वज सहसमल चौधरी व कुल देवी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर आयोजित किया गया। सर्वप्रथम दो वर्षों में दिवंगत हुये समाज के लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान नवीन कार्यकारणी का गठन व प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सभापति बजरंग शरण, अध्यक्ष भारत बंसल, संरक्षक पुष्करमल चौधरी, विशिष्ठ अतिथि श्रीराम सभा समिति अध्यक्ष अनिल शरण की उपस्थिति में मंत्री दीपक बंसल ने वार्षिक प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष अमित कुमार बंसल ने आय-व्यय का ब्यौरा व मोक्ष धाम विकास समिति अध्यक्ष उत्तम गुप्ता ने समिति के कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अध्यक्ष भारत बंसल ने गत दो वर्षों में किये गये सहयोग के लिये सभी समाज बंधुओं का आभार जताया। अधिवेशन में समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को समाजसेवी व भामाशाह गोपाल बंसल द्वारा प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद संगठन की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। समाज के लोगों से सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर योगदान देने का आ ान किया गया। इसके उपरांत नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष राकेश खजांची, उपाध्यक्ष अशोक बंसल, मंत्री दीपक बंसल, सहमंत्री नितेश गुप्ता (डिम्पल) को बनाया गया तथा एड. योगेश शरण बंसल, प्रमोद बंसल, सुभाष बंसल, राजेश गुप्ता, संदीप बंसल, अमरनाथ बंसल को सदस्य के रूप में कार्यकारणी में शामिल किया गया। वहीं मोक्ष धाम विकास समिति की नवीन कार्यकारणी का भी गठन किया गया। जिसमें गोपाल बंसल को अध्यक्ष व राजेश गुप्ता, अमित कुमार बंसल, एड. योगेश शरण बंसल, सुभाष बंसल को चुना गया। अन्त में सभापति बजरंग शरण बंसल ने धन्यवाद व आभार जताते हुये अधिवेशन का समापन किया। इस दौरान किशन शरण, राजेंद्र बंसल, गोविंद शरण बंसल, दशरथ बंसल, जितेन्द्र चौधरी, प्रेम बंसल, अनुप बंसल, विनित बंसल, अंचल बंसल, सुरेंद्र बंसल, राजेश बंसल, पवन बंसल, राजेंद्र बंसल, प्रह्लाद बंसल, अमित बंसल, शंकर बंसल, पूरण बंसल, योगेश गुप्ता, डॉ. महेश अठावाल, महेश बंसल, अनुराग बंसल सहित बड़ी सख्यां में समाज के लोग उपस्थित रहे।

मुकेश सैनी समाज उत्थान सेवा समिति के अध्यक्ष बने

किशनगढ़ बास के सैनी समाज उत्थान सेवा समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष व पदाधिकारी ।

■ कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष अनिल कुमार सैनी, सचिव मुकेश सैनी, सह सचिव भैरव सिंह सैनी, प्रचार मंत्री कपिल सैनी को नियुक्त किया गया है।

किशनगढ़ बास। सैनी समाज उत्थान सेवा समिति किशनगढ़ बास (गंज) के एडवोकेट मुकेश सैनी सर्वसहमति से अध्यक्ष नियुक्त किए गए। नवनियुक्त अध्यक्ष सैनी ने बताया बुधवार को सैनी समाज उत्थान सेवा समिति गंज कार्यकारिणी गठन के लिए मीटिंग की गई। जिसमें सर्वसहमति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।

कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष हिमेश सैनी, संरक्षक मातादीन सैनी, बाबूलाल सरपंच, मंगतू राम सैनी, अशोक कुमार सैनी शहर सिंह सैनी को बनाया गया है । इसके अलावा कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष अनिल कुमार सैनी, सचिव मुकेश सैनी, सह सचिव भैरव सिंह सैनी, प्रचार मंत्री कपिल सैनी को नियुक्त किया गया है। सदस्य दाताराम सैनी सुंदरलाल सैनी कुलवंत गुरुजी विजेंद्र सैनी सुरेंद्र सैनी कैलाश सैनी मुकेश सैनी पप्पू राम सैनी सुभाष सैनी को सर्व सहमति से कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। मीटिंग में सैनी समाज के मौजूद सभी लोग उपस्थित रहे।

'स्वार्थ का सम्बन्ध संसार से भी है'

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शान्तिसागर महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापना एवं शताब्दी महोत्सव के चलते शांति सागर स्मारक, बिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव एवं लोकार्पण समारोह संत निवास नसियां जैन मंदिर पर 20 व 21 जनवरी को अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा।

जैन समाज के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि जैन समाज के सानिध्य में मकर सक्रांति पर्व पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं जैन मुनि हितेन्द्र सागर महाराज ससंघ के मंगल आशीर्वाद से बुधवार को विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को राष्ट्रीय शताब्दी समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसको लेकर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बुधवार को जयधोष के साथ आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया।

सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रीन एनर्जी को मिल रही गति : मुख्य सचिव

कोटपूतली। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के तहत राज्य में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों ने प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। राजस्थान को ऊर्जा उत्पादन में सरप्लस राज्य बनाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करने में इस योजना का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने यह बात बुधवार को कोटपूतली-बहरोड जिले के बानसूर उपखंड स्थित भूपसेडा गांव में कुसुम योजना के अन्तर्गत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों के अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कुसुम योजना का लाभ उठाकर अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। इनसे उत्पन्न सौर ऊर्जा का उपयोग किसानों को दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में हो रहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार की यह योजना राज्य सरकार के सहयोग से प्रदेश में ठाामीण विकास को मजबूती प्रदान कर रही है। घटक-ए और घटक-सी के अंतर्गत किसान या तो स्वयं सौर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं या अपनी अनुपयोगी भूमि लीज पर देकर आर्थिक लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विकेंद्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को मिल रही गति ठीन एनर्जी क्रांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम है जो आने वाले समय में ठााम सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कुसुम कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम और कंपोनेंट-सी में द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि भूपसेड़ा में प्रगतिशील किसान बलवीर सिंह मोगर ने सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया और उनसे प्रेरित होकर इस क्षेत्र के कई किसान योजना से जुड़कर ऊर्जादाता भी बन चुके हैं। यह इस योजना को जमीनी स्तर पर मिल रही अभूतपूर्व सफलता को दर्शाता है। राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि प्रदेश में लगभग 2800 मेगावाट क्षमता की 1274 परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं के कारण सुलभ हो रही ऊर्जा से लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में बदलाव आया है। निर्बाध बिजली मिलने से गांवों में छोटे-छोटे व्यवसाय पनप गए हैं। स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलने लगा है। विद्युत वितरण निगमों को सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध हो रही है। प्रदेश में 1 लाख 75 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली दे पाना संभव हुआ है। गौरतलब है कि भूपसेडा में 5-5 हैक्टेयर क्षेत्र में बने दोनों प्लांट्स से कल्याण नगर और बालावास जीएसएस से जुड़े फीडरों पर क्षेत्रवासियों को भरपूर बिजली मिल रही है। साथ ही बानसूर क्षेत्र में करीब 10 प्लांट स्थापित हो चुके हैं। जिनसे करीब 4 हजार किसानों को दिन में विद्युत आपूर्ति कर लाभान्वित किया जा रहा है। कल्याण नगर में 310 एवं बालावास में 362 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में विद्युत आपूर्ति कर लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई भी मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने इस दौरान ग्रामीणों से भी बातचीत की। देवकरण, अमीचन्द तथा विशंभर आदि किसानों ने बताया कि दिन में सिंचाई के लिए बिजली मिलने से अब सर्दी में रात को जागना नहीं पडता। घर-परिवार को अधिक समय दे पाते हैं। तेल मिल चलाने वाले नरेश, आटा चक्की लगाने वाले शेरसिंह ने बताया कि इन प्लांटों के कारण बिजली जाना लगभग बंद हो गई है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कोटपूतली-बहरोड जिले के बानसूर उपखंड स्थित भूपसेडा गांव में कुसुम योजना के अन्तर्गत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों का अवलोकन किया।

■ भूपसेडा में 5-5 हैक्टेयर क्षेत्र में बने दोनों प्लांट्स से कल्याण नगर और बालावास जीएसएस से जुड़े फीडरों पर क्षेत्रवासियों को भरपूर बिजली मिल रही है

मांझे से घायल कबूतर के लगाए 8 टांके

फुलेरा। राजकीय बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. गणेश कुमार गर्ग के निर्देशन में पशुधन प्रसार अधिकारी सीताराम नागा, लोकेश दम्बीवाल, रामनिवास भटेश्वर, योगेश कुमावत, पशु निरीक्षक हजारी मीणा, पीडीपी टीम के सदस्य विष्णु जाजोट तथा पक्षी प्रेमी रोशन कुमावत द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर घायल पक्षियों के उपचार के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विशेष अभियान चलाया गया।

शिविर में मांझे से घायल अवस्था में लाया गया कबूतर का सफलतापूर्वक उपचार किया गया, जिसके पंख कट जाने से गहरी चोट लगी थी। चिकित्सकों द्वारा कबूतर के 8 टांके लगाकर उसे सुरक्षित किया गया। इसी प्रकार अन्य मूक-पक्षियों का भी समुचित उपचार कर उन्हें जीवनदान दिया गया।

अभियान का उद्देश्य त्योहारों के दौरान मांझे से घायल होने वाले पक्षियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना और पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

साड़ी के फंदे से झूल विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में एक विवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते घर पर साड़ी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हादसे के वक्त परिजन किसी काम से घर के बाहर गए हुए थे। वापस लौटने पर जब विवाहिता ने गेट नहीं खोला तो परिजन गेट तोड़ अंदर घुसे। कमरे में जाकर देखने पर विवाहिता फंदे से झूलती मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। जहां से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया की आंधी की रहने वाली मोनिका शर्मा (23) पुत्री गोपाल शर्मा ने मंगलवार शाम को साड़ी के फंदे से झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि अप्रैल-2025 में उसकी शादी फाइनेंस कंपनी में जॉब करने वाले विष्णु शर्मा निवासी ब्राह्मणों की ढाणी चौप दौलतपुरा से हुई थी। मंगलवार दोपहर परिवार के सदस्य खेत पर गए हुए थे। पीछे से उसने अपने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार शाम करीब 6 बजे घर लौटा तो गेट बंद मिला। गेट तोड़कर अंदर जाने पर कमरे में मोनिका फंदे से लटकी मिली। सुसाइड की सूचना पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

उपमुख्यमंत्री व डॉ. सतीश पूनियां ने पतंगबाजी कर दी शुभकामनाएं

जयपुर। सनातन पर्व मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां तथा राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर में पतंगबाजी कर पर्व को

- डॉ. सतीश पूनियां ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने जयपुर स्थित निवास पर परिवारजनों के साथ पतंग उड़ाने के बाद भाजपा प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में भाग लिया

उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।

डॉ. सतीश पूनियां ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने जयपुर स्थित निवास पर परिवारजनों के साथ पतंग उड़ाई। इसके पश्चात वे किशनपोल क्षेत्र के सीखियों का रास्ता पहुंचे, जहां भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी मौजूद रहीं।

दोनों नेताओं ने पतंग उड़ाकर प्रदेश एवं देशवासियों के निरंतर उन्नति, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी किशनपोल स्थित राजू मंगोड़ीवाला के आवास पर आयोजित पतंग उत्सव में शामिल हुईं, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने स्वयं पतंग उड़ाकर उत्सव का आनंद लिया और उपस्थित लोगों का अभिवादन किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली लेकर आए। मकर संक्रांति को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान उत्सव की रौनक बढ़ा रहा था।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां तथा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर में पतंगबाजी कर पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

धूमधाम से मनाया महापौर कुसुम यादव का जन्मदिन

जयपुर। निवर्तमान महापौर कुसुम यादव का जन्मदिन बुधवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों, पार्षदों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सुबह से ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और दुपट्टों से उनका सम्मान किया। जन्मदिन के अवसर पर वातावरण पूरी तरह उत्सवमय बना रहा।कुसुम यादव ने इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में जाकर धोक लगाई और प्रदेश की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही उनका सबसे बड़ा उद्देश्य है और भाजपा की विचारधारा के अनुरूप समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि कुसुम यादव ने हमेशा संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच रहकर समस्याओं का समाधान करने और युवाओं को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है।इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी भाग लिया।

सार-समाचार

जगदीश चंद्र की सोलो आर्ट एग्जिबिशन 'चित्रांग' में दिखेगा कलात्मक सफर

जयपुर। जयपुर के कलाप्रेमी अद्भुत कला यात्रा का गवाह बनने के लिए तैयार रहें। जवाहर कला केन्द्र की सुदर्शन आर्ट गैलरी में 16 से 20 जनवरी तक 70 वर्षीय वरिष्ठ कलाकार जगदीश चंद्र की सोलो आर्ट एग्जिबिशन चित्रांग का आयोजन किया जा रहा है। जगदीश चंद्र की 50 वर्षों की अनवरत कला साधना की झलक इस प्रदर्शनी में देखने को मिलेगी। पिछले दस सालों में जगदीश चंद्र की ओर से बनाई गई कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएगी।प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रतिष्ठित कला समीक्षकों और संस्कृतिकर्मी तृप्ति पांडे, सुधीर माथुर, ऋषि मिगलानी, संजय कोठारी व अन्य गणमान्यजनों द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी सुबह 11 से शाम 7 बजे तक अवलोकन के लिए खुली रहेगी। जगदीश चंद्र ने बताया कि सफर में संजोए अनुभवों को वे कैनवास पर उकेरते हैं, ये स्वतंत्र यात्राएं उनकी प्रेरणा है। इन यात्राओं के दौरान किए गए गहन अवलोकन ही कैनवास पर ऑयल पेंट्स के जरिए कलाकृति का रूप लेते हैं। गौरतलब है कि जगदीश चंद्र की कलाकृतियां ललित कला अकादमी (दिल्ली), प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम (मुंबई), गवर्नमेंट म्यूजियम (चंडीगढ़) और कबीर आर्ट गैलरी (वडोदरा) जैसे प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित हो चुके हैं जिन्हें कलाप्रेमियों ने काफी सराहा है।

28 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया एएसआई

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर जिले के सिविल लाइन थाना में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) हरिराम यादव को 28 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने परिवादी से दर्ज प्रकरण में चालान पेश करने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने 13 जनवरी को परिवादी से 70 हजार रुपये में सौदा तय किया था। इसके तहत 14 जनवरी को 20 हजार रुपये नकद व 8 हजार रुपये के डमी नोट (कुल 28 हजार रुपये) लेते समय एसीबी (एसयू) अजमेर की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक आनंद शर्मा के सुपरविजन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के निर्देशन में की गई। निरीक्षक मीरा बेनीवाल के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

म्यूटेशन के बदले रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जालोर में कार्रवाई करते हुए पटवार हल्का बागरा के पटवारी पूरणमल को 18 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी पर कृषि भूमि के म्यूटेशन के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि पटवारी पूरणमल, तहसील व जिला जालोर में स्थित बागरा क्षेत्र के एक परिवादी से उसकी कृषि भूमि का म्यूटेशन भरने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर रहा था और लगातार परेशान कर रहा था।शिकायत के सत्यापन के बाद जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में तथा एसीबी चौकी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस दौरान आरोपी पटवारी को 18 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही दबोच लिया गया।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक राजेश सिंह के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। साथ ही उसके ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई भी की जा रही है।

अवैध हथियार सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए दो शातिर बदमाशों को देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार बदमाशों से देसी कट्टे की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से अन्य कई वारदात खुलने की संभावना जताई है। पुलिस उपायुक्त जयपुर(पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सांगानेर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए रलेश कुमार और आयुष कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है और दोनो ही बिहार हाल प्रताप नगर जयपुर के रहने वाले है। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

अपहरण करने वाले बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने अपहरण के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो शातिर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न केवल अपहृत व्यक्ति को सकुशल बरामद किया। बल्कि वारदात में शामिल आरोपियों को भी दबोच लिया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व सजीव नैन ने बताया कि परिवादी 13 दिसंबर 2025 को जयपुर से टोंक जाने के लिए सांगानेर के चाकसू बस स्टैंड पर खड़ा था। बस नहीं मिलने पर वह एक कार में बैठ गया। जिसमें पहले से चार लोग सवार थे। कुछ दूरी पर ले जाने के बाद आरोपियों ने उसके गले पर चाकू रखकर हाथ-पैर बांध दिए और एक लाख रुपए की मांग की। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित से मारपीट कर उसका एटीएम कार्ड, मोबाइल और नकदी छीन ली तथा पिन नंबर पूछकर खाते से कुल 1 लाख 92 हजार रुपए निकाल लिए। आरोपियों ने पीड़ित को पूरी रात अलग-अलग स्थानों पर घुमाया और परिजनों से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगने की बात कही। बाद में रात करीब डेढ़ बजे उसे टोंक रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास छोड़कर फरार हो गए। इस संबंध में सांगानेर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने स्मार्ट पुलिसिंग और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों मनोज कुमार मीणा और घनश्याम मीणा को गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अपहरण के पीछे के उद्देश्य-फिरौती या अन्य कारण-की जांच कर रही है।

मांझे और पतंगबाजी से 140 से अधिक घायल, एक बच्चे की मौत

जयपुर। मकर संक्रांति के मौके पर राजधानी जयपुर में पतंगबाजी जानलेवा साबित हुई। मांझे से कटने, छतों से गिरने और पतंगबाजी के दौरान हुए हादसों में 140 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल पहुंचे, जबकि एक 10 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई।

- जानकारी के अनुसार जयपुरिया हॉस्पिटल में 50, गणगौरी हॉस्पिटल में 31, एसएमएस ट्रोमा सेंटर में 32 और कांवटिया हॉस्पिटल में 30 घायल उपचार के लिए पहुंचे

अस्पतालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जयपुरिया हॉस्पिटल में 50, गणगौरी हॉस्पिटल में 31, एसएमएस ट्रोमा सेंटर में 32 और कांवटिया हॉस्पिटल में 30 घायल उपचार के लिए पहुंचे। ट्रोमा सेंटर प्रशासन के अनुसार 10 वर्षीय धीर कुमार, पुत्र हितेष, राजमहल चौराहे के पास वाहन से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर फैले मांझे से उसका गला कट गया। गंभीर हालत में परिजन उसे एसएमएस ट्रोमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एसएमएस अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक ट्रोमा सेंटर में 32 से अधिक घायल पहुंचे, जिनमें अधिकतर के नाक और गला मांझे से कटने के मामले थे। इनमें से 12 घायल 14 वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चे थे। गंभीर हालत के चलते 12 मरीजों को भर्ती किया गया।

कांवटिया हॉस्पिटल में पतंगबाजी के दौरान 30 लोग घायल हुए, जिनमें से 13 गंभीर घायलों को भर्ती किया गया, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। लगातार हो रही घटनाओं ने घातक चाइनीज मांझे और असुरक्षित पतंगबाजी पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने दो अलग-अलग कार्यवाही के दौरान अवैध हथियार देशी कट्टा व दो चाकू सहित दो आरोपियो को गिरफतार किया है। भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि थाने के सहायक उप निरीक्षक हरदेव सिंह को मुखबीर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति टीआरडी डिपो के समीप कोई हथियार लेकर वारदात करने की फिराक में घुम रहा है। उक्त सूचना पर सहायक उप निरीक्षक हरदेव सिंह पुलिस टीम लेकर मौके पर पहुंचे और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर मौके पर खडे व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध हथियार देशी कट्टा एवं एक चाकू बरामद किया। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्यवाही करते हुए मस्जिद गली निवासी मोहम्मद अयान उर्फ लश्कर को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि थाने के सहायक उप निरीक्षक कमलेश कुमार ने पुलिस टीम के साथ मुखबीर की सूचना पर इलाके में स्थित सुलभ कॉम्पलेक्स के समीप कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध हथियार चाकू बरामद किया।

मकर संक्रांति पर घायल पक्षियों के लिए जीवनरक्षक बना निःशुल्क शिविर

जयपुर। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर पतंगबाजी के दौरान घायल होने वाले पक्षियों की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर एनवायरमेंट एण्ड वाइल्डलाइफ केयर सोसायटी की पहल एक बार फिर अनुकरणीय साबित हुई। संस्था द्वारा जवाहर नगर में निःशुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें चाइनीज मांझे, विद्युत तारों

- 45 से अधिक घायल पक्षियों का हुआ सफल उपचार

एवं अन्य कारणों से घायल पक्षियों का रेस्क्यू कर उपचार किया गया।

संस्था के अध्यक्ष आशीष मेहता, उपाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, संरक्षक डॉ. विकास शर्मा, सचिव अक्षय गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष सुदर्शन कर्णावट ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में पक्षी घायल हो जाते हैं। समय पर उपचार न मिलने से कई पक्षियों की जान तक चली जाती है। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए यह शिविर लगाया गया, ताकि घायल पक्षियों को तत्काल प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाइयाँ एवं उचित देखभाल उपलब्ध कराई जा सके।

शिविर में पशु चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की टीम द्वारा विभिन्न प्रजातियों के घायल एवं बीमार पक्षियों की गहन जांच कर उनका उपचार किया गया। उपचार उपरांत स्वस्थ होने वाले पक्षियों को सुरक्षित एवं प्राकृतिक वातावरण में मुक्त किया जाएगा।गौरतलब है कि यह निःशुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर जवाहर नगर क्षेत्र में पिछले 16-17 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है।

जवाहर नगर में निःशुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

निबंध संग्रह 'अब और यहाँ' का विश्व पुस्तक मेले में लोकार्पण

दिल्ली। निबंध हिंदी गद्य की महत्वपूर्ण विधा है जिसमें समकाल के स्वर मुखरित होते हैं। दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ऐसे निबंधकार हैं जिन्होंने निरंतर इस विधा में सृजन किया है। विख्यात कथाकार और 'समयांतर'

- समकाल की आवाज है निबंध : पंकज बिष्ट

मासिक के संपादक पंकज बिष्ट ने भारत मंडपम में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में हंस प्रकाशन के स्टाल पर साहित्यकार दुर्गाप्रसाद अग्रवाल के निबंध संग्रह 'अब और यहाँ' का लोकार्पण करते हुए कहा कि अग्रवाल की चिंताएं सामाजिक हैं। आलोचक माधव हाड़ा ने कहा कि अग्रवाल के निबंधों को तात्कालिकता की उपज मानना भूल होगी क्योंकि हमारे समय और समाज के जटिल बदलावों को इन निबंधों में लक्षित किया गया है।

विख्यात पत्रकार और संपादक अनिल चमड़िया ने लोकार्पण के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन निबंधों में उन विषयों की तरफ भी लेखक की निगाह गई है जिन पर साहित्य में कम चर्चा होती है।चर्चित कथाकार-उपन्यासकार प्रवीण कुमार ने निबंध विधा के ऐतिहासिक प्रदाय का स्मरण करते हुए कहा कि सरल और सहज भाषा शैली इन निबंधों का सबसे आकर्षक पक्ष है।

विश्व पुस्तक मेले में हंस प्रकाशन के स्टाल पर साहित्यकार दुर्गाप्रसाद अग्रवाल के निबंध संग्रह 'अब और यहाँ' का लोकार्पण किया।

पतंग लूटते समय पैर फिसलने से नाले में गिरे बच्चे की मौत

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में पतंग लूटते समय पैर फिसलने से नाले में गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सात फीट गहरे नाले से उसका शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने बुधवार सुबह जेएनयू हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि हादसे में खोह नागोरियान के रोपाड़ा स्थित बापू नगर निवासी अर्पित (11) की मौत हो गई। जो घर के पास ही पतंग लूट रहा था। कटी पतंग को पकड़ने के लिए भागते हुए वह खोरी रोपाड़ा स्थित नाले तक पहुंच गया। ध्यान नहीं रहने के चलते पैर फिसलने से वह नाले में जा गिरा। करीब सात फीट गहरे नाले के पानी में बच्चे के गिरने की सूचना पर हंगामा मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत कर नाले से बच्चे को गंभीर हालत में बाहर निकाला।

तीन बदमाशों ने पुलिसकर्मी को जबरन रोकने का किया प्रयास

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में अज्ञात कार सवार बदमाशों ने जवाहर नगर नगर थाने में तैनात कॉन्स्टेबल जबरन रोकने का प्रयास किया। लेकिन पीड़ित कॉन्स्टेबल ने खुद की कार नहीं रोकी। इस पर बदमाशों ने पीड़िता का पीछा किया और चलती कार से पिस्टल दिखाकर गाली-गलौच किए। पीड़ित ने चलती कार से मामले की जानकारी प्रताप नगर थाना पुलिस को दी। पुलिस कॉन्स्टेबल की लोकेशन के आधार पर प्रताप नगर थाने की पीसीआर मौके पर पहुंची तो कार सवार बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

- कार नहीं रोकने पर दिखाई पिस्टल
- पुलिस को आता देख कार सवार बदमाश फरार
- कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरु

पुलिस ने बताया की टोंक के दत्त वास निवासी मुकेश कुमार जवाहर नगर थाने में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। मंगलवार देर रात करीब साढ़े 8 बजे वो अपनी ड्यूटी पूरी कर सीतापुरा स्थित अपने घर जा रहा था। इसी दौरान प्रतान नगर के 7 नंबर चौराहे पर एक कार में सवार तीन बदमाशों ने उसे हाथ का इशारा कर रोकने का प्रयास किया। लेकिन पीड़ित मुकेश कुमार ने कार नहीं रोकी। इस पर बदमाशों ने उसकी कार के आगे खुद की कार लगाकर रोकने का प्रयास किया। लेकिन मुकेश कुमार अपनी सूझबूझ से कार को ओवरटेक कर आगे निकल गया।

वाहन चोरी करने वाले दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले संगठित गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर चोरी के पांच वाहन बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त नशे पूर्ति और मौज-मस्ती के लिए चोरी के वाहनो से चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे और स्मैक के नशे में चुराए गए वाहनों को खड़ा करके भूल जाते थे। पुलिस आरोपियों से अन्य वाहन चोरी और गिरोह में शामिल अन्य बदमाशों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने चोरी और लूट के इस संगठित गिरोह के सदस्य वसीम खान (28), निवासी सांगानेर मालपुरा गेट, और गौरव सिंधी उर्फ गोलू (27), निवासी सेक्टर-6 जवाहर नगर, को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 4 एक्टिवा स्कूटी और एक बाइक बरामद की है।डीएसटी (ईस्ट) के एसआई बन्ना लाल की टीम ने सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी सहायता से छापेमारी कर दोनों शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में कई आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त स्मैक पीने के आदि है और नशे की पूर्ति करने के लिए चोरी व लूट की वारदातों को अंजाम देते है। आरोपी चोरी के वाहनों से मोबाइल-पर्स स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देते थे और चुराए गए वाहन और लूट के सामान को कबाड़ी व राहगीरों को सस्ते दामों में बेच देते थे। आरोपी चोरी के वाहनों में पेट्रोल खत्म होने पर उन्हे सुनसान जगह पर छोड़ देते थे और फिर दूसरे वाहन चोरी कर लेते थे। स्मैक के नशे में आरोपी चोरी के वाहनों को सुनसान जगह पर छुपाने के बाद भूल जाते थे।

वाहनों को रोक कर अपहरण व मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने राहगीरों का अपहरण कर मारपीट करने व लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है और साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गैंग में शामिल अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त अब तक 16 वारदातों को अंजाम दे चुके है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि थाना इलाके में स्थित मुहाना पत्रकार कॉलोनी,जयसिंहपुरा ,नारायण विहार इलाके में सुनसान जगहों पर राहगीरों को रोकर अपहरण कर मारपीट कर लूटपाट करने की शिकायत लगातार प्राप्त हो रहीं थी। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। जिसमें डीएसटी टीम के विशम्भर दयाल,धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार हेड कांस्टेबल ,संदीप कुमार ,रवि ,अनुज, पत्रकार कॉलोनी थाने के एएसआई विक्रम सिंह, हेड कांस्टेबल हंसराज , कांस्टेबल उमेश कुमार, राजेंद्र ,दीपचंद व दिनेश कुमार को शामिल किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता के आधार पर बापर्दा मोहन लाल गोदारा (24) निवासी माधोराजपुरा हाल गोल्यावास ,आयुष मेवाड़ा (22)

पुलिस ने लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- दो नाबालिग को निरुद्ध किया

निवासी दूनी जिला टोंक , राधा मोहन मीणा (22) निवासी निवाई जिला टोंक हाल पत्रकार कॉलोनी को गिरफ्तार किया है और साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया है।

पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने गत 8 जनवरी 2026 को परिवादी अतुल मेहरा निवासी मालपुरा टोंक हाल अभिमन्यु रेजीडेंसी मदाऊ को पीपला भरत सिंह रोड पर रोका और जबरन उसे स्विफ्ट कार में डालकर सुनसान जगह पर ले गए। जहां पर आरोपियों ने मारपीट कर करते हुए पीड़ित के मोबाइल से क्यूआर कोड से पांच हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए। वारदात को अंजाम देकर भागते रेट पर ली गई कार क्षतिग्रस्त हो गई। जिसके बाद शातिर बदमाश कार के साथ खुद का मोबाइल फोन रेट पर कार देने वाले के सुपुर्द कर दिया।

Wikipedia Day: Celebrating Free Knowledge for All

Wikipedia Day, observed annually on January 15, marks the anniversary of the launch of Wikipedia in 2001. As the world's largest online encyclopedia, Wikipedia has revolutionized access to knowledge, empowering millions to contribute, edit, and explore information across countless subjects. The day honours the collaborative spirit of volunteers worldwide who ensure that learning remains open, accurate, and free. From students and researchers to curious minds of all ages, Wikipedia continues to foster curiosity, critical thinking, and global understanding. Wikipedia Day is not just about an anniversary, it's a celebration of shared knowledge and collective learning.

#JLF

Jaipur Awaits Another Season of Ideas

Kiran Desai, former C J, D Y Chandrachud, Javed Akhtar, Stephen Fry, Sudha Murty, Vir Das, Vishwanathan Anand, Richard Horton, attending among others

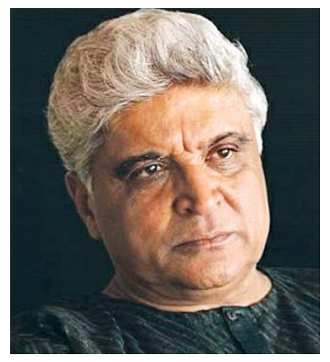

Javed Akhtar.

D. Y. Chandrachud.

Richard Horton.

Stephen fry.

Every winter, Jaipur seems to pause and listen. The city's sandstone walls, familiar with centuries of stories, make room for new ones. Mornings begin not with haste, but with quiet anticipation, as readers, writers and wanderers move towards shared spaces where ideas wait to unfold. As the Jaipur Literature Festival returns for its 19th edition this January, the city once again prepares for five days when words take centre stage.

From January 15 to 19, 2026, the festival finds its home in Jaipur, continuing a journey that was never designed to become monumental, yet grew naturally into one of the world's most recognisable literary gatherings. What began as an intimate space for conversation has, over time, evolved into a living, breathing exchange of thoughts, where disagreement is welcome, curiosity is rewarded, and listening is as important as speaking.

This year's programme mirrors the complexity of the world we inhabit. Writers, thinkers, policymakers and artists from India and beyond arrive carrying different histories and perspectives. Voices such as Kiran Desai, former Chief Justice D Y Chandrachud, Javed Akhtar, Stephen Fry, Sudha Murty, Vir Das, Vishwanathan Anand, Richard Horton and several others will take part in conversations that move effortlessly between literature, law, politics, science, humour and personal memory. No single discipline dominates; instead, ideas overlap and enrich one another.

Perhaps, the festival's most distinctive feature is its audience. Young readers form its backbone, students, first-time attendees, and eager listeners who arrive early, stay late, and ask difficult questions. Nearly two-thirds of the festival's audience is under the age of 27, turning JLF into a rare democratic space where literature is not distant or intimidating, but alive and immediate. It is here that a poet may find themselves followed by a physicist, or a historian listened to with the same intensity as a stand-up comic.

The themes shaping this edition are rooted firmly in the present. Conversations around global conflict, shifting economic realities, and the growing influence of technology and artificial intelligence reflect shared anxieties and hopes. At the same time, an unexpected current runs through the programme, the supernatural. From folktales and myths to modern ghost stories, this strand suggests that even in an age driven by logic and innovation, humans remain drawn to mystery and the unseen.

Beyond the sessions, the festival exists in its quieter moments. At Jaipur BookMark, publishers, translators and writers exchange ideas about the future of storytelling. At the Jaipur Music Stage, melodies drift through the air, blurring the line between performance and conversation. In between, people linger in corridors, on lawns, under winter sunlight, continuing discussions long after sessions end.

In a time when opinions are often loud and attention is fleeting, the Jaipur Literature Festival offers something increasingly precious: space to think, listen and reflect. For five days, Jaipur becomes more than a host city. It becomes a meeting place of minds, where words feel close to life, and ideas, once heard, travel far beyond the festival grounds.

"My chest swells with pride knowing that finally the people of Jaipur will have a chance to watch their own Regiment, 61 Cavalry, in the Army Day parade. 61 Cavalry is the only contingent which has remained unchanged in the Army Day parade since 1953. We are always the First contingent on parade in both the Army Day and Republic Day parades, and this year, leading the parade in the hometown of the 61st Cavalry will be a priceless moment. Another point… I have myself had the proud privilege of leading the 61st Cavalry contingent in the Army Day and Republic Day parade of 1996." - Colonel Tarun Sirohi

The Pink Turns Olive Green Today!

Maj Gen Rohit Mehrotra, GOC 61 Sub Area at the Parade Commander's Parade.

Padma Shri Dr. Maya Tandon with a colleague braving the weather but thrilled to be at the Army day Parade rehearsal.

#MAHAL ROAD, MEMORY ROAD: A PINK CITY WEEK WITH OLIVE GREEN ARMY DAY

Pushpendra Bhargava
(Owner of Jaipur Inn)

On 15 January 2026, the 78th Army Day Parade steps onto Jaipur's public roads for the first time. Here's the build-up, exhibition, rehearsals, Shaurya Sandhya, and the local pride stitched into it.

Jaipur Goes "At Home": When Army Day Leaves the Cantonment

Jaipur understands that kind of memory in its bones. A city that grew around forts and courtyards also grew a habit of watching uniforms with a particular attention, half respect, half recognition. In my case, that attention has a personal origin: my father was a Wing Commander, and as a teenager, I learned that the armed forces aren't theatre. You feel them first as atmosphere, step into an army area and the air itself seems to stand straighter: stiff, upright, regimental.

This January, that feeling is moving outward, out of the cantonment and into the city's open roads.

On 15 January 2026, Jaipur hosts the 78th Army Day Parade on Mahal Road, Jagatpura, not just the first time the parade is in Jaipur, but one of the clearest signals yet of the Army taking its signature ceremonies beyond Delhi and into civilian public space.

Why this date matters

Army Day is marked on 15 January because it commemorates the day in 1949 when K. M. Cariappa took over as the first Indian Commander-in-Chief of the Indian Army from the last British C-in-C, Francis Roy Bucher, a handover that became a yearly reminder of sovereignty, command, and institution-building.

So, the symbolism is baked in: Army Day is about who holds the reins. And Jaipur 2026 adds another layer, where the nation chooses to watch its Army.

Why Jaipur feels like a homecoming

There are official reasons for choosing Jaipur, and then, there are cultural ones.

Rajasthan is often called 'the land of valour and sacrifice,' and Jaipur carries a long memory of victory parades and assembly grounds, jaleb chowks where soldiers once assembled and the kingdom reassured its citizens of safety and sovereignty. In 2026, Mahal Road becomes a kind of modern jaleb chowk: a public stretch where citizens can witness the Army up close.

Operation Sindoor as the framing theme

In the programme language and public messaging around the 2026 celebrations, 'Operation Sindoor' appears as a thematic tribute, an emblem of capability, coordination, and readiness.

For Rajasthan's border belt, the memory of sudden alerts and contingency measures during India-Pakistan tension is not abstract. It is lived. That proximity shapes the mood: excitement, yes, but with seriousness underneath.

The week leading to 15 January: Jaipur as a living campus

This isn't a one-day spectacle. It's a week-long civic build-up with three major public touchpoints.

Know Your Army (8-12 January)

Listed in the program, from 8 to 12 January 2026, the 'Know Your Army' exhibition at Bhawani Niketan College (Sikar Road), described as a public showcase of artillery/equipment and an open window into how the Army operates across terrains.

The exhibition featured an extensive static and dynamic display of weaponry and technology, offering visitors a close look at the Indian Army's modern capabilities. Highlights include displays of tanks, missile systems, and advanced defence technologies, along with interactive missile and bomb simulators that allow visitors to better understand army operations across diverse terrains. A special showcase titled *Operation Sindoor* presented the very military hardware used during the operation, illustrating how everything from the simplest ammunition to the most advanced air defence systems functioned together as one unified force with precision and purpose.

Ahead of the main parade, the exhibition invited the public to engage directly with the Army through live elements, combat demonstrations, including para jumps, military helicopter troop descents, tank combat team manoeuvres, daring paramotor shows, and impressive equestrian skills. Cultural and ceremonial elements such as performances by the majestic Symphony Band, traditional martial arts demonstrations, a dog show, and a high-adrenaline terrorist neutralisation display by para commandos enriched the experience. It's an entire grammar of 'how the Army wants a citizen to see it,' technology and tradition, presented side by side.

Army Investiture Ceremony and Veterans Day - 14 January

The schedule notes list an investiture and honours segment (gallantry awards, unit citations), along with veterans' events. It also notes telecast/live coverage through DD and official social handles.

Shaurya Sandhya - SMS Stadium (15 January)

Listed in the program, The 2026 Shaurya Sandhya goes beyond conventional military showcases by blending heritage with cutting-edge technology. A major highlight is a spectacular drone show involving 1,000 drones, artistically portraying iconic Indian warriors such as Chhatrapati Shivaji Maharaj, Maharana Pratap, and Rana Sanga, seamlessly integrated with an immersive light and sound performance.

The event also features a dramatic re-enactment of Operation Sindoor, designed to underscore India's modern warfare capabilities and operational preparedness.

Complementing this are several ceremonial and cultural elements, including the release of a First Day Cover, felicitation of martyrs' families and NOK (Veer Naris), and live demonstrations of traditional martial arts like Kalaripayattu from Kerala and Mallakhamb from Maharashtra, disciplines historically used to train ancient warriors and symbolizing strength, agility, and discipline. The programme is expected to reach an audience of nearly 25,000 citizens and will be attended by senior national leadership. Union Defence Minister Rajnath Singh will grace the occasion as the Chief Guest, alongside Rajasthan Chief Minister Bhajan Lal Sharma. The event will also see the presence of CDS Gen. Anil Chauhan, Chief of Naval Staff Dinesh K. Tripathi, Chief of Air Staff Amar Preet Singh, and Chief of the Army Staff Upendra Dwivedi.

The evening will conclude on a solemn and patriotic note with the rendition of the National Anthem.

Rehearsals, registration and the Republic Day feel of crowd management on Mahal Road

Jaipur district administration has announced that residents who want to attend the main parade must get prior confirmation via the Citizen App or SSO portal, with e-Mitra also facilitating registration. The window reported is 6-14 January, and attendees are expected to arrive by a specified time and remain until the parade ends. What that translates to in plain Jaipur terms: this is a big public event, but not a free-for-all. The city is managing it like a Republic Day-style movement of people.

Parade day on Mahal Road: the essentials

Listed in the program, The Indian Army Day Parade will be held on January 15, 2026, from approximately 9:00 AM to 12:30 PM, with the theme 'Bhartiya Sena - Shaurya aur Balidan ki Parampara' (Indian Army - Tradition of Valour and Sacrifice). The main parade will commence at 9:30 AM on Mahal Road, Jagatpura, covering a 3-kilometre public road stretch, offering open access unlike traditional cantonment venues. A wreath-laying ceremony at Prerna Sthal, South Western Command, Jaipur, will take place between 9:05 AM and 9:15 AM, and will be telecast live on Mahal Road screens and Doordarshan.

The parade will showcase a grand march-past of nearly 15,000 soldiers from diverse regiments and units, including infantry, cavalry, artillery, scouts, NCC cadets, women contingents, and elite formations. Spectators will witness displays of advanced military hardware such as tanks, artillery systems, missiles, rocket launchers, drones, robotic mules, counter-UAS systems, and Army dog squads, along with an impressive aerial fly-past by fighter aircraft, helicopters, and a large-scale drone show. Participation will include military bands from Nepal, as well as elements of the Indian Air Force and Navy.

A special emphasis will be placed on Operation Sindoor, featuring a Rajasthan Government tableau, gallantry awardees, and demonstrations of operational equipment, complemented by cultural performances celebrating local heritage. With special three-tier seating for 25,000 spectators and an expected footfall of up to 1.5 lakh, the event promises to be a major public and national spectacle.

A Jaipur heartbeat: 61st Cavalry on home roads

National ceremonies become local when you see your own inside them.

In my interview with Colonel Tarun Sirohi, reflecting on 61st Cavalry's presence, puts it in a line that feels like a Jaipur emotion:

"My chest swells with pride knowing that finally the people of Jaipur will have a chance to watch their own Regiment, 61 Cavalry, in the Army Day parade. 61 Cavalry is the only contingent which has remained unchanged in the Army Day parade since 1953. We are always the First contingent on parade in both the Army Day and Republic Day parades, and this year, leading the parade in the hometown of the 61st Cavalry will be a priceless moment. Another point… I have myself had the proud privilege of leading the 61st Cavalry contingent in the Army Day and Republic Day parade of 1996."

Whatever else the parade includes, this is the simplest bridge for a Jaipur reader: your own regiment, on your own road.

The youth line: NCC as living continuity

Seeing the NCC contingent takes me back to my own NCC days from St. Xavier's School, and to my elder brother Dr. Sandeep Bhargava attending NCC camps.

In my conversations around the NCC contingent preparing for this parade, what stayed with me was not only the drill, but the steadiness. A band of young girls can be seen marching with purposeful, determined strides, with their own marching bands, standing apart from the Army contingents, Senior Wing NCC cadets holding their line through Jaipur's winter. Two marching bands alongside them, and a wider group of cadets drawn from multiple states.

The biting cold has not daunted their enthusiasm as they march straight and proud with the soldiers. They have been here since the end of December, training daily, holding their own amongst trained troops, waiting for the final day. Their motivation is simple: to express the solidarity of youth with the Army and the nation.

They deserve a salute too.

The voice that taught India how to watch

Melville de Mellow, the pioneer voice of parade commentary. Long before television, his radio narration made marching contingents and military hardware visible to listeners who could only imagine the scene. That reminder matters: ceremony is not only spectacle; it is also the language through which a nation learns what it is seeing.

Field Marshal K. M. Cariappa as the symbol of Army Day

Army Day commemorates the moment India's Army leadership passed fully into Indian hands, and Field Marshal K. M. Cariappa remains central to the day's meaning in popular memory: professionalism, discipline, and service that stands above personal ties. In Jaipur, that idea lands in a particular way because Rajasthan knows what it means to treat service as inheritance, and discipline as dignity. The first Indian Commander-in-Chief of the Indian Army stands as a towering symbol of military leadership and national service. A hero of the 1947-48 Indo-Pak War, he led Indian forces on the Western Front and played a decisive role in reclaiming strategic locations such as Zoji La Pass, Drass, and Kargil. Beyond the battlefield, he successfully oversaw the complex transition from British to Indian command after Independence, ensuring a fair division of the British Indian Army and laying the foundations of a professional, disciplined, and apolitical force firmly under civilian control.

Renowned for his integrity, patriotism, and uncompromising discipline, Cariappa lived by the creed: "The safety, honour, and welfare of your country come first, always and every time." His values were exemplified during the 1965 war, when he refused any special treatment for his own son captured as a POW, declaring, "He is no longer my son." He also popularised the salute 'Jai Hind,' which endures as a unifying call of national pride. As one of only two Indian officers to be conferred the five-star rank of Field Marshal (honorary), his legacy continues to inspire generations of soldiers with ideals of sacrifice, leadership, and unwavering devotion to India.

A special mention to a roll of honour from Rajasthan

(As listed on the invite card)

1. Major Shaitan Singh Bhati, PVC (P)
2. CHM Piru Singh Shekhawat, PVC (P)
3. Second Lieutenant Puneet Nath Datt, AC (P)
4. Sub Suresh Chand Yadav, AC (P)
5. Naik Nirbhay Singh Sisodiya, AC (P)

"Kar chale hum fida jaan-o-tan sathiyon, ab tumhare hawale vatan sathiyon." (We have sacrificed our lives and bodies, O comrades; now the nation is in your hands.)

The Army Day is a solemn tribute to our brave soldiers and a recognition of their selfless contribution to the motherland. It is a day to honour those who have made the supreme sacrifice in the line of duty.

A local closing: the father's circle, the city's salute

My father's world also included friends and officers whose names still carry warmth for me: Capt Gurbej Singh Arora, a decorated war veteran; Brig P. K. Gupta; Brig A. P. Bhargava, polished officers whose bearing made the uniform feel real long before it became symbolic.

I would also like to very proudly mention that St. Xavier's School has three serving Lt. Generals at the present. Lt. Gen Padam Singh, Lt. Gen Anindya Sengupta and Lt. Gen Raghu Srinivasan.

Jaipur is about to add a new chapter to its civic memory. Roads will be rerouted, schedules tightened, passes checked. But beneath all that, the older thing will remain: a city learning to stand straighter in the presence of service.

The youngest command in India is putting the spectacle together, thereby having the Pink City of Jaipur write a new chapter.

Padharo Maro Desh.

Jai Hind.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

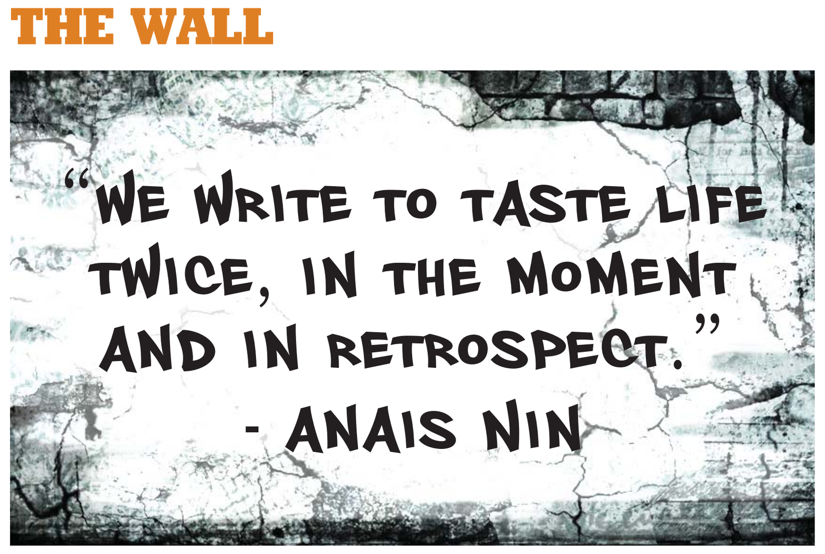

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

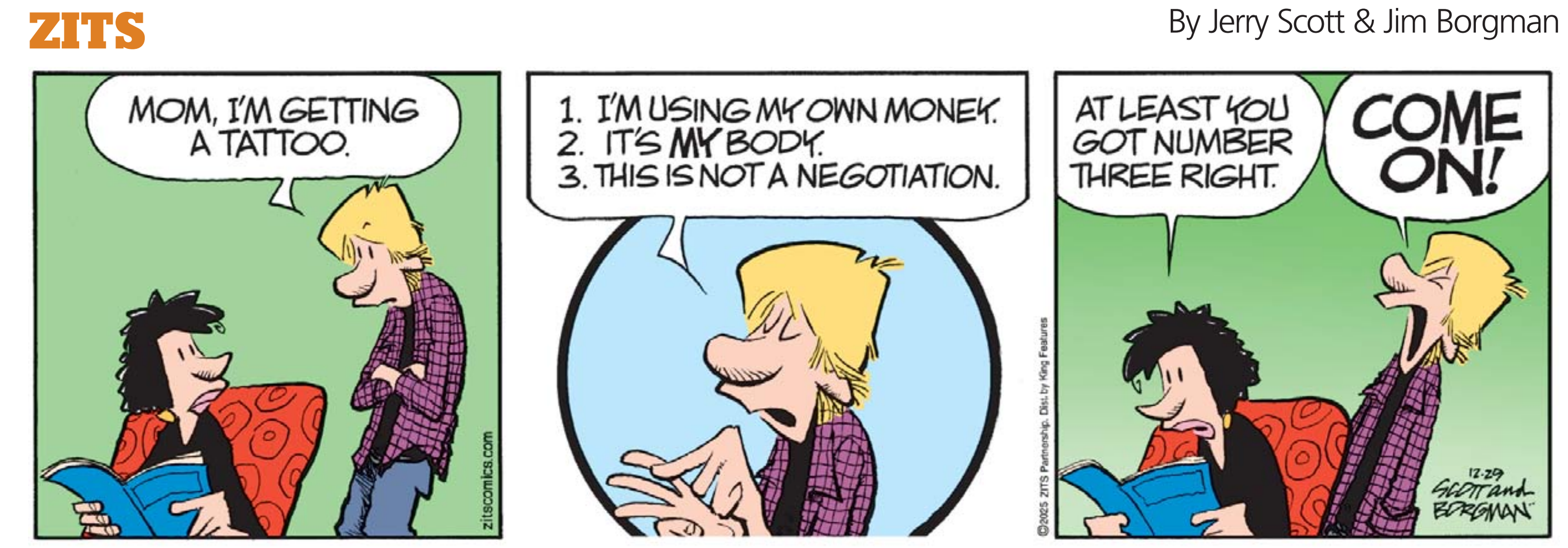

जोधपुर में हुई दिल्ली पुलिस भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा में फर्जीवाड़ा पकड़ा

परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग कराते तीन जने गिरफ्तार

- परीक्षा का आयोजन 12 जनवरी को जोधपुर के बनाड़ स्थित एक ऑनलाइन सेंटर पर हुआ था
- आरोपियों द्वारा रिमोट डेस्कटॉप एप्लिकेशन का उपयोग करना पता लगा है

जोधपुर, (कासं)। दिल्ली पुलिस भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग कराने वाले तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परीक्षा का आयोजन 12 जनवरी को जोधपुर के बनाड़ स्थित एक ऑनलाइन सेंटर पर हुआ था। आरोपियों द्वारा रिमोट डेस्कटॉप एप्लिकेशन का उपयोग करना पता लगा है। कार्रवाई दिल्ली पुलिस और जोधपुर कमिश्नरेट की बनाड़ पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई। दिल्ली पुलिस के हैड कांस्टेबल (मिनिस्टीरियल) भर्ती के लिए आयोजित हुई थी।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने बताया कि जोधपुर में स्थित एक परीक्षा केंद्र, जहाँ दिल्ली पुलिस के हैड कांस्टेबल (मिनिस्टीरियल) भर्ती के लिए आयोजित ऑनलाइन परीक्षा, जोकि ऑनलाइन के माध्यम से संचालित की जा रही के संबंध में गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि परीक्षा केंद्र पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों की सहायता के लिए रिमोट डेस्कटॉप एप्लिकेशन का उपयोग किया जा रहा था। सूचना के आधार पर दिल्ली पुलिस तथा जोधपुर पुलिस की टीम द्वारा मारवाड़ इंस्टीट्यूट, बनाड़ रोड, जोधपुर में स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। तब वहां एक व्यक्ति पेमाराम निवासी ग्राम कांतिया, खींवसर, नागौर हाल रमजान हत्था के पास स्वयं को परीक्षा केंद्र का सेंटर सुपरिंटेंडेंट तथा लैब का मालिक बताया, मगर उसका आचरण एवं व्यवहार संदिग्ध प्रतीत हुआ। जिस पर उससे पूछताछ की गई तो पता चला की वह केन्द्र पर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विशेष उम्मीदवार को पैसों के लालच में सहायता प्रदान कर रहा है। उसके पास उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड मिले, जिससे प्रतीत हुआ कि वह परिक्षार्थियों की अनुचित सहायता कर रहा था।

इसी प्रकार केंद्र में साँवला राम पुत्र किशन राम निवासी जालोर की गतिविधियां भी संदिग्ध लगी, जो स्वयं को इसी एग्जामिनेशन सेंटर का नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर बता रहा था। वहीं महेन्द्र पुत्र भंवरलाल निवासी खोखरिया, बनाड़ की गतिविधियां भी संदिग्ध लगी, जिस पर उन सभी के खिलाफ केस दर्ज गिरफ्तार किया गया।

पुलिस टीम में बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग, दिल्ली पुलिस सीआई अरविंद, एसआई नवीन, एएसआई राजेंद्र, हैडकांस्टेबल योगेश एवं कांस्टेबल हेमंत शामिल रहे।

झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक किशोरी से दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। पीड़िता की मां के परिवाद पर एक थाने में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच एसएचओ स्वयं कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता किशोरी का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया है। घटनास्थल का मौका निरीक्षण करते हुए सबूत जुटाए गए हैं।

पुलिस के अनुसार पीड़िता 16 वर्षीय स्कूली छात्रा को आरोपी युवक ने शादी का झांसा देकर घर से भाग जाने का प्रोग्राम तैयार किया। इससे पहले आरोपी युवक किशोरी को स्कूल से बंक मरवाकर कोतवाली एरिया के एक होटल में ले गया। वहां आरोपी ने किशोरी का शारीरिक शोषण किया। इसके बाद पीड़िता को स्कूल के निकट छोड़ दिया। इसके बाद किशोरी आरोपी को शादी करने का कहने लगी, लेकिन आरोपी ने उसे गंभीरता से लेना छोड़ दिया। करीब 10 दिन पहले आरोपी ने किशोरी को शादी करने से साफ इनकार कर दिया। इससे किशोरी गुमशुम रहने लग गई और उसका व्यवहार परिवर्तित हो गया। पीड़िता में आए बदलाव को उसकी मां ने नोटिस किया और फिर विश्वास में लेकर पूछा। इस पर पीड़िता फफक पड़ी और आपबीती बताई। तब मामला थाने पहुंचा और केस दर्ज करवाया गया।

पीड़िता के पिता की बाजार में दुकान है। आरोपी युवक भी उसी के साथ वाली दुकान में काम करता है। पीड़िता अपने पिता को भोजन-चाय आदि देने जाती थी। तब आरोपी उसे देखता रहता था। इसी दौरान आरोपी ने पीड़िता किशोरी से दोस्ती कर ली और उससे फोन पर बातें करने लग गया। किशोरी को आरोपी ने प्रेमजाल में फांस लिया और फिर घर से भागकर शादी करके घर बसाने के सब्जबाग दिखाता रहा। किशोरी को बहला-फुसलाकर होटल में ले जाकर नवंबर माह में उसके साथ जबरन अनैतिक संबंध बनाए।

बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन से 13 साल का लड़का लापता

- 12 घंटे बाद भी नहीं लगा सुराग, दिल्ली से श्रीगंगानगर आ रही थी ट्रेन

श्रीगंगानगर, (निसं)। दिल्ली से श्रीगंगानगर आ रही बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन में परिवार के साथ सफर कर रहा 13 साल का बच्चा माधव लापता हो गया। माधव को लापता हुए 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक बच्चे का कोई सुराग नहीं लगा।

माधव के परिजनों ने बताया कि वे दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे। जाखल स्टेशन पार करने के बाद जब परिवार की नींद खुली, तो देखा कि उनका लड़का माधव सीट पर नहीं था। परिवार ने तुरंत रेलवे स्टाफ, आरपीएफ और जीआरपी को सूचना दी। रेलवे प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बठिंडा सहित ट्रेन के पूरे मार्ग पर सभी स्टेशनों को अलर्ट जारी किया। रेलवे पुलिस ने स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है और आस-पास के थानों को भी सूचित किया है।

माधव की मां नूपुर चंद्र ने बताया कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ था और यात्रा के दौरान उनके साथ ही था। अचानक गायब होने से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। वे लगातार रेलवे अधिकारियों और पुलिस से संपर्क में हैं। रेलवे ने आश्वासन दिया है कि बच्चे की तलाश के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि अगर कहीं ट्रेन या स्टेशन पर माधव जैसा बच्चा दिखे तो तुरंत नजदीकी रेलवे पुलिस या आरपीएफ को सूचित करें। माधव के परिजन उसका इंतजार कर रहे हैं।

पावटा में फायरिंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

विराटनगर क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते पीड़ित पर बंदूक से फायरिंग व महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार एवं रिश्तेदारों की गाड़ी पर हमला कर दिया था। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोहन लाल पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना विराटनगर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोहन लाल पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना विराटनगर ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 12 जनवरी को परिवादी प्रहलाद मीणा पुत्र जलदीप मीणा निवासी बंदमुजफ्फरपुर पुलिस थाना विराटनगर आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि मैं मेरी खातेदारी भूमि खसरा न. 139 के नजदीक गायों व जंगली जानवरों से बचाव के लिए तारबंदी कर रखी थी जिसके लिए उक्त मेरे पड़ोसीयों ने मामला पुत्र भवरा वगैरा अन्य 50-60 लोगों ने मेरे खसरा नं 139 में घुसकर हमारे ऊपर हमला किया ज्योंकि मेरे कान के पास से दो तीन राउण्ड फायर हुये जिसका एक राऊण्ड का निशान मेरे सिर व कमर पर है। मेरे व मेरे परिवार बहन बेटियों के साथ मारपीट करते हुए अभद्र व्यवहार किया। वही बोलेरो गाड़ी से मेरे रिश्तेदार आये हुये थे। उन लोगों द्वारा रिश्तेदारों की गाड़ी पर भी हमला कर दिया व हमारी दो बाईकों को जला दिया। जिस पर मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए धुडमल पुत्र गिरधारी लालनिवासी बन्द मुजफ्फरपुर थाना विराटनगर, भागचन्द पुत्र बन्नाराम निवासी मामटोरी थाना मनोहरपुर, मोहित पुत्र शैतानसिंह निवासी भोजपुरा उर्फ लाखावाला थाना विराटनगर को गिरफ्तार किया गया।

श्रीगंगानगर में डोडा-पोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

- मकान के नोहरे में छिपा रखा 38 किलो मादक पदार्थ बरामद किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की रायसिंहनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा- पोस्त के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने घर के नोहरे में डोडा-पोस्त छुपा रखा था, जिसके बाद पुलिस को सूत्रों से सूचना मिली और कार्रवाई की। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि कई दिनों से पुलिस को एक नशा तस्कर द्वारा घर में अवैध डोडा-पोस्त रखने की सूचना मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस टीम ने प्लानिंग कर आरोपी के घर दबिश दी। इस दौरान पुलिस टीम को आरोपी के घर के नोहरे से 38 किलो 250 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त मिला। जिसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान हुसैन खान (65) निवासी वार्ड नंबर-5 लाल बहादुर स्कूल के पास (रायसिंहनगर) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पिछले काफी समय से राजस्थान में बैन हो चुके अवैध डोडा-पोस्त की तस्करी कर रहा था। आरोपी घर से ही ग्राहकों को पोस्त बेचता था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है, जिससे कई और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

उदयपुर में व्यापारी ने आत्महत्या की

- प्रारंभिक पूछताछ में बीमारी से परेशान होने से आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में किराणा व्यापारी ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अुनसार सुखेर थाना क्षैत्र एन रोड़ भुपालपुरा निवासी नकुल सिंघवी (45) पुत्र अनिल कुमार सिंघवी ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। नकुल दिव्य ज्योति अपार्टमेंट न्यू भूपालपुरा में किराणा का व्यापार करता था। मंगलवार सवेरे दुकान पर गया था सांय वापस नहीं लौटने पर तलाश में निकले परिजनों को नकुल न्यू ओरबीट के पीछे अचेतावस्था में पड़ा मिला तथा गाड़ी भी पास में खड़ी थी, जिसे परिजन उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर सुखेर एएसआई रघुविरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में बीमारी से परेशान होने से आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है।

भारी मात्रा में मादक पदार्थ सहित एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से मादक पदार्थों का निर्माण करने वाली एक गुप्त प्रयोगशाला का पदाफार्श करते हुए मादक पदार्थ जब्त कर एक जने को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि चितौड़गढ़ जिले में अवैध रूप से एक मकान में मादक पदार्थ निर्माण करने वाली प्रयोगशाला संचालित हो रही है। उक्त सूचना पर सीबीएन चितौड़गढ़-प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चितौड़गढ़ सेल की संयुक्त टीम ने ग्राम सुरजना से दूर स्थित एकांत में बने बाड़ा रूपी मकान पर छापा मारा, टीम ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया एवं तलाशी के दौरान भारी मात्रा में मैफेडोन एवं उसके निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि जब्त अवैध मादक पदार्थ मैफेडोन का निर्माण उक्त परिसर में अवैध रूप से किया जा रहा था। पकड़ा गया आरोपी अपने एक सहयोगी के साथ मिलकर इस गुप्त प्रयोगशाला का संचालन कर रहा था। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि कानूनी औपचारिता पूरी कर मादक पदार्थ एवं उसके निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी सोनू सिंह उर्फ अकबर को गिरफतार किया। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि छापा मार कार्यवाही के दौरान टीम ने मौके से मैफेडोन पाउडर 107 ग्राम, मेफेडोन क्रूड 3.961 किलोग्राम, अल्प्राजोलम पाउडर 1.826 किलोग्राम, मेफेडोन के सिंथेसिस में प्रयुक्त रसायन करीब 200 किलोग्राम को जब्त करने के साथ ही गुप्त रूप से मादक पदार्थ निर्माण हेतु प्रयुक्त हाई-टेक प्रयोगशाला उपकरण एवं तस्करी में प्रयुक्त एक बाईक को जब्त किया है।

सड़क हादसे में दो घायल, बच्ची की मौत

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में पावटा कस्बे में अंडरपास क्रॉस करते हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक चालक व सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके साथ मौजूद मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बुधवार शाम चार बजे के करीब बाइक सवार परिवार अंडरपास क्रॉस कर पावटा मुख्य बाजार सुभाष चौक की तरफ आ रहे थे तभी तेज गति से प्रागपुरा की तरफ से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि 8 वर्षीय बच्ची रुहानिका ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं माया देवी पत्नी जयसिंह, हंसराज पुत्र जयदयाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तत्काल उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया, जहां 8 वर्षीय बच्ची रुहानिका को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया व माया देवी व हंसराज को कोटपुतली बीडीएम जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पुष्कर में मकर संक्रांति पर पतंग उत्सव के तहत देशी, स्थानीय लोगों के साथ विदेशी पर्यटकों ने भी पतंग उड़ाकर आनंद लिया। पुष्कर में अल सुबह से ही स्थानीय युवा-युवती पतंग उड़ाने के लिए छतों पर चढ़ गए, तो विदेशी महिलाओं ने भी पतंगबाजी की।

दुकान से सामान व नगदी चोरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के चूनावढ़ कस्बे के बाजार में चोरों ने एक किराना दुकान को निशाना बनाया। पीछे की दीवार में छेद कर घुसे और कैश व सामान ले गए। घटना रात को बतरा प्रोविजन स्टोर में हुई। चोर दुकान से 4 डिब्बे सिगरेट, 15 बीड़ी पैकेट, 30 जर्दा पैकेट, 30 खजूर पैकेट व 2 हजार से ज्यादा कैश चोरी कर ले गए। सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना से चूनावढ़ पुलिस थाना से 250 मीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही चूनावढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है।

आपसी रंजिश में युवक पर हमला, चाकू से 18 वार किए

- छाती-पेट सहित कई जगह जख्म, दो में से एक आरोपी की पहचान हुई

बीकानेर, (निसं)। शहर के तिलक नगर क्षेत्र में आपसी रंजिश में बीती देर रात एक युवक पर जानलेवा हमला हो गया। दो हमलावरों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का अब पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। युवक के शरीर पर कई जगह वार से घाव हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आपसी रंजिश में दो युवकों ने तिलक नगर निवासी युवक मोहम्मद तारीफ पर अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने बेरहमी से करीब 18 बार चाकू से वार किए। लहूलुहान हालत में युवक को तुरंत ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। चिकित्सकों की टीम इलाज में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही जय नारायण व्यास कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों में दो जने शामिल थे। इनमें एक की पहचान हो चुकी है। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जा सके। इस घटना के बाद तिलक नगर क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

सीकर से नाबालिग लड़की लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। नाबालिग लड़की अपने स्कूल में प्रैक्टिकल देने के लिए गई थी, जो वापस नहीं लौटी। अब लड़की की मां ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। लड़की की मां ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया कि उनकी 16 साल की बेटी है जो वर्तमान में 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। वह 11 जनवरी को सुबह 10 बजे घर से निकली थी जो दूसरे गांव में स्थित सरकारी स्कूल में प्रैक्टिकल देने के लिए गई थी। प्रैक्टिकल देने के बाद वह स्कूल से अपनी तीन सहेलियों के साथ वापस निकल गई, लेकिन घर पर नहीं पहुंची। परिवार ने अपने स्तर पर भी नाबालिग लड़की की तलाश की लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया।

कानोड़ वासियों को सप्लाई किया जा रहा सीवरेज का बदबूदार पानी

- करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है

कानोड़, (निसं)। आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने भले ही नगर की पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए करोड़ों रुपए स्वीकृत किए हो, लेकिन धरातल पर जो हालात हैं, वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। वर्षों से शुद्ध पेयजल को तरस रहे नगर वासियों की लंबी मांग के बाद पूर्व सरकार ने योजना का पिटारा खोला और नगर को करीब 19 करोड़ की सौगात मिली और करोड़ों की लागत से टंकी निर्माण, नई पाइप लाइन सहित कार्य हुआ, लेकिन आरोप यह कि विभाग अधिकारियों की अनदेखी या मिलीभगत से हुए घटिया कार्य से हालात बिगड़े और आज स्थिति यह बनी है कि फिर से नगरवासियों को बीते एक महीने से गंदा बदबूदार सीवरेज के पानी से लबालब जोशीले तालाब से सटे एक नंबर जलस्त्रोत का पानी सीधा घरों तक सप्लाई किया जा रहा है, जबकि एक नंबर ओपन वेल का पानी खराब होने और बीमारियां फैलने की आशंका के चलते बीते लंबे समय से बंद कर दिया था, लेकिन जलदाय विभाग नगर वासियों को पेयजल उपलब्ध करवाने में इस सर्द मौसम में भी नाकाम दिख रहा है और वह लोगों के घरों तक जहर परोस रहा है। उपभोक्ता गंदे बदबूदार पानी की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

जानकारी के अनुसार एक नंबर ओपन वेल का पेयजल फिल्टर प्लांट तक पहुंचाया जाता था, इसके बाद वह फिल्टर होकर उपभोक्ताओं तक पहुंचता था, लेकिन अभी विभाग इससे उलट नियमों को ताक में रखकर ओपनवेल का पानी सीधा टंकी में चढ़ाकर घरों तक पहुंचा रहा है, जबकि यह गंदा पानी पीने से पूर्व में रेगर मोहल्ला सहित कॉलोनीवासी एक साथ कई बीमार हो गए थे, इसके बाद जांच हुई एक नंबर कुएं को बंद किया गया, लेकिन फिर से विभाग ने इसको चालू कर दिया है।

विभाग ने लाखों रुपए फिल्टर प्लांट को सुधारने टंकी मरम्मत में बीते कुछ समय पहले ही खर्च किए, लेकिन धरातल के हालात जहां रिपेयर के लिए लाखों खर्च वाली पानी की टंकी जर्जर को चली है, तो वहीं फिल्टर प्लांट में पानी फिल्टर नहीं हो रहा है, ऐसे में विभाग के कर्मचारी फिल्टर प्लांट में छोटे-छोटे पाइप लगाकर बिना फिल्टर हुए पानी टैंक में पहुंच कर सप्लाई दे रहे हैं। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। बीते दिनों जल जीवन मिशन के तहत डाली गई नई पाइपलाइन लगातार टूट रही है, जिससे होने वाले लीकेज नई सड़क को तोड़ कर रख दी है, पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई एक किलोमीटर की सड़क बनने के बाद जलदाय विभाग ने छह लीकेज अभी तक निकाल दिए हैं, कहीं सड़क बीच में से तोड़ दी गई तो कहीं दोनों छोर बिगाड़ कर पूरी सड़क को तहस-नहस कर दिया गया। इन दोनों फिर से सड़क बन रही है और विभाग आगे आगे लीकेज निकालने का काम कर रहा है।

इन दिनों पीपलवास मार्ग पर जलदाय विभाग पाइपलाइन बिछाने का काम कर रहा है, लोगों का कहना है कि नियमानुसार जहां लोहे की पाइप बिछानी है वहां पर प्लास्टिक की पाइप डालकर महज औपचारिकता पूरी कर रहा है, यानी प्लास्टिक की पाइप डालकर लोहे की पाइप का पेमेंट उठाने की आशंका भी लोगों ने जताई है। लोगों का कहना है कि प्लास्टिक की पाइप गहरी नहीं डालने की वजह से कुछ दिन ही चलेगी और टूट जाएगी जिसका आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

फिल्टर प्लांट परिसर में खड़ी-बड़ी टंकी वह फिल्टर टैंक की सफाई हुई, एक वर्ष से ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन विभाग टंकी और फिल्टर टैंक पर नियमित सफाई के दिनांक डालना नहीं भूल रहा, लोगों का कहना है कि 25 दिसंबर को भी विभाग ने यही किया टंकी के नीचे जहां पर नियमित सफाई करना लिख दिया लेकिन सफाई नहीं हुई।

विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि नगर सहित क्षेत्र में हैंडपंप सुधारने, लीकेज निकालने सहित कार्यों के ठेके विभाग के कर्मचारी ने ठेकेदार का नाम रखकर खुद ले रखे हैं, ऐसे में ठेकेदार को भी लंबे समय से फील्ड में कहीं नहीं देखा और उसके नाम का भुगतान हो रहा है।

इस पूरे मामले में विभाग के सहायक अभियंता परसाराम बिजारणियां का कहना था कि कुएं का पानी साफ है, फिल्टर की जरूरत नहीं। फिल्टर प्लांट में पाइप लगाने की जानकारी लेता हूं। प्लास्टिक लाइन टेंपरेरी है। नया फिल्टर जल्द चालू होगा।

नापासर के रामसर ग्राम में खुले में फेंके जा रहे मृत पशु, आमजन परेशान

खेल मैदान, गौशाला के पास और आबादी क्षेत्र में पड़े मृत पशुओं के कारण तेज दुर्गन्ध फैल रही है

- ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा

नापासर, (निसं)। यहां निकटवर्ती गांव रामसर में मृत पशुओं को खुले में फेंके जाने से गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि खेल मैदान, गौशाला के पास और आबादी क्षेत्र में पड़े मृत पशुओं के कारण तेज दुर्गन्ध फैल रही है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस दुर्गन्ध के कारण सांस लेने में तकलीफ हो रही है। साथ ही, मृत पशुओं के आसपास कुत्तों की संख्या बढ़ने से उनका आतंक भी बढ़ गया है, जिसके चलते कई स्कूली बच्चे घायल हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कोरोनाकाल के दौरान मृत पशुओं को गड्ढा खोदकर दबाया जाता था। हालांकि, वर्तमान में ग्राम पंचायत रामसर द्वारा न तो मृत पशुओं के निस्तारण के लिए कोई टेंडर जारी किया गया है और न ही कोई स्थान चिन्हित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और खुले में मृत पशु डाले जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीकानेर पंचायत समिति के निवर्तमान प्रधान भी इसी गांव से हैं। गांव के पास खेल मैदान है, जहां विधायक कोटे से बच्चों के लिए झूले लगाए गए हैं और भ्रमण पथ भी बनाया गया है, लेकिन आसपास फैली दुर्गन्ध के कारण इन सुविधाओं का उपयोग नहीं हो पा रहा है। लोग स्वच्छ हवा में घूमने के बजाय दुर्गन्ध के कारण बीमार होकर लौटने को मजबूर हैं। इस समस्या से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया और प्रशासन से दुर्गन्ध से निजात दिलाने तथा मृत पशुओं के निस्तारण की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की। प्रदर्शन में रामनिवास कस्वां, बद्री बेनीवाल, हड़मान, ईश्वर, खेराज सारण, रामकुमार ओझा, बजरंग लाल, गोपीराम सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। स्कूली बच्चे भी इस प्रदर्शन का हिस्सा थे। पंचायत समिति सदस्य मोहनलाल कस्वां ने जिला परिषद सीईओ को ज्ञापन देकर स्थायी निस्तारण व्यवस्था और सफाई के निर्देश जारी करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मांडलगढ़ में महिला कनिष्ठ सहायक पर मनरेगा श्रमिकों से चौथ वसूली का आरोप

माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत का मामला

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। श्रमिकों ने आरोप लगाया है कि पंचायत स्तर पर पदस्थ महिला कनिष्ठ सहायक द्वारा काम देने के बदले उनसे चौथ वसूली की जा रही है। मामले से आक्रोशित श्रमिकों ने प्रदर्शन कर एसडीएम और बीडीओ को लिखित शिकायत सौंपी है और कनिष्ठ सहायक को जल्द हटाने की माँग की है।

माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत में पदस्थ महिला कनिष्ठ सहायक को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा जिले में माण्डलगढ़ उपखण्ड के धाकड़खेड़ी पंचायत से आए सैकड़ों श्रमिकों ने उपखण्ड अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि पंचायत में काफी लंबे समय से कनिष्ट सहायक नवोदिता भाणावत नियुक्त हैं। मनरेगा योजना के मस्टरोल में श्रमिकों के नाम दर्ज करने के बदले यदि तय राशि नहीं दी जाती तो उन्हें काम नहीं दिया जाता, नाम मस्टररोल में दर्ज नहीं किए जाते और कई बार काम से हटा भी दिया जाता है। मजबूरी में गरीब श्रमिकों को अपनी दिहाड़ी का एक हिस्सा कथित तौर पर कनिष्ठ सहायक को देना पड़ रहा है।

प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों ने बताया कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना, जो गरीबों को रोजगार और सम्मान देने के लिए बनाई गई है, उसमें खुलेआम वसूली हो रही है। इससे न सिर्फ श्रमिकों का आर्थिक शोषण हो रहा है, बल्कि योजना की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। मस्टरोल में नाम दर्ज करने के प्रति श्रमिक 300 की राशि व नए जॉबकार्ड बनाने के 1 हजार की राशि वसूली जा रही हैं। श्रमिकों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

धाकड़खेड़ी निवासी प्रकाश चन्द्र सालवी ने तो 100 के स्टाम्प पर शपथपत्र पेश कर शिकायत में महिला कर्मचारी पर अवैध चौथ वसूली का आरोप लगा कर पत्र को लोकायुक्त को भेजा गया है और भृष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर श्रमिकों को धमकाने का भी आरोप लगाया।

ग्रामीणों ओर श्रमिकों ने बताया कि भैरूसिंह राजपूत का 9 अगस्त 2025 में निधन हो गया था। जिसका श्रमिक जॉबकार्ड क्रमांक 2858981 है, भैरूसिंह को 9 से 23 दिसम्बर 2025 तक पखवाड़ा के मस्टरोल क्रमांक 32965 में 4 दिन की हाजिरी दर्ज कर फर्जीवाड़ा किया है और 996 रुपए का भुगतान उठा लिया गया है। इसी प्रकार अन्य कई श्रमिक मस्टरोल में कई तरह की अनियमिताएं की जाकर खुलेआम राजकीय कोष को चुना लगाया जा रहा है। मनरेगा योजना में श्रमिकों के नाम जोड़ने के एवज में चोथवसुली के लिए कनिष्ठ सहायक ने दलाल बना रखे हैं। दलाल श्रमिकों को एकांत में बुलाते हैं, मोबाइल फोन दूर रखवाकर चौथवसूली की जाती है और किसी को शिकायत करने पर जॉब से हटाने की धमकियां दी जाती हैं।

ज्ञापन देने के दौरान बागीद के पूर्व वार्डपंच भीम सिंह कानावत, प्रकाश सालवी, अक्षय सिंह, चंद्रवीर सिंह, लीला देवी बलाई, भोमा देवी बैरवा, नारायणी धाकड़, सुनीता बैरवा, रतन धाकड़, कैलाश बेरवा ,कन्यालाल धाकड़ सहित बागीद, धाकड़खेड़ी, हिंगोनिया और भवानीपुरा के सैकड़ों श्रमिक मौजूद थे।

- **आक्रोशित श्रमिकों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कनिष्ठ सहायक को हटाने की मांग की**

मामले को लेकर धाकड़खेड़ी की कनिष्ट सहायक नववोदिता का कहना है कि श्रमिकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। श्रमिकों को मनरेगा योजना में चिन्हित कार्य स्थल पर पर्याप्त कार्य करने पर जोर दिया जाता हैं। इसी को लेकर श्रमिकों ने अनर्गल आरोप लगा कर शिकायत की है।

वहीं इस मामले को लेकर उपखण्ड अधिकारी मनमोहन शर्मा का कहना है कि धाकड़खेड़ी के श्रमिकों की शिकायत प्राप्त हो गई है और पूरे प्रकरण की एक कमेटी बना कर जांच कराई जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित महिला कनिष्ठ सहायक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं पंचायत समिति विकास अधिकारी ने भी जाँच कराने की बात कही है।

कड़ाके की सर्दी से अब राहत मिलने की उम्मीद

बीकानेर, (निसं)। कई दिनों से पड़ रही कड़ाके की सर्दी से अब राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तरी हवाओं का प्रभाव बीकानेर में कुछ कम हो रहा है। इस कारण आने वाले दिनों में धीरे-धीरे तापमान बढ़ना शुरू होगा। हालांकि सर्दी का असर बरकरार रहेगा।

- **उत्तरी हवाओं का प्रभाव कम होने से बढ़ेगा तापमान**

पिछले साल भी सर्दी ने असली रंग जनवरी में ही दिखाया था और इस साल भी जनवरी में ही कड़ाके की सर्दी पड़ी है। पिछले साल जनवरी में सर्दी ने लोगों को ठिठुरा दिया था। दिसंबर के मध्य में सर्दी की शुरूआत हुई थी, लेकिन जनवरी के पहले हफ्ते में सर्दी ने लोगों को कंपा दिया था।

इस साल बारिश के कारण सर्दी ने दस्तक तो एक बार नवंबर में दे दी। मगर उसके बाद तापमान सामान्य और उससे ज्यादा ही रहा। अलनीनो के असर के कारण पूरा दिसंबर भी सामान्य तापमान या उतार-चढ़ाव में बीत गया।

दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक रात का तापमान 14 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया था। जनवरी के सप्ताह के बाद मौसम ने करवट बदली और बीते एक सप्ताह में लोगों को सर्दी का अहसास करा दिया। हालात ये हो गए कि लूणकरणसर प्रदेश के सबसे ठंडे स्थानों में शुमार हो गया। पिछले साल जैसी ही सर्दी इस बार भी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अब धीरे-धीरे सर्दी से राहत मिलनी शुरू हो जाएगी।

12वीं की छात्रा से दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। 12वीं कक्षा की छात्रा को किडनैप कर चलती कार में गैंगरेप करने वाले दो आरोपियों को नापासर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक युवक को गुजरात के गांधी नगर से पकड़ा है, जबकि दूसरे को बीकानेर से ही दबोच लिया गया।

- **एक युवक को गुजरात से पकड़ा, दूसरे को बीकानेर से ही दबोचा**

सीओ गंगाशहर हिंमाशु शर्मा ने बताया कि 11 जनवरी को रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की गई थी। 6 जनवरी को छात्रा को स्कूल जाते समय दो युवक रास्ते से जबरन उठाकर कार में ले गए और चलती कार में गैंगरेप किया गया। शक होने पर गांव के लोगों ने रोका, कार और लड़की को छोड़ भागे इस दौरान पड़ोसी गांव के लोगों ने शक होने पर कार को रुकवा लिया। लड़की को नीचे उतारकर परिजनों को सूचना दी गई। इस दौरान आरोपी युवक वहां से फरार हो गए। लड़की के घर वाले मौके पर पहुंचे और उसे अपने साथ ले गए। सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वकील (23) पुत्र हड़मान जांगू बस से गुजरात भाग गया था, जिसे गांधीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, आरोपी हंसराज (28) पुत्र छगनाराम को बीकानेर से पकड़ा गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और प्रकरण से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। लड़की का मेडिकल करवा लिया गया है। घटना 6 जनवरी की बताई गई है। बताया गया है कि दोनों आरोपी लड़की से पहले से परिचित थे। इसी दौरान लिफ्ट के बहाने उसे कार में बैठाया और किडनैप कर घुमाते रहे। करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर चलती कार में ही बारी-बारी से दुष्कर्म किया गया। आरोपियों ने छात्रा को रेप के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। डर के कारण वह चार दिन तक चुप रही। बार-बार पूछने पर छात्रा ने पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद 11 जनवरी को मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां से पुलिस कस्टडी लेने का प्रयास करेगी, ताकि मामले में आगे की जांच की जा सके। फिलहाल पुलिस कार जब्त करने के साथ ही घटनास्थल पर हुए पूरे घटनाक्रम का रिकॉर्ड तैयार कर रही है, जल्द से जल्द चालान पेश किया जा सके।

दस लाख की पुरानी चांदी व तीस ग्राम सोने के जेवर चोरी

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में ग्राम लाडाकाबास की ढाणी सुरली में चोरी की एक वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर घर के मुख्य द्वार से प्रवेश कर सीधे कमरे में पहुंचे और वहां रखे दो बक्सों को उठा ले गए। चोर बक्सों को घर से करीब 200 मीटर दूर ले जाकर खोलते हुए उनमें रखे सोने-चांदी के जेवरात व नकदी निकाल ली और फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम लाडाकाबास की ढाणी सुरली निवासी रामनिवास पुत्र गोपाल यादव के घर से बीती रात अज्ञात चोर रात करीब तीन बजे अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर कमरे में रखे दो संदूको को लेकर घर से करीब 200 मीटर दूर ले जाकर संदूकों के ताले तोड़ दिए जिनमें एक संदूक में दस्तावेज व एक संदूक में रखी करीब 10 लाख की कीमत के 2 किलो पुरानी चांदी व 30 ग्राम सोने के जेवरात सहित नगदी पार कर ली। घटना के बाद पीड़ित परिवार को जब चोरी का पता चला तो घर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। बाद में मामले की जानकारी प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज : उदयपुर शहर के सुखेर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले सीए के खिलाफ पीड़ित को आर्थिक हानि पहुंचाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित अशोक कुमार खटीक पुत्र जीवतलाल निवासी विजय गंज कॉ. पुराना बस स्टेण्ड के पास विजयगंज डूंगरपुर ने रौनक ओरिया सीए निवासी देव कॉम्पलेक्स अंबाजी आबूरो सिरोही के खिलाफ परिवाद जरिये प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि वर्ष 2018 में आरोपी से डूंगरपुर में आयोजित उद्योग मेले में संपर्क हुआ था, जहां से उससे बातचीत होने के पश्चात नजदीकीयां बढ़ गई। इस पर उसके कहे अनुसार काम नहीं करने पर आरोपी ने मुझे आर्थिक हानि पहुंचाई। इसको लेकर बातचीत करने पर अरोपी ने कांई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

उदयपुर में इंजीनियरिंग छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में इंजीनियरिंग छात्र ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापनगर थाना क्षेत्र सी क्लास निवासी युवराज सिंह (19) पुत्र नरपतसिंह राजपूत ने अपने मकान में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर परिजनों ने उसे निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। एसआई अशोक सिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। युवराज पैसिफिक कॉलेज से इंजीनियरिंग का छात्र था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं पुलिस मामले में जांच कर रही है।

खाटूश्यामजी जा रहे श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

मथुरा (उत्तर प्रदेश) से खाटूश्यामजी जा रहे थे श्रद्धालु

सीकर, (निसं)। मथुरा (उत्तर प्रदेश) से खाटूश्यामजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकरा गई। रेस्टोरेंट संचालक सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे सीकर के रींगस कस्बे में हुई। गंभीर रूप से घायलों को सीकर रेफर किया गया है। पुलिस को आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से कार अनियंत्रित हो गई।

- **गंभीर रूप से घायलों को सीकर रेफर किया, उपचार जारी**
- **आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने से कार अनियंत्रित हो गई थी**

रींगस पुलिस थाने के एएसआई सांवताराम ने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे रींगस से खाटूश्यामजी जाने वाली रोड पर होटल माखन मटकी के पास हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो कार सड़क किनारे पेड़ से टकराई मिली। मथुरा निवासी रिंकू सैनी और अमित की मौत हो गई। घायलों में से तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीकर के एसके हॉस्पिटल रेफर किया गया है। सांवताराम ने बताया कि हादसे में गाड़ी ड्राइवर दुर्गेश, अजय, केवल और विनोद घायल हुए हैं। दोनों शवों को रींगस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

मथुरा से परिजनों के यहां पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। कार सवार सभी एक-दूसरे के परिचित थे। रिंकू सैनी मथुरा में खुद का रेस्टोरेंट चलाता था। अमित हेल्पर था। मकर संक्रांति का त्योहार होने के चलते सभी ने खाटूश्यामजी के दर्शन करने का प्लान बनाया था। मंगलवार की रात सभी श्रद्धालु मथुरा से रवाना हुए थे। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त कार को थाने लेकर आई है।

देवली के आवां कस्बे में 80 किलो की गेंद से हुआ दड़ा खेल

ढाई घंटे के खेल के बाद गेंद गढ़ में ही रही, यह साल सामान्य रहने के आसार

टोंक, (निसं)। देवली उपखण्ड के आवां कस्बे में ऐतिहासिक दड़ा महोत्सव बुधवार को सम्पन्न हुआ, जहां यह खेल 80 किलो की गेंद के साथ खेला गया। खेल में कस्बे के दो गेट, दो गोलपोस्ट होते हैं। मान्यता के अनुसार अगर गेंद अखनिया गेट की ओर जाए तो प्रदेश में अकाल पड़ने की संभावना होती है, जबकि गेंद दूनी दरवाजे की तरफ जाए तो सुकाल पड़ता है। अच्छी बारिश होती है, करीब ढाई घंटे खेल चलने के बाद गेंद गढ़ (चौक) में ही रही, ऐसे में यह साल सामान्य रहने के आसार हैं।

जिले के आवां कस्बे में बुधवार को पूर्व रियासत से जुड़े सदस्य आदित्य सिंह ने दड़ा गेंद को गढ़ के चौक में रखवाया और ठोकर मारकर शुरुआत की। खेल खेलने के लिए हजारों लोग आवां के चौक में जुटे थे, जहां महिलाएं, बच्चे, बूढ़े और अन्य लोग छतों से हूटिंग कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और आवां सरपंच दिव्यांश एम भारद्वाज समेत कई लोग शामिल हुए। कानून व्यवस्था संभालने के लिए डीएसपी हेमराज जाट, दूनी थाना प्रभारी रतन सिंह भी मौजूद रहे।

- **खेल खेलने के लिए हजारों लोग आवां के चौक में जुटे थे**

दड़ा महोत्सव के अवसर पर मकर संक्रांति के दिन आवां कस्बे में मेला आयोजित किया जाता है। खेल खत्म होने के बाद बाजार में भीड़ बढ़ गई तथा मेले में स्थानीय लोगों समेत ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग और महिलाएं खरीदारी की।

80 किलो की गेंद के साथ ऐतिहासिक दड़ा महोत्सव सम्पन्न हुआ।

टोंक में चाइनीज मांझे से युवक का गला कटा

टोंक, (निसं)। निवाई में चाइनीज मांझे से युवक का चेहरा कट गया। बाद में उपचार के बाद युवक को घर भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक पारस बैरवा पुत्र रामनारायण बैरवा निवासी निवाई जो कुंडों के पास से निवाई शहर की ओर जा रहा था। तभी चाइनीज मांझा उसकी गर्दन से टकरा गया, मांझे की तेज धार से गर्दन कटने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर गिर गई। घटना में गर्दन और गाल के बीच गहरा घाव हुआ है।

बाद में आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायल पारस को उपजिला अस्पताल निवाई पहुंचाया, डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गर्दन पर पांच टांके लगाए हैं। उपचार के बाद युवक की हालत सामान्य है, उसे घर भेज दिया गया, ग्रामीणों ने प्रशासन से चाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग की है।

जोधपुर में आवारा कुत्तों द्वारा राहगीरों को काटने के मामले बढ़े

महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रोजाना करीब 50 से ज्यादा लोग पहुंच रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। शहर में इन दिनों आवारा कुत्तों के द्वारा राहगीरों को काटने के मामले बढ़ने लगे हैं। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रोजाना औसतन करीब 50 से ज्यादा लोग पहुंचने लगे हैं। बीते करीब 12 दिनों में 600 से ज्यादा लोग कुत्तों के शिकार हो चुके हैं, जबकि पिछले तीन सालों के आंकड़ों की बात की जाए तो औसतन रोजाना 30 से 35 लोग डॉग बाइट के शिकार होते हैं।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल में डॉग बाइट को लेकर इलाज होता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर इससे संबंधित इलाज ही नहीं है। ऐसे में 70 से 100 किलोमीटर दूर तक के मरीजों को इंजेक्शन और टीका लगवाने के लिए जोधपुर आना पड़ता है। जोधपुर में बीते तीन वर्षों की बात की जाए तो साल दर साल डॉग बाइट के आंकड़े बढ़ रहे हैं। जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में साल 2023 में जहां डॉग बाइट के 10 हजार 615 मामले आए, वहीं साल 2024 में 10968 और साल 2025 में 13 हजार 198 मामले सामने आ चुके हैं।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर सावित्री शर्मा ने बताया कि इन दिनों सर्दियों के समय में डॉग बाइट के मामले बढ़ जाते हैं। यहां पर ग्रामीण क्षेत्रों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन सावधानी बरतने की भी जरूरत है। उन्होंने बताया कि यदि कहीं पर भी डॉग बाइट हो तो घाव को 10 से 15 मिनट तक बहता पानी में धोना चाहिए इसके बाद जितना जल्दी हो सके मरीज को अस्पताल लाना चाहिए। जहां पर उसके एंटी रैबीज इंजेक्शन भी लगाए जा सके और उसका इलाज भी शुरू किया जा सके। उन्होंने बताया कि कई बार लोग कुत्ते के काटने के समय घाव पर मिर्ची लगा देते हैं लेकिन यह घाव के लिए नुकसानदायक है, इसलिए इस तरह की भ्रांतियां में नहीं आना चाहिए और घाव पर मिर्ची लगाने की बजाय उसे बहता पानी से धोना चाहिए और जल्द से जल्द अस्पताल में मरीज को लेकर आना चाहिए, जिससे कि उसका इलाज शुरू किया जा सके।

कार से शराब जब्त, तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से अवैध रूप से शराब का परिवहन करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस टीम ने 4 पेटी अवैध शराब की एवं घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार ने मय जाप्ता माल बाबड़ी के पास कोटा रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि चैकिंग के दौरान एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार में से अवैध शराब की चार पेटियां बरामद की गई, जिसमें दो देशी शराब की एवं दो अंग्रेजी शराब की पेटियां बरामद की गई है। पुलिस टीम ने मौके पर कार में सवार सलोनिया निवासी आकाश, नन्दबिहारी एवं महावीर को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान किया जा रहा है।

बीकानेर : रायसर के धोरों पर "पतंग उत्सव" का आयोजन

बीकानेर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को पहली बार रायसर के धोरों पर पतंग उत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे रोबीले और महिलाएं तथा स्थानीय नागरिकों ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान चारों ओर वो काटा का शोर गूंजता रहा।

कार्यक्रम में पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़, कार्यक्रम प्रभारी और उपनिदेशक महेश व्यास, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहली बार सभी संभाग मुख्यालयों के अलावा जैसलमेर और माउंट आबू में पतंग उत्सव आयोजित किया गया है। इसके तहत रायसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम प्रभारी व्यास ने बताया कि इस दौरान बीकानेर का पारम्परिक 'चंदा' भी उड़ाया गया। पतंगबाजों ने पतंगबाजी की। इस दौरान परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया।

मकर संक्रांति पर रायसर के धोरों में महिलाओं तथा स्थानीय नागरिकों पतंगबाजी का लुत्फ उठाया।

- **उत्सव के दौरान बीकानेर का पारम्परिक 'चंदा' भी उड़ाया गया, पतंगबाजों ने पतंगबाजी भी की**

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ने सड़क सुरक्षा सप्ताह की जानकारी दी और कहा कि यातायात नियमों की पालना करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। इस दौरान सहायक पर्यटन अधिकारी योगेश राय, लोक कलाकार अनिल बोड़ा, आर्यन जोशी, हिमांशु जोशी, आर्यन बीकानेरी, ज्योति स्वामी आदि मौजूद रहे।

युवक ने मौसेरे भाई की हत्या की

उदयपुर, (निसं)। जिले के वाघपुरा थाना क्षैत्र में आपसी मनमुटाव के चलते युवक ने कुदाली से हमला कर मौसेरे भाई की हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार वाघपुरा थाना क्षेत्र देवीनपाड़ा मादड़ी निवासी मुकेश पुत्र धर्मचन्द्र कसोटा ने आपसी मनमुटाव के चलते कुदाली से हमला कर अपने मौसेरे भाई देवीनपाडा मादड़ी निवासी मन्नालाल उर्फ मनीष पुत्र केसुलाल कसोटा की हत्या कर दी। कुछ दिनों पूर्व दोनों ने साथ में शराब पी थी एवं उस दौरान विवाद होने पर मन्नालाल ने मुकेश के साथ मारपीट की थी, जिससे वह नाराज था। मंगलवार शाम मन्नालाल को आता देख कर मुकेश ने बीच रास्ते में कुदाली से मन्नालाल पर हमला कर फरार हो गया। हमले में घायल मन्नालाल को झाड़ोल चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर वाघपुरा थानाधिकारी वैलाराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

जोधपुर में सर्दी से दो जनों की मौत

अलग-अलग जगह मिले थे शव

जोधपुर, (कासं)। शहर में पड़ रही कड़ाके की ठंड से दो फुटपाथी व्यक्तियों की मौत हो गई।

पुलिस ने शवों को पहचान के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। उदयमंदिर पुलिस के अनुसार एएसआई सुमेरसिंह ने सोजती गेट पुलिस चौकी के पास सुलभ कॉम्पलेक्स के पास एक व्यक्ति बेहोश की हालत में लेटा हुआ पाया था। उसको बाद में एमजीएच लाया गया, मगर यहां पर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। दूसरी तरफ महामंदिर पुलिस के अनुसार एएसआई सुरेशचन्द्र ने महामंदिर चौराहा के पास में अज्ञात शख्स का शव बरामद किया था। पुलिस ने उक्त दोनों मामलों में सर्दी से मौत होने की आशंका जताई है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR
ई-निविदा सूचना संख्या 624/2025-26
No.NIT/2025-26/33362-71 Date:13.01.2026
निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रु.)
Strenthening & Widening of Land acquired & other Stretches of Road from Shrimadhopur to Badhal via Patwari ka Bass, Lakhni Mod, Kotri Dhaylan, Dadiya Rampura. UBN: RRC2526WLOB01103	898.60 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

ठगी के पांच आरोपी गिरफ्तार
जयपुर/उदयपुर। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने आईनलाईन गैमिंग जरिये ठगी करने वाली गैंग के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

खोया पाया
मेरे भूखण्ड संख्या बी-491, अनुपम विहार योजना का मूल कब्जा पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें। रीना गुप्ता, फोन नंबर-7232025363

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1150 चूंकि प्रार्थी श्री SISTER LOVITA JOSEPH 401, SOPHIA GIRLS COLLEGE, MIRSHAHALI, JAIPUR ROAD, AJMER ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास एजुकेशनन्ल सोसायटी ऑफ सेन्ट एंजिला सोफिया जयपुर, ST. ANGELA SOPHIA HIGHER SECONDARY SCHOOL, OUTSIDE GHAT GATE JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1151 चूंकि प्रार्थी श्री KAMAL KUMAR KOTHARI, 101/5, JLN MARG NEAR POLICR MEMORIAL JAWAHAR NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास पन्नालाल कोठारी मेमोरियल ट्रस्ट JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1154 चूंकि प्रार्थी श्री HARI SHANKAR SHARMA, NEAR BADA MAHADEV MANDIR ANDHI JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास ग्रामीण विकास एवं पर्यावरण संस्था, दौसा SUNDAR DAS MARG, DAUSA के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1159 चूंकि प्रार्थी श्री KAMAL KUMAR KOTHARI 1015, JLN MARG JAWAHAR NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास ज्वैलर कल्चरल सोसायटी PITLIYA BHAWAN, PITLIYON KA CHOWK, JOHARI BAZAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मुख्यमंत्री स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

शर्मा ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है

मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा का श्रीफल व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को नींदड़ में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में सपत्नीक शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। जयपुर में श्रीराम कथा का आयोजन हम सबके जीवन का पुनीत संयोग है। इससे राम नाम की महक चारों ओर फैली हुई है तथा हनुमान चालीसा के पवित्र स्वर और वेद मंत्रों की गूंज हर जगह सुनाई पड़ती है।

उन्होंने कहा कि जगद्गुरु इस युग के महान विद्वान, तपस्वी और रामभक्त हैं। शर्मा ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है और ज्ञान की ज्योति जलाई है।

उन्होंने भगवान श्रीराम के नाम को हर घर, गांव और शहर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। चित्रकूट की पावन भूमि से लेकर देश-दुनिया तक जगद्गुरु श्रीराम कथा के माध्यम से राम नाम की अमृत वर्षा करते है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जगद्गुरु ने तुलसी पीठ की स्थापना कर रामायण और हिंदी साहित्य की सेवा का अद्भुत कार्य किया है। प्रभु श्रीराम मर्यादा, सत्य और धर्म के साक्षात स्वरूप हैं तथा भगवान राम का चरित्र मानवता के लिए सर्वोच्च आदर्श है।शर्मा ने कार्यक्रम में रामानंद मिशन की ओर से दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सहायक उपकरण वितरित किए। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए युवाओं को हेलमेट सौंपे और स्वच्छताकर्मियों का सम्मान भी किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा का श्रीफल व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित बड़ी संख्या में साधु-संत एवं आमजन उपस्थित रहे।

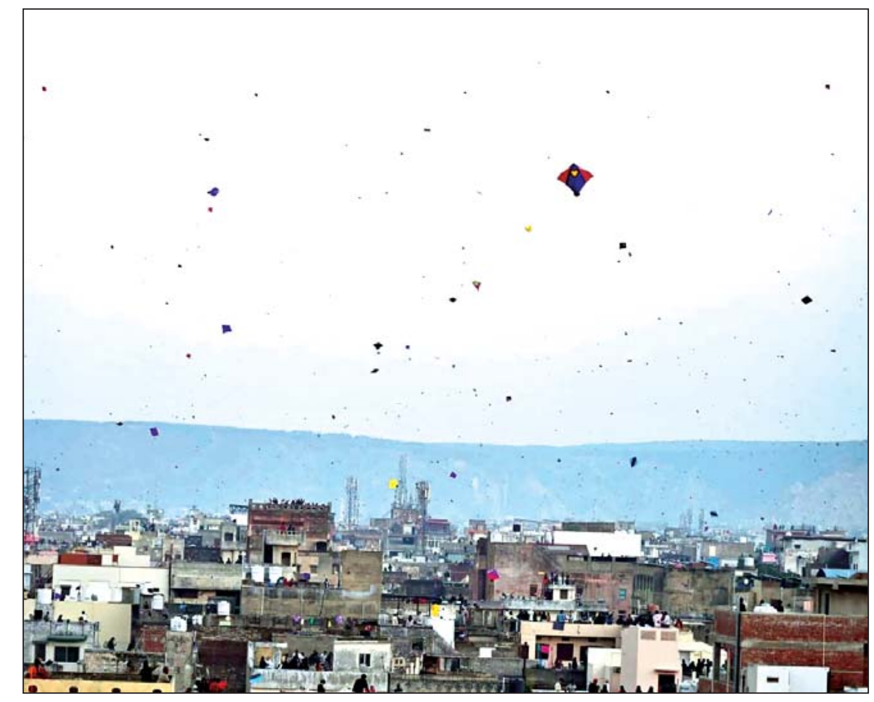
मकर संक्रांति के अवसर पर दिनभर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

बुजुर्ग महिला को लिफ्ट का झांसा देकर लूटपाट की

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में एक बुजुर्ग महिला को अंजान बाइक सवार युवक से लिफ्ट लेना भारी पड़ गया। बदमाश ने लिफ्ट देने का झांसा दे बाइक पर बैठाया और सुनसान जगह ले जाकर उसे जान से मारने की धमकी देकर पहने हुए सोने के आभूषण खुलवाए और लेकर फरार हो गया। आरोपी के चुगंल से निकलने के बाद पीड़िता जैसे-तैसे घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने पौते को दी। जिसके बाद पोता दादी को लेकर थाने पहुंचे और अज्ञात बाइक सवार बदमाश के लिए लूट का मामला दर्ज कराया। पुलिस नेलूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

बिना नियमित जांच अप्रमाणित सामग्री के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी : हाईकोर्ट

- अदालत ने एएसआई को पदावनत कर हैड कांस्टेबल बनाने के आदेश को रद्द किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी को पदावतन करने से जुड़े मामले में कहा है कि बिना नियमित जांच किए केवल अखबार में प्रकाशित फोटो या अप्रमाणित सामग्री के आधार पर व्यक्ति को दोषी ठहराकर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एएसआई को पदावनत कर हैड कांस्टेबल बनाने के आदेश को रद्द कर दिया है। हालांकि अदालत ने विभाग को छूट दी है कि वह चाहे तो मामले में नियमानुसार नियमित जांच कर सकता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश अजीत मोगा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सेवा नियम, 1958 के नियम 19 के उपनियम 2 का प्रयोग अत्यंत असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। यह प्रावधान विभाग को जांच से बचने का लाइसेंस नहीं देता। समान परिस्थिति में जब एक अधिकारी को राहत दी गई तो दूसरे को दंड देना समानता के अधिकार के भी खिलाफ है।

याचिका में अधिवक्ता मुकेश कुमार ने अदालत को बताया कि जनवरी, 2020 में एक दैनिक समाचार पत्र में कुछ पुलिस अधिकारियों की अपराधियों के साथ मौजूदगी दर्शाते हुए तस्वीरें प्रकाशित हुई थी। इन तस्वीरों के आधार पर पुलिस के आलाधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता आपराधिक तत्वों के संपर्क में है। इसके बाद बिना नियमित विभागीय जाए किए उसे हेड कांस्टेबल पद पर पदावनत कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि न तो उसे सुनवाई का मौका दिया गया और ना ही प्रकाशित फोटो की फॉरेंसिक जांच कराई गई, जबकि ये फोटो एआई से बनाई जा सकती हैं।

सीआईएसएफ अधिकारी का बर्खास्तगी आदेश रद्द

- एफआईआर के आधार पर सीआईएसएफ ने उसे निलंबित कर दिया और चार दिन बार ही बिना जांच किए सेवा से बर्खास्त कर दिया था
- हाईकोर्ट ने मृत परिजनों से जुड़े मामले में एफआईआर के बाद सीआईएसएफ निरीक्षक को निलंबित कर बाद में बिना जांच बर्खास्त करने को गलत माना

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के दौरान दर्ज एफआईआर के बाद सीआईएसएफ निरीक्षक को निलंबित कर बाद में बिना जांच बर्खास्त करने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश बलराम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2003 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में निरीक्षक लगा था। उसे मुंबई स्थित सीआईएसएफ यूनिट से एक मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के लिए देहरादून भेजा गया। उस दौरान मृत जवान के परिजनों ने याचिकाकर्ता के खिलाफ मारपीट और अपमान करने के आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करा दी। एफआईआर के आधार पर सीआईएसएफ ने उसे निलंबित कर दिया और चार दिन बार ही बिना जांच किए सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद दायर विभागीय अपील को भी खारिज कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि सीआईएसएफ नियम, 2001 के तहत बडी सजा देने से पहले नियम 36 के तहत विभागीय जांच जरूरी है। दूसरी और विभाग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता पर गंभीर आरोप थे और पीड़ित पक्ष की सुरक्षा व बल की सुरक्षा को देखते हुए तुरंत कार्रवाई जरूरी थी। सीआईएसएफ अनुशासित बल है और ऐसी कठोर कार्रवाई से बल की छवि बनी रह सकती है।

पुलिस वाहन में तैनात कांस्टेबल लूट के आरोप में गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में ईआर-112 पुलिस वाहन में तैनात एक कांस्टेबल और प्राइवेट ड्राइवर द्वारा युवक से लूट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों ने पुलिस का डर दिखाकर मारपीट की और करीब दो लाख रुपए लूट लिए। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी अजय कांत रतूड़ी ने बताया कि लूट के मामले में शुभम मीणा (27) निवासी कोटपूतली-बहरोड़ तथा सुरेंद्र शर्मा (26) निवासी डाहर, चाकसू को गिरफ्तार किया गया है। शुभम मीणा पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर तैनात है, जबकि सुरेंद्र शर्मा ईआर-112 वाहन का प्राइवेट ड्राइवर है।

इस संबंध में आदर्श नगर के धन्नादाजी की बगीची निवासी फैजान कुरैशी (23) ने मामला दर्ज करवाया था कि 13 जनवरी की रात वह जगतपुरा में चिकन का भुगतान लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान भोमिया जी की छतरी के पास ईआर-112 पुलिस वाहन ने उसे रोका। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों ने उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया।

पीएमश्री देशनोक विद्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे शासन सचिव

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया ।

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल बुधवार को बीकानेर जिले के पीएमश्री राजकीय करणी उच्च माध्यमिक विद्यालय, देशनोक का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षिणक, प्रशासनिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। विद्यालय परिवार ने शॉल ओढ़ाकर शासन सचिव का स्वागत किया।

शासन सचिव कुणाल ने कक्षा-कक्षों का भ्रमण कर शिक्षण गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को केमिस्ट्री विषय का अध्यापन भी कराया तथा विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन किया। विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने एवं नियमित अध्ययन पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान कुणाल ने विद्यार्थियों के साथ जमीन पर बैठकर मध्याह्न भोजन भी किया और भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने विद्यालय में संचालित व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार के प्रयासों की प्रशंसा की तथा उन्हें निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पतंग उत्सव में हुई भव्य आतिशबाजी

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा जयपुर नगर निगम एवं पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के सहयोग से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और पर्यटन पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और सशक्त करने वाले भव्य काईट फेस्टिवल के दूसरा चरण हवामहल के सामने आयोजित हुआ।

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की गरिमा मयी उपस्थिति में पतंग उत्सव के दूसरे चरण में हुई भव्य आतिशबाजी से गुलाबी नगर का परकोटा आतिशबाजी की रंगीन रौशनी में नहा गया। सुर्ख काले आसमान में जगमगाती रौशनी ने चमकदार रंग भर दिए।आसमानी फूलझड़ियों, रॉकेट, पटाखों के सुरीले धमाकों और गड़गड़ाहट से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा। यहां हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक टकटकी लगाए आसमान में खिलखिलाते हुए सितारों को निहारत रहे। जोश, उमंग, उत्साह से अद्भुत समा बंध गया।आतिशि सितारों से चमचमाता ऐसा नजारा शायद ही पहले कभी इस क्षेत्र में नज़र आया हो।

दिनभर के सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्सव के बाद शाम 6.30 बजे से पतंग उत्सव के दूसरे चरण में लालटेन उड़ाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।गुलाबी शहर के आसमान में रोशनी और रंगों से सजी आतिशबाज़ी ने इस काईट फेस्टिवल का यादगार समापन किया।

मकर संक्रांति पर सिटी पैलेस में 'पतंग महोत्सव' मनाया

पर्यटकों ने सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया ।

जयपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। देशी-विदेशी पर्यटकों ने सिटी पैलेस से शहर की मशहूर पतंगबाजी का आनंद उठाया। उत्सव में पर्यटकों के लिए निशुल्क पतंग और डोर की व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य गुलाबी शहर की पतंगबाजी की प्राचीन परम्परा और संस्कृति को बनाये रखने और शहर में आने वाले पर्यटकों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराना था।

उत्सव के दौरान राजस्थानी लोक गायक द्वारा पारंपरिक राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति दी गई। पर्यटकों और आगंतुकों ने पतंग उड़ाने के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों जैसे दाल की पकौड़ी और तिल के लड्डुओं का भी लुत्फ उठाया। इस वर्ष भी सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय (1835-1880) की विभिन्न प्रकार की चरखियों के साथ तितली के आकार की एक बड़ी पतंग तुक्कल भी प्रदर्शित की गई। यह पतंग पर्यटकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। तुक्कल पतंग एक विशेष प्रकार की फाइटर-काइट है, जो कि एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय से बहुत ही लोकप्रिय है।

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

आरोग्यम् - 2026
राज्य स्तरीय आरोग्य मेला
15 से 18 जनवरी, 2026 तक
प्रात: 10:00 बजे से रात्रि 07:00 बजे तक
शिल्पग्राम, जवाहर कला केन्द्र, जे. एल. एन. मार्ग, जयपुर

मेले में प्रमुख आकर्षण
आमजन का प्रकृति परीक्षण | योग प्रदर्शन | आयुष के उत्पादों की प्रदर्शनी
आयुष चिकित्सा पद्धतियों से विशेषज्ञों द्वारा उपचार एवं परामर्श | आयुष विशेषज्ञों द्वारा जन स्वास्थ्य के संबंध में संवाद

आप सादर आमंत्रित हैं
आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग
राजस्थान संवाद

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। - **शुभमन गिल**

भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

क्या आप जानते हैं ?... साल 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी में महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 624 रन की पार्टनरशिप की थी

टॉप सीड शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

वेलिंगटन, 14 जनवरी। टॉप सीड बेन शेल्टन ने बुधवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जब उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-5, 6-4 से हराया। शेल्टन, जो लगातार चौथे साल ऑकलैंड में खेल रहे हैं, ने पहले सेट में 5-4 से पीछे रहते हुए तीन सेट पॉइंट बचाए, फिर सर्व ब्रेक किया और मैच पर कंट्रोल कर लिया। दुनिया में आठवें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को दूसरे ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने एक घंटे 42 मिनट में जीत हासिल की। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, ''टेनिस बहुत छोटे मार्जिन का खेल है, और कुछ दिन चीजें मेरे पक्ष में नहीं जातीं। आज, ऐसा हुआ, और मैं खुश हूं कि अब मुझे कुछ चीजों में सुधार करने और क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने का मौका मिला है।'' शेल्टन का अगला मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज से होगा, जिन्होंने अपने दूसरे राउंड के मैच में अमेरिकी जेनसन ब्रूक्सबी को 7-5, 6-0 से हराया था। बुधवार को ही, हंगरी के फैबियन मारोजसन ने नॉर्वे के दूसरे सीड कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर अपने 10वें एटीपी टूर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मारोजसन ने मंगलवार को डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस के गाएल मोंफिल्स पर पहले राउंड में जीत हासिल की थी। 39 वर्षीय मोंफिल्स ने पुष्टि की कि वह साल के अंत में रिटायर हो जाएंगे, और मैच के बाद ऑकलैंड के फैंस को अलविदा कहा।

सैफ फुटसल चैम्पियनशिप में भारत को बांग्लादेश ने ड्रॉ पर रोका

नॉनथबुरी (थाईलैंड), 14 जनवरी। भारतीय पुरुष टीम को बुधवार को यहां नॉनथबुरी स्टेडियम में सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश ने रोमांचक 4-4 से ड्रॉ पर रोक दिया। पहले हाफ में अनमोल अधिकारी (12') और लालसावमपुइया (20') के गोल के बाद के रोलुआहपुइया ने फुटसल टाइगर्स के लिए 27वें और 36वें मिनट में दो गोल किए। बांग्लादेश के लिए, मोहम्मद मोइन अहमद (9', 31') और मोहम्मद रहबर वाहेद खान (16', 37') ने दो-दो गोल किए।

केएल राहुल का नाबाद शतक, भारत ने बनाये 284/7

राजकोट 14 जनवरी। के एल राहुल (नाबाद 112) की शतकीय पारी और कप्तान शुभमन गिल (56) के अर्धशतक की बदौलत भारत ने बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 284 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे राहुल ने 92 गेंदों में नाबाद 112 रनों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। राहुल का यह वनडे में आठवां शतक है। राहुल ने रवींद्र जडेजा के साथ 88 गेंदों में 73 रन, नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 49 गेंदों में 57 रन और मोहम्मद सिराज के साथ 16 गेंदों में 28 रन की साझेदारी कर भारत के स्कोर को मजबूती पर पहुंचाया। आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शुभमन गिल और रोहित शर्मा की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 70 जोड़े। 13वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने रोहित शर्मा को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 38 गेंदों में चार चौकों की मदद से 24 रन बनाये। 17वें ओवर में काइल जेमीसन ने शुभमन गिल को आउटकर भारत को बड़ा झटका दिया। शुभमन गिल ने 53 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए (56) रनों की पारी खेली। इसके बाद श्रेयस अय्यर और विराट कोहली को भी क्लार्क ने अपना शिकार बना लिया। विराट ने 29 गेंदों में दो चौकों की मदद से 23 रन बनाये।

राडुकानू और इवा जोविक अंतिम आठ में

होबार्ट, 14 जनवरी। टॉप सीड एम्मा राडुकानू और तीसरी सीड इवा जोविक ने बुधवार को होबार्ट इंटरनेशनल में अपने मैचों में अलग-अलग रास्ते अपनाए, लेकिन दोनों सीधे सेटों में अगले राउंड में सुरक्षित रूप से पहुंच गईं। 2021 यूएस ओपन चैंपियन राडुकानू और कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो का मैच मंगलवार देर रात बारिश के कारण रोक दिया गया था, जिसमें ब्रिटिश खिलाड़ी एक सेट से आगे थी, लेकिन दूसरे सेट में 4-2 से पीछे थी। जब मैच फिर से शुरू हुआ, तो राडुकानू ने वापसी करते हुए सितंबर के बाद अपनी पहली डब्ल्यूटीए टूर जीत हासिल की। उन्होंने ओसोरियो की सर्विस 5-4 पर तोड़कर मैच को निर्णायक सेट में ले गईं, और उसके बाद हुए टाईब्रेक में नौ में से सात पॉइंट जीतकर 6-3, 7-6(2) से जीत हासिल की।

राडुकानू ने मैच के बाद कहा, ''इस तरह का मैच जीतने और हारने के बीच बहुत कम अंतर होता है। यह बहुत, बहुत मुश्किल मैच था। हमने सभी परिस्थितियों में खेला और कई बार मैच रुका और फिर शुरू हुआ, यह सच में बहुत मुश्किल था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने कैसे वापसी की और मैच को पलटा और फिर टाईब्रेक में डटी रही।''

राडुकानू ने 2025 के अपने पिछले तीन मैच हारे थे और ऑफ-सीजन में पैर की चोट से जूझ रही थीं, इससे पहले पिछले हफ्ते यूनाइटेड कप में खेले गए एकमात्र मैच में मारिया सकारी से तीन सेटों में हार गईं। इस बीच, पहले राउंड की जीत में सिर्फ एक गेम गंवाने के बाद, अमेरिकी टीनएजर जोविक ने मैक्सिको की रेनाटा ज़ाराज़ुआ के खिलाफ सिर्फ तीन गेम गंवाए और 6-1, 6-2 से जीत हासिल कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

वर्ल्ड नंबर 30 ने मैच में मिले दोनों ब्रेक पॉइंट बचाए - जो तब आए जब वह पहला सेट सर्व कर रही थीं - और वर्ल्ड नंबर 84 की सर्विस चार बार तोड़कर 2026 में अब तक खेले गए उतने ही इवेंट्स में अपने दूसरे क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। पिछले हफ्ते ऑकलैंड में, वह सेमीफाइनल में पहुंची थीं, लेकिन आखिरकार चैंपियन बनीं एलिना स्वितोलिना से हार गईं।

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वनडे रैंकिंग में फिर से बने नं. 1

दुबई, 14 जनवरी। शानदार फॉर्म में चल रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली फिर से ताजा आईसीसी पुरुष एकदिवसीय रैंकिंग में पहले पायदान पर पहुंच गये है। आज यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा रैंकिंग में कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भारत की चार विकेट की जीत के बाद आईसीसी पुरुष रैंकिंग में नंबर वन स्थान फिर से हासिल कर लिया है। इस मैच में कोहली के 91 गेंदों में 93 रनों की मदद से मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा किया और वह भारत के महान सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंच गए और ऑल-टाइम मेन्स इंटरनेशनल रन-स्कोरिंग टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया में 50 ओवर की सीरीज के बाद से कोहली शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपनी पिछली पांच पारियों में 74 नाबाद, 135, 102, 65 नाबाद और 93 रन बनाए हैं। 37 साल के कोहली जुलाई 2021 के बाद पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी की हैं। वह 785 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर है। उन्होंने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी और यह शीर्ष स्थान पर उनका 11वां अलग स्पेल है। अभी तक वह कुल 825 दिनों तक शीर्ष पर रहे हैं। यह किसी भी खिलाड़ी द्वारा 10वीं बार सबसे अधिक और किसी भी भारतीय द्वारा सबसे ज्यादा है। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 775 अंकों के साथ तीसरे , कप्तान शुभमन गिल 725 अंकों के साथ पांचवें। शीर्ष दस में एक अन्य भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 682 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल ने पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रनों की शानदार पारी खेलकर वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर जगह बनाई और वह कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे है। उनका स्कोर 784 है यह उनकी अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। यह ब्लैक कैप्स खिलाड़ी शानदार फॉर्म में है। उसने अपने पिछले पांच वनडे में तीन अर्धशतक और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक शतक भी बनाया है। मिशेल के टीम के साथी डेवोन कॉनवे तीन स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग अपडेट में, मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन की वजह से वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज के साथ 15वें स्थान पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को भी भारत के खिलाफ चार विकेट लेने के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद फायदा हुआ, वह 27 पायदान ऊपर चढ़कर भारत के बॉलर अर्शदीप सिंह के साथ 69वें स्थान पर आ गए हैं।

एशेज सीरीज खत्म होने के बाद कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ताजा टेस्ट रैंकिंग में ऊपर चढ़ गए, जिसमें ट्रैविस हेड को सबसे अधिक फायदा हुआ। वह 853 अंकों के साथ दूसरे। स्टीव स्मिथ 831 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गये है। दोनों बल्लेबाजों को एक-एक पायदान का फायदा हुआ है। इसमें भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 750 अंकों के साथ आठवें तथा कप्तान शुभमन गिल 730 रेटिंग अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ इस बड़ी टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने के बाद सात पायदान ऊपर चढ़कर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस सीरीज में 62.90 की औसत से 629 रन बनाए, जिसमें तीन शतक शामिल थे।

टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी में पाक ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा

कराची, 14 जनवरी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज का शेड्यूल कन्फर्म कर दिया है, क्योंकि दोनों टीमें आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी यूनिट को मजबूत कर रही हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के अनुसार, तीन मैच गद्दाफ़ी स्टेडियम में चार दिनों में 29 और 31 जनवरी, और 1 फरवरी 2026 को खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया की टूरिंग टीम 28 जनवरी को लाहौर पहुंचेगी। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए कॉम्बिनेशन को फ़ाइनल करने और भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट से पहले माहौल में ढलने का एक अहम मौका है, क्योंकि दोनों टीमें चोटों से जूझ रही हैं।

खास तौर पर, ऑस्ट्रेलिया के लिए, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और टिम डेविड सभी रिकवरी पीरियड में हैं, जबकि पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी भी बिग बैश लीग में खेलते समय लगी चोट के कारण बाहर हैं।

घरेलू सीरीज के कुछ ही दिनों बाद शुरू होने वाला टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें कई शहरों में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। पाकिस्तान ग्रुप ए में है और अपने मैच श्रीलंका में खेलेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है। पीसीबी के सीओओ सुमैर अहमद सैयद ने इस सीरीज को पाकिस्तान के क्रिकेट फ़ैंस के लिए एक बड़ा इवेंट बताया।

उन्होंने कहा, हम लाहौर में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करने को लेकर उत्साहित हैं और इसका इंतज़ार कर रहे हैं। यह टूर पाकिस्तान क्रिकेट फ़ैंस के लिए साल की एक जबरदस्त शुरुआत है और मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे सीरीज के दौरान बड़ी संख्या में आकर दोनों टीमों का समर्थन करें, क्योंकि वे अपनी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया का यह दौरा मार्च-अप्रैल 2022 में उनके पिछले पूरे दौरे के बाद पाकिस्तान में वापसी है, जिसमें तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 शामिल था। अप्रैल 2022 में गद्दाफ़ी स्टेडियम में हुआ वह अकेला टी 20 मैच ऑस्ट्रेलिया ने बहुत कम अंतर से जीता था, जिसमें मेहमान टीम ने टेस्ट सीरीज भी जीती थी, लेकिन वनडे सीरीज मेज़बान टीम से हार गई थी। पाकिस्तान श्रीलंका में अपनी टी20 सीरीज ड्रॉ करके आ रहा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज में शानदार 4-1 से जीत हासिल की।

डेथ-ओवर्स में राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

राजकोट, 14 जनवरी। वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज़्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं। राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया। भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली।

उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ, उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं - 10 पारियों में 93.8 की औसत और 111.13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है। 2025 से, राहुल ने फुल मेंबर टीमों में ओवर 41 से 50 के बीच सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाए हैं, 140.09 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं। वह एक ऐसी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं जिसमें ग्लेन फिलिप्स (244 रन), जनिथ लियानागे (201), जस्टिन ग्रीव्स (194) और कॉर्बिन बॉश (162) शामिल हैं, जो पारी के आखिर में उनकी बढ़ती अथॉरिटी को दिखाता है। जैसे-जैसे मैच आखिरी दस ओवरों में तय हो रहे हैं, राहुल की शांति और फिनिशिंग क्षमता उन्हें चुपचाप भारत के सबसे वैल्यूएबल वनडे बल्लेबाजों में से एक बना रही है।

कार्ल वाल्थर ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग को अपना पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाया

उल्म (जर्मनी), 14 जनवरी। जर्मनी की बंदूक निर्माता कंपनी कार्ल वाल्थर ने ओलंपिक मेडलिस्ट और पद्म श्री पुरस्कार विजेता गगन नारंग को कंपनी का पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाकर सम्मानित किया है। कार्ल वाल्थर की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब जर्मनी और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक जुड़ाव बढ़ रहा है। हाल की उच्च-स्तरीय बातचीत, जिसमें जर्मन चांसलर की अहमदाबाद यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकें शामिल हैं, ने लंबे समय के सहयोग, टेक्नोलॉजी और मानव संसाधन विकास पर साझा फोकस को उजागर किया है। इस बड़े संदर्भ में, कार्ल वाल्थर की भारतीय निशानेबाजों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता भारत के खेल इकोसिस्टम और उसके एथलीटों की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं में विश्वास को दर्शाती है। इस प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, कार्ल वाल्थर भारतीय निशानेबाजों को बेहतरीन प्रतियोगिता उपकरण, तकनीकी विशेषज्ञता और प्रदर्शन-आधारित इनोवेशन तक पहुंच के माध्यम से समर्थन देना जारी रखेगा, और भारत को अपनी ओलंपिक सफलता को बनाए रखने और आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए एथलीटों, कोचों और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगा। इस अवसर कंपनी के मुख्य कार्यकारी बर्नहार्ड नोबेल ने कहा, गगन नारंग को कार्ल वाल्थर का पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाना हमारी कंपनी के लिए बहुत गर्व का पल है। गगन उन सभी चीजो को रिप्रेजेंट करते हैं जिनके लिए वाल्थर जाना जाता है। सटीकता, ईमानदारी, लचीलापन, और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बिना किसी समझौते के प्रतिबद्ध है। एक एथलीट के तौर पर उनकी उपलब्धियां खुद बोलती हैं, लेकिन जो चीज उन्हें सच में सबसे अलग बनाती है, वह है प्रतियोगिता से परे उनका योगदान - सिस्टम बनाने की उनकी क्षमता, युवा एथलीटों को प्रेरित करना, और भारतीय निशानेबाजी के स्तर को ऊपर उठाना। गगन नारंग ने 14 साल की उम्र में 1997 में निशानेबाजी शुरू की और 2002 में अंतरराष्ट्रीय लेवल पर आए। अपने शानदार करियर में, उन्होंने हर बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते, जिसमें लंदन 2012 ओलंपिक गेम्स में एयर राइफल में कांस्य पदक, म्यूनिख में 2010 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और बैंकॉक में 2008 विश्व कप फाइनल में स्वर्ण पदक शामिल है, जहाँ उन्होंने 600 अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी कई जीत हासिल कीं, जो भारत में बहुत ज़्यादा नेशनल महत्व का इवेंट है। दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी काबिलियत के लिए मशहूर, नारंग 2020 से अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से दूर है।

पी.वी. सिंधु पहले दौर में हारी, प्रणय, श्रीकांत दूसरे राउंड में

नई दिल्ली 14 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने इंडिया ओपन से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा किया था लेकिन वह बुधवार को पहले ही राउंड में वियतनाम की थुई लिन्ह एनगुएन से तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से हार गई।

सिंधु ने इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कम्पलेक्स में यह मुकाबला एक घंटे आठ मिनट में गंवाया। सिंधु का खेल देखने पहुंचे भारतीय दर्शकों को अपनी बैडमिंटन स्टार की हार से भारी निराशा का सामना करना पड़ा।

हालांकि पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और अनुभवी एचएस प्रणय ने अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों को हराकर पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में जगह बनाई, जबकि 16 साल की तन्वी शर्मा ने ओपन 2026 में महिला सिंगल्स के पहले राउंड में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता दिखाई।

32 साल के श्रीकांत ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन तरुण एम को 15-21, 21-6, 21-19 से हराया, जबकि 33 साल के प्रणय ने पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड में पिछले एडिशन के उपविजेता हांगकांग के ली चेउक यिउ को 22-20, 21-18 से हराया। मालविका बंसोड़ बुधवार को दूसरे राउंड में पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय थीं। बाएं हाथ की इस शटलर ने महिला सिंगल्स के पहले राउंड में चीनी ताइपे की पाई यू पो को 21-18, 21-19 से हराया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा के पास दूसरी वरीयता प्राप्त वांग के खिलाफ मौके थे, लेकिन वह पहले गेम में गेम पॉइंट को भुना नहीं पाईं और फिर निर्णायक गेम में उनकी एनर्जी खत्म हो गई और वह एक घंटे नौ मिनट में 20-22, 21-18, 21-13 से हार गईं। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु भी प्रतियोगिता से बाहर हो गईं, जब वह पहले राउंड में वियतनाम की थुय लिन्ह गुयेन से 20-22, 21-12, 21-15 से हार गईं। लेकिन यह दिन प्रणय और श्रीकांत का था, ये दो अनुभवी खिलाड़ी जो 2025 के मुश्किल साल के बाद बीडब्ल्यूएफ टूर पर वापसी करना चाहते हैं। प्रणय, जो 2025 में ज़्यादातर समय फिटनेस की समस्या से जूझ रहे थे, उन्हें डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 3 एंडर्स एंटोनसन के हटने के बाद योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 में एंट्री मिली और उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए ली को हराया।

वर्ल्ड नंबर 38 ने अपने तेज़ स्मैश और रैली में लंबे समय तक बने रहने की क्षमता पर भरोसा किया, जिससे विरोधी परेशान हो गया। उन्होंने पहले गेम में दो गेम पॉइंट बचाए और फिर अपने डाउन द लाइन स्मैश में काफी दम लगाकर सीधे गेम में जीत हासिल की। अब उनका दूसरे राउंड में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और आठवीं सीड लोह कीन यू से होगा, जिन्होंने चीन के वांग झेंग जिंग को 23-21, 19-21, 21-14 से हराया।

दुनिया के नंबर 3 एंटोनसन ने दिल्ली प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली 14 जनवरी। डेनमार्क के दुनिया के नंबर 3 बैडमिंटन खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर ''वायु प्रदूषण'' को लेकर चिंताओं के कारण लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम वापस ले लिया है। एंटोनसन ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए यह खुलासा किया, जिसमें बताया कि दिल्ली में मौजूदा हवा की क्वालिटी के कारण उन्होंने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। एंटोनसन ने लिखा, ''इस समय दिल्ली में बहुत ज़्यादा प्रदूषण के कारण, मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए सही जगह है।'' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गर्मियों तक हालात बेहतर हो जाएंगे, जब शहर में वर्ल्ड चैंपियनशिप होनी है। डेनमार्क के शटलर ने यह भी बताया कि बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने नाम वापस लेने के लिए उन पर 5,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया है। और कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बावजूद उन्हें फिर से सज़ा दी गई है। इंडिया ओपन से नाम वापस लेने के बावजूद, एंटोनसन ने उम्मीद जताई कि साल के आखिर में हालात बेहतर होंगे।

पाकिस्तानी मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ी वीजा क्लीयरेंस के इंतजार में

कोलम्बो, 14 जनवरी। पाकिस्तान मूल के चार अमेरिकी क्रिकेटर अली खान, शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल कोलंबो में भारतीय उच्चायोग में निर्धारित मुलाकातों में शामिल होने के बाद आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को लेकर भारत यात्रा के लिए वीजा क्लीयरेंस का इंतज़ार कर रहे हैं।

ये खिलाड़ी, जो वर्तमान में फरवरी टूर्नामेंट की तैयारी के अंतिम चरण के हिस्से के रूप में यूएसए टीम के साथ श्रीलंका में हैं, ने मंगलवार (13 जनवरी) को अपनी वीज़ा अपॉइंटमेंट पूरी कीं। हालांकि अपॉइंटमेंट के समय वीजा जारी नहीं किए गए, लेकिन यह समझा जाता है कि कोई औपचारिक अस्वीकृति नहीं हुई है, और अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आवेदन स्थापित संचालन प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में समीक्षा के तहत हैं। आईसीसी के सूत्रों के अनुसार, सभी दस्तावेज अपॉइंटमेंट से पहले ठीक उसी तरह जमा किए गए थे जैसा कि आवश्यक था। सूत्र ने कहा, ''आज सुबह श्रीलंका में भारतीय दूतावास में उनकी अपॉइंटमेंट थी।

सीजन ओपनर में यूपी डॉमिनेटर्स से भिड़ेगी पंजाब रॉयल्स

नोएडा, 14 जनवरी। भारत की प्रमुख फ्रेंचाइज़ी-आधारित कुश्ती लीग प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्लूएल) गुरुवार, 15 जनवरी 2026 को अपने बहुप्रतीक्षित पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में शुरू हो रहा पीडब्लूएल 2026 छह फ्रेंचाइज़ियों, ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व चैंपियनों और भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा पहलवानों के साथ एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी और रोमांचक सीजन पेश करने के लिए तैयार है। संतुलन, गहराई और अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता पर आधारित यह सीजन लीग के नए और सशक्त स्वरूप को दर्शाता है। जो पेशेवर संचालन, एथलीट-फर्स्ट संरचना और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता पर लीग के नए फोकस की झलक देगा। व्यापक नीलामी प्रक्रिया के बाद, पीडब्लूएल 2026 की टीमें रणनीतिक रोस्टर निर्माण की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाती हैं। फ्रेंचाइज़ियों ने केवल बड़े नामों में ही नहीं, बल्कि ऐसे पहलवानों में निवेश किया है जो प्रत्येक टाई में होने वाले नौ बाउट्स-पांच पुरुष और चार महिला भार वर्ग-में निरंतर प्रदर्शन देने में सक्षम हों। यह सब राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट के तहत होगा।

अनुष्का शर्मा रही मैन ऑफ द मैच

वनस्थली विद्यापीठ में रोमांचक हुई क्रिकेट प्रतियोगिता , महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

निवाई, 14 जनवरी। वनस्थली विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को खेले गए सभी मैच काफी रोमांचक रहे। प्रतियोगिता को लेकर शाकुंतलम मैदान पर पहला मैच आजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय पुणे एवं राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के मध्य खेला गया। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए आजिंक्य डीवाई पाटिल पुणे विश्वविद्यालय की टीम 12 रन पर ऑल आउट हो गई। जीत के लिए 13 रन का लक्ष्य राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने मात्र 0.4 ओवर में 16 रन बनाकर हासिल कर लिया। राजस्थान विश्वविद्यालय ने 10 विकेट से जीत दर्ज की। अनुष्का शर्मा ने 5 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में दूसरा मैच सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी व एसएनडीटी यूनिवर्सिटी मुंबई के मध्य खेला गया। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाए। एसएनडीटी यूनिवर्सिटी मुंबई 88 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी 47 रन के अंतर से मैच को अपने नाम कर लिया। इसी प्रकार लक्ष्मीबाई मैदान में पहला मैच आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी एवं हिमाचल नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी पाटन के मध्य खेला गया। जिसमें पाटन यूनिवर्सिटी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए। जिसे आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी ने दो विकेट खोकर 93 रन बना कर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। दूसरा मैच देवी अहिल्याबाई यूनिवर्सिटी इंदौर व विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन के बीच खेला गया। देवी अहिल्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 142 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन की टीम 72 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने 69 रन की जीत दर्ज की। इसी प्रकार विदुला मैदान के ठाउंड नंबर 3 पर पहला मैच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व स्वर्णिम विश्वविद्यालय गुजरात के मध्य खेला गया। जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। उन्होंने दूसरा मैच महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी बीकानेर एवं गुजरात यूनिवर्सिटी नवरंगपुर के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमजीएस यूनिवर्सिटी बीकानेर ने 130 रन का लक्ष्य दिया तथा गुजरात यूनिवर्सिटी नवरंगपुर ने 131 रन का लक्ष्य पूरा करके 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी प्रकार विदुला मैदान के ठाउंड नंबर 4 पर आरएनटी यूनिवर्सिटी भोपाल तथा जीजीटी यूनिवर्सिटी बांसवाड़ा के मध्य खेला गया जिसमें पहले टॉस जीतकर जीजीटी यूनिवर्सिटी बांसवाड़ा की टीम ने पहले बदलेबाजी करने का फैसला लिया और बल्लेबाजी करने उतरी टीम मात्र 30 रन पर ऑल आउट हो गई और आरएनटी यूनिवर्सिटी भोपाल को 31 रनों का लक्ष्य में मिला। जिससे आरएन टी यूनिवर्सिटी ने एक 1.03 ओवर में 34 रन बनाकर मैच जीत लिया। गेंदबाजी में आरएनटी यूनिवर्सिटी की ओर से रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। जहां पल्लवी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में चार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। दूसरा मैच रानी अवंती बाई लोधी यूनिवर्सिटी शोलापुर एवं एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर के मध्य खेला गया। जिसमें शोलापुरा यूनिवर्सिटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए और अजमेर को 172 रन का लक्ष्य दिया। एमडीएस अजमेर 83 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। रानी अवंती बाई लोधी यूनिवर्सिटी की गेंदबाज साक्षी ने 5 विकेट लिए।

टीमों के चयन के लिए समिति का गठन

प्रशिक्षण टीम चयन के बाद सूची परिषद को पेश करेंगे

जयपुर, 14 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 (-2026) का आयोजन 20 जनवरी 2026 को जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में किया जायेगा। इसके लिए टीमों की चयन स्पर्धा करवाई जानी है। खेल परिषद द्वारा भी टीम का चयन किया जायेगा, जो खिलाडी चयन स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक है, वे अपने साथ आवश्यक दस्तावेज व किट लेकर आवें। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स के तहत बालक व बालिका वर्ग में आइस हॉकी का आयोजन देहरादून में किया जा रहा है। खेल परिषद के हॉकी प्रषिक्षक हर्षवर्धन सिंह चूंडावत 16 जनवरी को हिमाद्री आइस स्केटिंग एरीना, देहरादून में टीम चयन के लिए सलेक्शन ट्रॉयल का आयोजन करेगें। उन्होने बताया कि टीम चयन के लिए चयन समिति का गठन किया गया है, जिसमें खेल परिषद का प्रतिनिधि, संबंधित खेल संघ का प्रतिनिधि और द्रोणाचार्य, अर्जुन पुरस्कार विजेता और संबंधित खेल के प्रतिष्ठित खिलाडी चयन समिति में शामिल है। टीमों के चयन के बाद संबंधित खेल प्रशिक्षक चयन सूची परिषद को भेजेगें।

मुंबई का असली प्रतिनिधि कौन, ठाकरे बंधु या भाजपा?

इसी सवाल पर केन्द्रित है, बीएमसी चुनाव

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। महाराष्ट्र में मुंबई और अन्य नगर निगम चुनावों के लिए प्रचार समाप्त होने के साथ ही, मुंबई एक बार फिर पहचान और प्रतिनिधित्व को लेकर तीखी राजनीतिक बहस के केन्द्र में आ गई है।

जहाँ शहर की सड़कों पर इसकी बहुलतावादी और बहुसांस्कृतिक पहचान झलकती है, लोहड़ी, पोंगल और उगादी जैसे त्योहार जोशो-खरोश के साथ मनाये जा रहे हैं, वहीं, राजनीतिक चर्चा ने चुनाव को इस सवाल में बदल दिया है कि "असली मुंबईकर" और मराठी मानुस का प्रतिनिधि कौन है। नागरिक मुद्दों पर हावी होती पहचान की राजनीति के चलते, यह मुकाबला भारत के इस सर्वाधिक विविधतापूर्ण महानगर में पहचान पर एक जनमत संग्रह जैसा बन गया है।

मतदान में 48 घंटे से भी कम समय शेष रहने के साथ, मुंबई देश की सबसे अमीर स्थानीय निकाय, "बृहन्मुंबई महानगरपालिका", के नियंत्रण को लेकर एक बेहद अहम राजनीतिक संघर्ष का केन्द्र बन गई है।

■ ठाकरे बंधु और मु.मंत्री फड़नवीस के लिए अस्तित्व का प्रश्न बन गए हैं, बीएमसी चुनाव और दोनों पक्षों ने पूरी ताकत झोंक दी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला भाजपा-नीत महायुति गठबंधन ठाकरे चचेरे भाइयों,उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे,के खिलाफ कड़े मुकाबले में है, जबकि पवार परिवार भी इस राजनीतिक रणभूमि में मौजूद है।

राजनीतिक अस्तित्व, मराठी पहचान, हिंदुत्व और शासन- प्रशासन को लेकर तीखे हमलों के बीच मुफ्त सुविधाओं, कल्याणकारी सहायता और नागरिक ढांचे में सुधार के वादे करने वाले घोषणापत्र चर्चा के केन्द्र में आ गए हैं। प्रचार के अंतिम घंटों में अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि मुंबई के इस नागरिक निकाय की तिजोरी की चाबी किसके पास रहे, इसका फैसला पहचान की राजनीति करेगी या सुशासन के वादे।

ऊटी जाते समय मैसुर एयरपोर्ट पर डीके शिवकुमार से मिले राहुल

राहुल ने डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, दोनों से दिल्ली आने को कहा है, ताकि मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाया जा सके। हालांकि, उनकी दिल्ली यात्रा की कोई तारीख अभी तय नहीं हुई है।

मंगलवार को कर्नाटक में मौजूद राहुल गांधी के समक्ष दोनों नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया और अटकलों को खत्म करने के लिए हाईकमान की योजनाओं पर स्पष्टता मांगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में फेरबदल का मुद्दा भी उठाया।

राहुल गांधी मंगलवार को पोंगल से पहले एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तमिलनाडु में ऊटी जाते समय मैसूर पहुँचे थे।

दिल्ली लौटते समय, शिवकुमार उन्हें हवाई अड्डे पर विदा करने पहुँचे। हवाई अड्डे पर शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, और गांधी के बीच हुई बातचीत के विज़ुअल सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज़ हो गई।

शिवकुमार के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, लोकसभा

■ एयरपोर्ट पर हुई इस मुलाकात ने कर्नाटक की राजनीति में हलचल मचा दी है और एक बार फिर से नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई हैं।

में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार शाम मैसूर हवाई अड्डे पर उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के साथ चर्चा की। यह मीटिंग राहुल गांधी के तमिलनाडु से मैसूर पहुँचने और दिल्ली रवाना होने के बीच हुई।

शिवकुमार ने मीडिया से कहा, "मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हूँ और वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। हम जो भी चर्चा करते हैं, वह सब कुछ आपको नहीं बता सकते। आप लोग बेवजह यह अटकलें लगाकर मुद्दे बना रहे हैं कि क्या बात हुई। उनकी ओर से कोई संदेश नहीं था। उन्होंने हमें अच्छा काम करने को कहा। हमने उन्हें मनरेगा और इसे आगे ले जाने की हमारी योजना के बारे में बताया।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ऐसी अफ़वाहें जोरों पर हैं कि कांग्रेस हाईकमान संक्रांति के बाद नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा के लिए दोनों नेताओं को दिल्ली बुला सकता है।

इस बीच, सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा कि पार्टी में कोई उलझन नहीं है। उन्होंने कहा, कौन-सी अटकलें? ये सिर्फ मीडिया की अटकलें हैं। आप ही लोग अटकलें पैदा कर रहे हैं। ऐसे सवाल उठाना ही निराधार है। पार्टी में परेशानी कहाँ है? ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं है।"

लेकिन सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री का खेमा इन घटनाक्रमों पर बारीक नज़र बनाए हुए है।

यह सारी खींचतान 2023 के चुनाव परिणाम के समय से चली आ रही है, जिसमें कांग्रेस ने ज़बरदस्त जीत दर्ज की थी।

उस समय राज्य में कांग्रेस की जीत में अहम भूमिका निभाने के कारण शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। अंततः कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें उपमुख्यमंत्री और राज्य पार्टी अध्यक्ष पद स्वीकार करने के लिए राजी कर लिया। उस समय कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया था कि रोटेशनल मुख्यमंत्री व्यवस्था पर सहमति बनी है, लेकिन इसकी कभी पुष्टि नहीं हुई।

प्र.मंत्री मोदी आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तंत्र में काम करने वाले लोगों के परस्पर संवाद के तरीके को बदलने और पुराने भवन के साथ जुड़ी औपचारिकताओं की परतों को कम करने के लिए बनाया गया है।

जहाँ साउथ ब्लॉक में औपनिवेशिक स्थापत्यकला की छाप थी, वहीं सेवा तीर्थ में आधुनिक डिज़ाइन एवं भारतीय सभ्यतागत तत्वों का संगम है।

इसके आंतरिक हिस्सों में भारत की विरासत से प्रेरित सांस्कृतिक चित्र दिखाई देते हैं, लेकिन सारे डिज़ाइन में ज्यादा तामझाम नहीं है और सुगम कार्य व्यवस्था को तवज्जो दी गई है।

प्रधानमंत्री के निजी और औपचारिक बैठक कक्षों को इस तरह पुन:डिज़ाइन किया गया है कि वे विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों की मेज़बानी परंपरा और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के संगम वाले परिवेश में कर सकें।

फतहपुर में ट्रक-कार भिड़ंत में एक परिवार की 6 महिलाओं की मौत

वे लक्ष्मणगढ़ में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लौट रही थीं

सीकर, 14 जनवरी (निसं)। सीकर में ट्रक और कार की भीषण भिड़ंत में छह महिलाओं की मौत हो गई तथा तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। हादसा जयपुर-बीकानेर हाईवे पर फतेहपुर के हरसवा गांव के पास बुधवार शाम चार बजे हुआ। हादसे में अर्टिगा कार चकनाचूर हो गई। कार में सवार लोग उसमें फंस गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने शव और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। किन्तु हालत गंभीर होने के कारण, उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कार में सवार लोग अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे

डीएसपी अरविंद कुमार जाट ने बताया कि फतेहपुर सदर थाना क्षेत्र में अर्टिगा कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। मोड़ पर कार कंट्रोल नहीं हो सकी और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से रास्ते से हटाकर ट्रैफिक को सुचारू करवाया गया। थाना अधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि अर्टिगा कार में सवार लोग लक्ष्मणगढ़ (सीकर) से फतेहपुर अपने घर लौट रहे थे। ट्रक सीकर की ओर जा रहा था। हादसे में संतोष पत्नी सत्यनारायण, तुलसी देवी पत्नी ललित, मोहनी देवी

■ जयपुर-बीकानेर हाईवे पर अर्टिका कार चकनाचूर हो गई।

पत्नी महेश कुमार, इंद्रा पुत्री महेश कुमार, आशा पत्नी मुरारी और चंदा पत्नी सुरेन्द्र की मौत हो गई। घायल सोनू, वसीम और बरखा को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया है। मृतकों के परिवार के सदस्य ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ में रहने वाली हमारी बुआ का निधन हो गया था। परिवार के लोग सुबह 11 बजे पांच गाड़ियों में सवार होकर उनके अंतिम संस्कार में गए थे। दोपहर 3ऑ :30 बजे परिवार के सभी लोग वहाँ से निकले थे। इस दौरान अर्टिगा कार का एक्सीडेंट हो गया।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति के इस दौरे से आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के साथ-साथ राजस्थान के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

अब 55 देशों में वीज़ा के बिना एंट्री मिलेगी भारतीयों को

नई दिल्ली, 14 जनवरी। हेनली एंड पार्टनर्स द्वारा जारी 2026 की नवीनतम पासपोर्ट रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट ने उल्लेखनीय सुधार दिखाया है और पिछले एक साल में भारत ने अपनी स्थिति में 5 स्थानों का सुधार करते हुए 85वें स्थान से 80वें स्थान पर छलांग लगाई है। यह प्रगति भारतीय नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा के अवसरों में वृद्धि का संकेत देती है, हालांकि वीजा-फ्री एक्सेस वाले देशों की संख्या में मामूली कमी आई है।

वर्ष 2026 की रैंकिंग के अनुसार,

■ भारत अब 85वें से 80वें स्थान पर आ गया है।

■ अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप पर सिंगापुर हैं तथा दूसरा स्थान जापान व दक्षिण कोरिया का है।

भारतीय पासपोर्ट धारक अब दुनिया भर के 55 देशों में बिना पूर्व वीजा के या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। वर्ष 2025 में, भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर था और 57 देशों में वीज़ा-फ्री पहुंच प्रदान करता था। 2024 में भी भारत की रैंक 80 थी, जिसका अर्थ है कि 2025 में गिरावट के बाद 2026 में फिर से सुधार देखने को मिला है। हालांकि, वीज़ा-फ्री यात्रा वाले देशों की संख्या में 2 देशों की कमी आई है, जो एक महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में सिंगापुर ने लगातार दूसरे साल अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट है, जो अपने धारकों, को 227 में से 192 देशों में वीजा-फ्री एंट्री की अनुमति देता है। यह सिंगापुर के मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति का प्रमाण है। जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

रैंकिंग के निचले सिरे पर, अफगानिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट बना हुआ है, जो सूची में सबसे नीचे 101वें स्थान पर है।

आईएनएसवी कौडिन्य जहाज मस्कट पहुँचा

मस्कट, 14 जनवरी। भारतीय नौसेना के प्राचीन पाल विधि से निर्मित जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य ने ऐतिहासिक 18 दिनों की यात्रा पूरी कर ली है। यह जहाज 29 दिसंबर 2025 को गुजरात के पोरबंदर से रवाना हुआ था और बुधवार को ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गया। यह यात्रा भारत की प्राचीन समुद्री परंपराओं को जीवंत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों का सम्मेलन आज

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां संसद भवन परिसर के संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री सभा को संबोधित भी करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे और इसमें दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के 42 राष्ट्रमंडल देशों और 4 अर्ध-स्वायत्त संसदों के 61 स्पीकर और पीठासीन अधिकारी शामिल होंगे। यह सम्मेलन कई समकालीन

■ सम्मलेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

संसदीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगा, जिसमें मजबूत लोकतांत्रिक संस्थानों को बनाए रखने में स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका, संसदीय कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, सांसदों पर सोशल मीडिया का प्रभाव, संसद के बारे में जनता की समझ बढ़ाने के लिए नई रणनीतियाँ और मतदान से परे नागरिकों की भागीदारी, जैसे विषय शामिल हैं।

भारतीयों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

9891281091 15, 9891281091 09, 989128109102 और 989932179359 पर संपर्क कर सकते हैं। भारतीय दूतावास से ई मेल ... पर भी संपर्क कर सकते हैं। दूतावास ने सभी नागरिकों को बिना देरी के दूतावास में पंजीकरण कराने की सलाह दी है।

चीन ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को काबू में किया जा सके। लेकिन ट्रम्प की योजना के मुताबिक कुछ भी काम होता नहीं दिख रहा है।

यह सही है कि चीनी कस्टम्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को होने वाला चीन का निर्यात लगभग 20 प्रतिशत घटा है। लेकिन इसके साथ ही यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे कई दूसरे देशों को उसका निर्यात बढ़ गया है, खास तौर पर इलेक्ट्रिक कारों और तकनीक आधारित उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ा है।

इस हफ्ते बीजिंग में चीनी व्यापार अधिकारियों की ब्रीफिंग के अनुसार, हाई-टेक वस्तुओं, जिनमें उन्नत मशीन टूल्स और औद्योगिक रोबोट शामिल हैं, का निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों, लीथियम बैटरियों और फोटोवोल्टाइक उत्पादों (जैसे सोलर पैनल) का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़ा है।

चीनी सफलता का मूल मंत्र यह है कि अपने उत्पाद किसी भी कीमत पर दुनिया भर के बाजारों में उतारो। चीनी निर्माता लागत के आधार पर कीमत तय नहीं करते, बल्कि इस आधार पर कीमत रखते हैं कि सामान बिक सके। यह क्लासिक मर्केंटिलिस्ट सिद्धांत है, जो काम कर रहा है।

मर्केंटिलिस्ट विचारक देश की आर्थिक नीति में बेहद कठोर रुख के लिए जाने जाते थे। इसे "अपने पड़ोसी को कमजोर करो" जैसी रणनीति कहा जा सकता है।

जब से चीन ने उस समय अमेरिकियों की मदद से ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम में एंट्री की है, तब से चीन ने लगातार मुक्त बाजार व्यवस्था (फ्री मार्केट इकॉनमी) का पूरा फायदा उठाया। लेकिन उसके अपने काम करने के तरीके बने रहे। चीनी निर्माताओं के लिए मुनाफा उतना जरूरी नहीं होता, जितना कि बिक्री और बड़े पैमाने पर उत्पादन।

लगभग दो दशक पहले इस संवाददाता ने चीन जाकर वहां के उद्योगों को नजदीक से देखा था। उस समय चीन

■ अपना माल विश्व भर में पहुँचाने के बाद चीन ने "रेअर अर्थ" खनिज को परिष्कृत करने की टैक्नॉलजी पर ध्यान लगाया। वर्षों बाद इस टैक्नॉलजी पर चीन का आधिपत्य व एकाधिकार हो गया है।

■ पर, चीन की इस औद्योगिक नीति में एक कमी है, वह निर्यात पर आधारित है। अतः चीन की "डॉमैस्टिक डिमांड" बहुत कम है।

का निर्यात आज जितना हर जगह मौजूद नहीं था, लेकिन उसकी नींव रखी जा रही थी।

चीनी औद्योगिक प्रबंधकों से बातचीत में पता चला कि जिला और प्रांतीय प्रशासन निर्यात के वादों के आधार पर उद्योगों को जमीन देते थे। बैंकों के ब्याज दर भी इस तरह तय होते थे कि उत्पाद विदेशों में बिक सकें। अगर कोई इकाई अपने निर्यात वादों को पूरा नहीं करती थी तो उस पर सख्त सवाल और सुधारात्मक कदम उठाए जाते थे।

डब्ल्यूटीओ में प्रवेश से चीनी उद्योगों को "मोस्ट फेवर्ड नेशन" का दर्जा मिला और उन्हें न्यूनतम टैरिफ का लाभ मिला। लेकिन चीन ने अपने बाजार में विदेशों से आने वाले उत्पादों पर कई तरह के बैन लगा रखे थे, जैसे – कुछ खास सामान के लिए तय बंदरगाह, हर आयातित वस्तु पर चीनी भाषा में लेबल की अनिवार्यता और चीनी मानकों का पालन।

आज चीन ने ऐसी आपूर्ति शृंखलाएं और उद्योग विकसित कर लिए हैं, जो उसके व्यापार साझेदारों की कमजोरियों का पूरा फायदा उठाते हैं। उदाहरण के लिए भारत की दवा इंडस्ट्री को देखें, जो दवाओं के कच्चे माल, यानी एपीआई के लिए चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर है।

चीन ने दुर्लभ खनिजों के उत्पादन में भी जबरदस्त दूरदर्शिता दिखाई है। ये खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उपकरणों से लेकर कार बैटरियों तक में जरूरी होते हैं। इनका उत्पादन चीन ने दशकों तक अपने पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाकर बढ़ाया है।

इसमें कोई शक नहीं कि भारी कीमत चुकाकर, चीन अब दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की सप्लाई पर इतना मजबूत कब्जा करने में कामयाब हो गया है कि ट्रंप से टैरिफ युद्ध के दौरान, चीन अमेरिका के हाथ मरोड़ने की ताकत रखता था। चीन ने खनिजों की आपूर्ति पर पूरी तरह रोक लगाने की घोषणा कर दी, जिससे ट्रम्प को झुककर कम टैरिफ के साथ बातचीत के लिए वापस आना पड़ा।

समय-समय पर चीन उन देशों को भी आपूर्ति पर नियंत्रण लगाने की कोशिश करता है, जो उसके आर्थिक हितों के खिलाफ जाते हैं। उदाहरण के लिए, चीन ने भारत को रेयर अर्थ मिनरल्स वाले प्रॉडक्ट्स के एक्स्पोर्ट पर भी इसी तरह की रोक लगाई थी, इस शर्त पर कि इन प्रॉडक्ट्स या इनपुट्स का इस्तेमाल करने वाले प्रॉडक्ट्स को यू.एस. सहित दूसरे देशों में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। यह विशाल व्यापार प्रदर्शन तब तक अच्छा है, जब तक चलता है, लेकिन यह चीन की नीति की गहरी कमजोरियों को भी उजागर करता है। चीन अब अपने सामान को विदेशों में बेचने पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है। उसकी उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं ज्यादा है।

घरेलू मांग कमजोर है और बड़े पैमाने पर बने मकान बिक नहीं पा रहे हैं। कई शहरों में अधूरे और खाली मकानों की भरमार है, जिन्हें 'घोस्ट टाउन' कहा जा रहा है। इनसे मकानों के दाम गिर रहे हैं और जिन लोगों ने इसमें निवेश किया है, उनकी संपत्ति का मूल्य घट रहा है। कुल मिलाकर घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है। चीन के आक्रामक निर्यात से उसके व्यापार साझेदार डर रहे हैं और भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। हर चमकती चीज हमेशा सोना नहीं होती।

राजनीतिक लाभ ...

■ वरिष्ठ कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी गत 3 जनवरी से पंचायत समितियों को तोड़कर गुड़ामलानी व धोरीमन्ना को बालोतरा जिले में शामिल करने के खिलाफ धरना दे रहे थे। उनके समर्थन में आयोजित आक्रोश रैली में पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा व विधायक दल के नेता टीका राम जूली ने भी भाग लिया।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधानसभा क्षेत्र गुड़ामालानी की पंचायत समितियों को तोड़कर गुड़ामालानी व धोरीमन्ना को बालोतरा जिले में शामिल करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व राजस्व मंत्री हेमाराम चौधरी के नेतृत्व में 3 जनवरी से धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर धरना दिया जा रहा है। बुधवार को हेमाराम चौधरी द्वारा दिये जा रहे धरने का समर्थन करने एवं जन आकोश रैली के आगाज पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, रूपाराम धनदे, जैसलमेर, सांचौर के सुखराम बिश्नोई, पोकरण के साले मोहम्मद, विधायक हरीश चौधरी,पदमाराम मेघवाल, फतह खान, गफूर अहमद,रतन देवासी, सिमरजीत सिंह सहित कई जनों ने भाग लिया।

कांग्रेसजनों ने भारी संख्या में भीड़ के साथ उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन दिया। वरिष्ठ नेताओं की ओर से हेमाराम चौधरी को धरना समाप्त करने की बात कहने पर हेमाराम चौधरी ने कहा कि यह धरना मेरा नहीं था, पूरी क्षेत्र की जनता का है, उन सभी की बात सुनकर धरना समाप्त किया जाएगा।

सऊदी-अरब-पाकिस्तान-टर्की एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा, यह पाकिस्तान को ऐसे समय में रक्षा कवच दे सकता है, जब भारत-पाकिस्तान तनाव बना हुआ है। इस व्यवस्था को किसी एकल संधि के रूप में नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

व्यापक स्तर पर, सऊदी अरब-पाकिस्तान-तुर्की की यह बातचीत रणनीतिक परिवर्तन के दौर से गुजरती दुनिया को दर्शाती है। जैसे-जैसे अमेरिका की सुरक्षा गारंटियाँ अधिक चयनात्मक हो रही हैं और इज़रायल व अमेरिकी हितों पर केन्द्रित हो रही हैं, वैसे-वैसे मध्यम दर्जे की शक्तियाँ वैकल्पिक या समानांतर सुरक्षा व्यवस्थाओं की तलाश कर रही हैं। सऊदी अरब के लिए यह वॉशिंगटन पर निर्भरता से आगे बढ़ने और विविधता लाने का प्रयास है। तुर्की के लिए यह राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन की इस्लामी दुनिया में अंकारा के प्रभाव का विस्तार करने की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है। पाकिस्तान के लिए इसके पक्ष में दलील ज्यादा तत्कालिक है, इससे उसे कूटनीतिक अलगाव से निकलने और भारत के साथ बार-बार हुए सैन्य टकरावों के बाद प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

भारत की मुख्य चिंता इस उभरते त्रिकोण में पाकिस्तान की स्थिति को

■ भारत की सामरिक रणनीति अब तीव्र गति से, सीमित दंडात्मक कार्यवाही पर निर्भर है, जैसा कि 2019 के बालाकोट हवाई हमले व मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में देखा गया था। पर, "इस्लामिक नाटो" के नए घटनाक्रम ने भारत-पाक संघर्षों में एक अनिश्चितता का तत्व मिला दिया है, जिससे अब यह कहना, कि भविष्य में भारत-पाक युद्ध द्विपक्षीय मामले रहेंगे, मुश्किल है।

लेकर है। इस्लामाबाद पहले से ही चीन के मजबूत रणनीतिक समर्थन का लाभ पा रहा है। अब सऊदी अरब और तर्की के जुड़ने से एक राजनीतिक और सैन्य क्षमता बढ़ जाती है, जो संकट के समय पाकिस्तान को अधिक आत्मविश्वासी बना सकता है। भले ही ये वार्ताएँ किसी बाध्यकारी पारस्परिक रक्षा संधि तक न पहुँचें, लेकिन नाटो-शैली की भाषा, जहाँ "किसी भी हमले" पर सामूहिक प्रतिक्रिया की बात होती है, का प्रयोग अपने आप में स्पष्ट प्रतिरोधक मूल्य रखता है।

यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत का सैन्य सिद्धांत अब परमाणु हमले से कुछ नीचे, किंतु तेज़, सीमित और दंडात्मक कार्रवाई पर अधिक निर्भर करता है, जैसा कि 2019 के बालाकोट हवाई हमलों और मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में देखा गया। कोई भी ऐसा ढाँचा, जो इस अनिश्चितता को बढ़ा दे कि भविष्य का भारत-पाकिस्तान टकराव पूरी तरह द्विपक्षीय ही रहेगा या नहीं, भारत की आक्रामक गणना को जटिल बनाता है और कार्रवाई की कूटनीतिक लागत को भी बढ़ाता है।

तुर्की की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। तुर्की, कश्मीर जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में बयानबाज़ी ही नहीं कर रहा है, वह नाटो का दीर्घकालिक सदस्य है, जिसके पास उन्नत और तेज़ी से बढ़ता रक्षा उद्योग, ड्रोन युद्ध का व्यापक अनुभव और वैश्विक हथियार आपूर्तिकर्ता बनने की महत्वाकांक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तुर्की का खुला राजनीतिक समर्थन था और खबर है कि वह उसे सैन्य समर्थन भी दे रहा था और भारत के साथ टकराव की स्थिति और नाटो के दृष्टिकोण से असहज रूप से तुर्की को इस्लामाबाद के करीब ले आई हैं।

यदि तुर्की पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था में संरचनात्मक रूप से जुड़ जाता है, तो पाकिस्तान की सैन्य क्षमता में लगातार वृद्धि होगी, ड्रोन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म से लेकर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तक, और संभवतः तुर्की के पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कान तक पाकिस्तान की अगली पीढ़ी पहुँच बढ़ जाएगी। दक्षिण एशिया के सूक्ष्म रूप से संतुलित सैन्य वातावरण में, ऐसे छोटे-छोटे बदलाव भी रणनीतिक रूप से बड़े प्रभाव डाल सकते हैं।

सऊदी अरब की भूमिका अपेक्षाकृत शांत है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण भी है। रियाद ने परंपरागत रूप से पाकिस्तान के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को भारत के साथ लगातार गहराते आर्थिक और रणनीतिक साझेपन के साथ संतुलित किया है। हालांकि, पाकिस्तान की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखने वाली किसी सुरक्षा व्यवस्था को समर्थन देना सऊदी-पाकिस्तान संबंधों के आंशिक स्तर पर पुनः राजनीतिकरण का संकेत हो सकता है। फिर भी, यह संभावना कम है कि रियाद भारत के साथ एक बड़े ऊर्जा खरीदार और निवेश स्थल के रूप में बढ़ते संबंध को खतरे में डाले। सऊदी भागीदारी संभवतः भारत का सामना करने की किसी मंशा से अधिक, ईरान को लेकर चिंताओं और अमेरिका की आंशिक वापसी से प्रेरित है।

फिर भी, संकट के समय धारणाएँ मायने रखती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता स्वयं पाकिस्तान के लिए एक संपत्ति हो सकती है, जो भारतीय योजनाकारों को बाहरी कूटनीतिक दबाव, खुफिया जानकारी साझा करने, हथियारों की आपूर्ति या यहाँ तक कि सीमित नौसैनिक समन्वय की संभावना पर विचार करने के लिए मजबूर कर दे।

इस पैक्ट का समय भी महत्वपूर्ण है। ये वार्ताएँ ऑपरेशन सिंदूर के बाद हो रही हैं, जिसके बाद पाकिस्तान के पास प्रतिरोध को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का पूरा प्रोत्साहन है, केवल चीन के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रभावशाली मुस्लिम शक्तियों को साथ जोड़कर, जो एक कथानक गढ़ सकें और भारत के कूटनीतिक दायरे को जटिल बना दें। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच पहली त्रिपक्षीय नौसैनिक बैठक भी अरब सागर और पश्चिमी हिंद महासागर में एक समुद्री आयाम जोड़ती है, ये क्षेत्र भारत के व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

पर भारत को ध्यान में रखना होगा कि यह नाटो नहीं है, और घबराहट से बचना होगा। इन तीनों देशों के हित अलग-अलग हैं, आंतरिक सीमाएँ हैं और कोई साझा कमांड संरचना नहीं है। फिर भी, प्रवृत्ति स्पष्ट है। भारत के लिए यह लाल बत्ती नहीं, बल्कि पीली बत्ती है, जो संकेत देती है कि पाकिस्तान के साथ भविष्य के संकट अधिक भीड़भाड़ वाले, अधिक राजनीतिक और तकनीकी रूप से अधिक जटिल रणनीतिक वातावरण में सामने आ सकते हैं।

एस.एम.एस. अस्पताल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतिम निर्णय में यह कहा कि अभ्यर्थी डॉक्टरी करने के लिए समर्थ नहीं है, और उसकी दिव्यांगता प्रतिशत अधिक है। यह मेडिकल रिपोर्ट एस.एम.एस. अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड द्वारा नीट यूजी के एडमिशन व काउंसलिंग बोर्ड को दी गई थी, जिसमें 23 सितम्बर, 2025 को रमन खण्डेलवाल की दावेदारी इस रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दी गई।

रमन खण्डेलवाल ने इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पुनः अपनी दिव्यांगता का प्रतिशत तय करने के लिए मेडिकल टैस्ट की गुहार की थी। उनका कहना था कि परीक्षा में भाग लेने से पूर्व उनकी दिव्यांगता, एक हाथ न होने की वजह से, 55 प्रतिशत आंकी गई थी, जो नियमानुसार उनकी उम्मीदवारी को रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस मामले में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हिमांशु जैन ने भी अदालत को सुनवाई के दौरान कहा था कि एस.एम.एस. अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट अवैज्ञानिक और अनियमित तरीके से बनाई जा रही है। अदालत ने 24 सितम्बर को ही पुनः मेडिकल जांच करने के आदेश दिए थे, परन्तु एस.एम.एस. के मेडिकल बोर्ड ने रमन खण्डेलवाल की "लोको मोटर डिसेबिलिटी" को अधिक बताते हुए उनकी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया।

■ याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हिमांशु जैन ने भी अदालत को सुनवाई के दौरान कहा था कि एस.एम.एस. अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट अवैज्ञानिक और अनियमित तरीके से बनाई जा रही है।

तत्पश्चात रमन खण्डेलवाल ने हाई कोर्ट की खण्डपीठ के समक्ष अपील दायर की थी, जिसके आदेश अनुसार, दिल्ली सफदर जंग अस्पताल में डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड द्वारा उनकी पुनः जांच की गई और 9 दिसम्बर, 2025 को जारी रिपोर्ट में उन्हें डाक्टरी पढ़ने और अभ्यास करने के लिए सक्षम पाया गया।

इस रिपोर्ट के आधार पर कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश मिश्रा और संगीता शर्मा ने 19 दिसम्बर को आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को डॉक्टरी पढ़ने और नीट यूजी में उत्तीर्ण होने के बाद मैडिकल कॉलेज में दाखिला देने से वंचित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही, अदालत ने हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए उपयुक्त पाया।

हैरानी की बात है कि हाई कोर्ट की खण्डपीठ के आदेश के बावजूद, याचिकाकर्ता को अभी तक भी मेडिकल कॉलेज में एडमीशन नहीं मिला है। हाईकोर्ट की खण्ड पीठ के आदेश की अवमानना के कारण रमन खण्डेलवाल ने याचिका दायर की है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, नीट यूजी एडमिशन और काउन्सलिंग बोर्ड के अध्यक्ष व अन्य को पक्षकार बनाया है, और इस मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सुदेश बंसल और संजीव तनेजा की खण्डपीठ में नीट यूजी मेडिकल काउन्सलिंग बोर्ड के अध्यक्ष को अगली तारीख पर अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। इस मामले की अगली तारीख 22 जनवरी है।

यह प्रकरण चौंकाने वाला इसलिए भी है, क्योंकि पिछले वर्ष भी एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के डिसेबिलिटी बोर्ड की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए एक खोज- खबर की गई थी, जिसमें आर.ए.एस. भर्ती परीक्षा के एक अभ्यर्थी की मूक-बधिर की दिव्यांगता प्रतिशत को कम बताते हुए उसे दिव्यांगजनों के लिए आवंटित आरक्षण से वंचित रखा गया था। बाद में हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, एम्स मेडिकल कॉलेज जोधपुर से उस अभ्यर्थी की दिव्यांगता प्रतिशत की पुनः जांच कराई गई तो उसे आरक्षण का लाभ पाने के लिए उपयुक्त पाया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908